हरिभूमि

जबलपुर

रविवार, 7 अप्रैल 2024

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

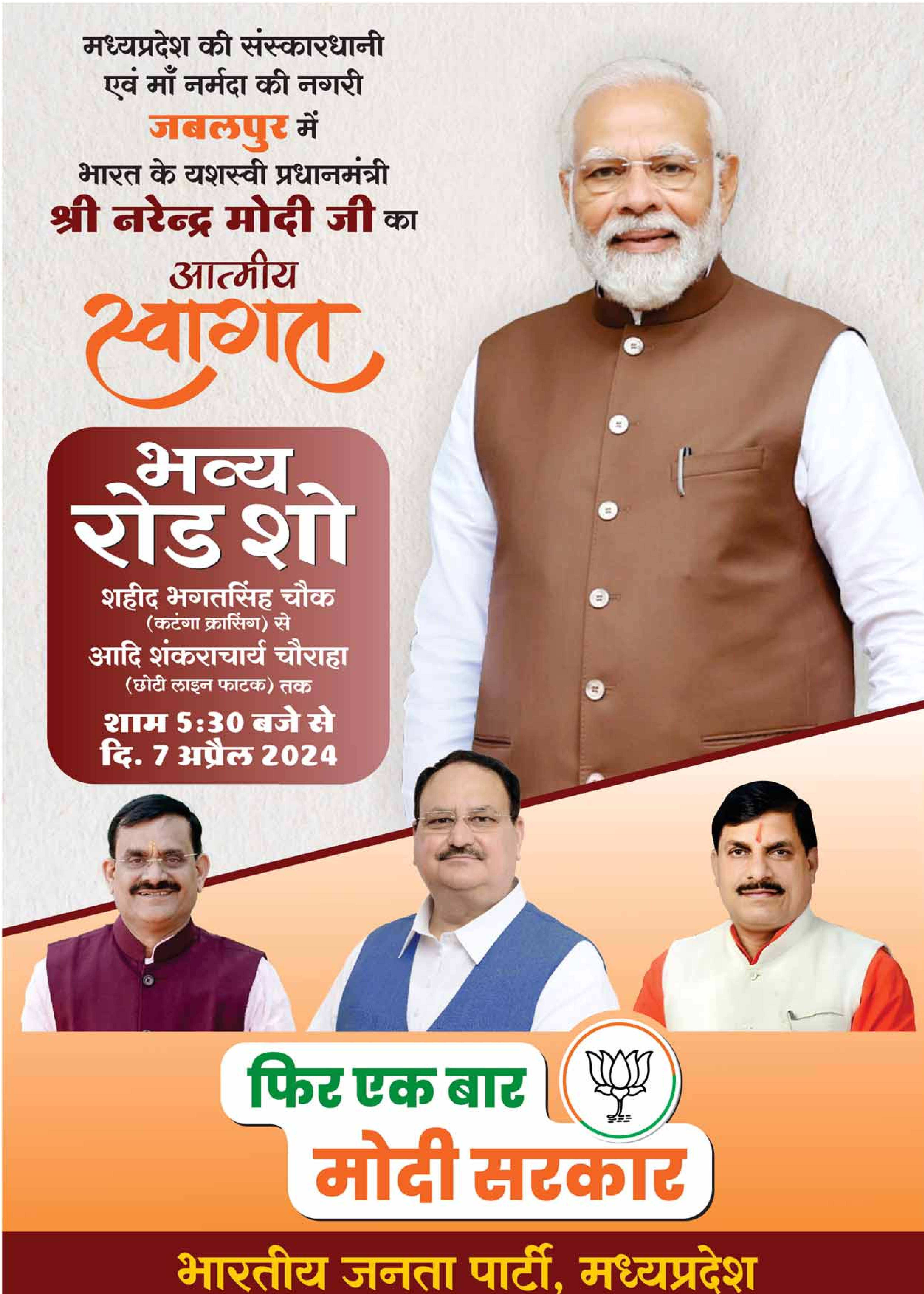

लोकसभा क्षेत्र
शहडोल

1 भाजपा प्रत्याशी
हिमाद्री सिंह

2 कांग्रेस प्रत्याशी
फुंदेलाल मार्को

पिछली बार कौन जीता
हिमाद्री सिंह

जीत का अंतर
40 हजार 333

क्या रहेंगे मुद्दे?

लोकसभा के इस चुनाव में मुद्दों के लिहाज से भाजपा का पलड़ा भारी है। अयोध्या में राम मंदिर, धारा 370 और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता उसके ट्रंप कार्ड हैं। भाजपा केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं और कामों को भी गिना रही है। कांग्रेस में भगदड़ भी उसका एक मुद्दा है। इसके विपरीत कांग्रेस के फुंदेलाल क्षेत्र में सांसद हिमाद्री की निष्क्रियता को मुद्दा बना रहे हैं। इसके अलावा कांग्रेस ने घोषणा-पत्र में अपने मुद्दे गिना दिए हैं। पांच न्याय के साथ कांग्रेस ने 24 गारंटियों की बात की है। वह किसान कर्जमाफी को भी मुद्दा बना रही है और एमएसपी को भी। भाजपा और कांग्रेस का प्रचार जोर पकड़ता दिख रहा है।

कोरोना काल में जनता के बीच नहीं दिखी थीं हिमाद्री, कांग्रेस के फुंदेलाल का पुष्पराजगढ़ में ज्यादा असर

भाजपा प्रत्याशी से नाराजगी, मुकाबले में रहने की कोशिश में कांग्रेस

विंध्य अंचल की शहडोल लोकसभा क्षेत्र की सांसद और भाजपा प्रत्याशी हिमाद्री सिंह से क्षेत्र के लोगों में कुछ नाराजगी है, क्योंकि वह कोरोना कॉल में लोगों के साथ खड़ी नहीं दिखाई पड़ीं। दूसरी वजह पति और भाजपा नेता नरेंद्र सिंह मरावी के साथ चल रही उनकी अनबन भी है। खबर है कि पति और पत्नी साथ नहीं रह रहे हैं। बावजूद इसके भाजपा की स्थिति मजबूत है। कांग्रेस के फुंदेलाल मार्को विपरीत परिस्थिति में भी विधानसभा चुनाव जीतते रहे हैं। वे क्षेत्र का जाना-माना चेहरा हैं, लेकिन उनका असर उनके विधानसभा क्षेत्र पुष्पराजगढ़ में ही ज्यादा है। हालांकि आदवासियों के एक वर्ग में उनकी अच्छी पकड़ बताई जाती है। इसकी बदौलत वे मुकाबले में बने रहने की कोशिश कर रहे हैं।

ग्राउंड रिपोर्ट

दिनेश निगम 'त्यागी' ▶▶ भोपाल

शहडोल की सांसद हिमाद्री सिंह चुनाव भले भाजपा की टिकट पर लड़ रही हैं, लेकिन उनकी राजनीतिक और पारिवारिक पृष्ठभूमि कांग्रेसी है। उनके पिता दलबीर सिंह क्षेत्र के सांसद के साथ कांग्रेस के कद्दावर नेता रहे हैं। हिमाद्री की मां राजेश नंदिनी सिंह भी कांग्रेस से सांसद रही हैं। दलबीर सिंह के निधन के बाद राजेश नंदिनी सिंह ने पति की राजनीतिक विरासत संभाली और राजेश नंदिनी सिंह के निधन के बाद हिमाद्री चुनाव मैदान में उतरीं। हिमाद्री 2016 के उप चुनाव में कांग्रेस की ओर से पहली बार मैदान में उतरी और भाजपा के ज्ञान सिंह से 60 हजार से ज्यादा वोटों के अंतर से पराजित हो गईं। नतीजा, अगले लोकसभा चुनाव 2019 से पहले उन्होंने कांग्रेस छोड़ भाजपा का दामन थाम लिया। भाजपा ने उन्हें टिकट दिया और वे कांग्रेस की प्रमिला सिंह को रिकार्ड 4 लाख से ज्यादा वोटों के अंतर हरा कर जीत गईं। खास बात यह भी है कि हिमाद्री ने कांग्रेस में रहते भाजपा नेता नरेंद्र सिंह मरावी के साथ शादी की थी, जबकि नरेंद्र सिंह 2009 में उनकी मां राजेश नंदिनी सिंह के खिलाफ ही लोकसभा चुनाव लड़े थे और 13 हजार से ज्यादा वोटों के अंतर से हार गए थे। हिमाद्री 4 लाख से ज्यादा वोटों के रिकार्ड अंतर से चुनाव जीती थीं। हालांकि कोरोना कॉल में वे क्षेत्र के लोगों के साथ खड़ी दिखाई नहीं पड़ीं। इसकी वजह से लोगों में उनके प्रति नाराजगी है। दूसरा, हिमाद्री के पति नरेंद्र सिंह मरावी भाजपा के बड़े नेता हैं। वे भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के अध्यक्ष रहे हैं। हिमाद्री अपने पति से अलग रह रही है। इसकी वजह से भी कुछ लोग नाराज बताए जाते हैं। इसका तात्पर्य यह भी नहीं कि भाजपा की हालत ठीक नहीं है। शहडोल में देश की हवा का असर है और यहां एक बार फिर भाजपा की स्थिति मजबूत दिख रही है। कांग्रेस के फुंदेलाल भी क्षेत्र के मजबूत नेताओं में से एक हैं। भाजपा की लहर में भी वे विधानसभा चुनाव नहीं हारे।

हिमाद्री सिंह

फुंदेलाल मार्को

विस में भाजपा ने जीतीं 8 में से 7 सीटें

विधानसभा की ताकत के लिहाज से भाजपा का पलड़ा भारी है। पार्टी ने 8 में से 7 सीटें जीत रखी हैं। इसके विपरीत कांग्रेस को सिर्फ एक सीट पर संतोष करना पड़ा है। यह सीट भी कांग्रेस प्रत्याशी फुंदेलाल की पुष्पराजगढ़ है। वे यहां से लगातार तीसरी बार चुनाव जीते हैं। हालांकि इस बार उनकी जीत का अंतर बहुत घट गया। फुंदेलाल 2013 में 35 हजार 643 और 2018 में 21 हजार 201 वोटों के अंतर से चुनाव जीते थे, लेकिन चार माह पहले 2023 के चुनाव में वे 4 हजार 486 वोटों से ही जीत सके। 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस बराबरी पर थे। दोनों ने 4-4 विधानसभा सीटों में जीत दर्ज की थी, लेकिन इस बार भाजपा ने 7 सीटें जीतीं और जीत का अंतर भी कुल मिलाकर 2 लाख 12 हजार 835 वोट का है। इस अंतर को पाटना कांग्रेस के लिए बड़ी चुनौती है।

शहडोल में आधे से ज्यादा मतदाता आदिवासी

शहडोल लोकसभा सीट आदिवासी वर्ग के लिए आरक्षित है। क्षेत्र में आदिवासियों के साथ अनुसूचित जाति वर्ग के मतदाताओं की तादाद भी आधे से ज्यादा है। 2011 की जनगणना के मुताबिक शहडोल क्षेत्र के तहत 44.76 फीसदी आबादी आदिवासी वर्ग की है। इसके साथ क्षेत्र में 9.35 फीसदी आबादी अनुसूचित जाति वर्ग की है। इन दोनों वर्गों के मतदाता भाजपा-कांग्रेस में बंटते हैं, लेकिन ज्यादा भाजपा के पक्ष में ही जाते हैं। आदिवासी वर्ग का कुछ वोट गोंगपा भी ले जाती है। इसके बाद क्षेत्र में पिछड़े वर्ग के मतदाताओं की तादाद 30 फीसदी के आसपास है। यह वर्ग ज्यादा तादाद में भाजपा के पक्ष में ही जाता है। कांग्रेस को पिछड़ों के साथ कुछ सवर्णों का वोट मिलता है।

चार जिलों में फैला है शहडोल लोकसभा क्षेत्र

शहडोल की गिनती विंध्य अंचल में होती है, लेकिन इसका भौगोलिक क्षेत्र महाकौशल तक जाता है। लोकसभा क्षेत्र चार जिलों शहडोल, अनूपपुर, उमरिया और कटनी तक फैला है। इसके तहत शहडोल जिले की दो विधानसभा सीटें जयसिंहनगर और जैतपुर, अनूपपुर जिले की तीन अनूपपुर, पुष्पराजगढ़ और कोतमा, उमरिया जिले की दो बांधवगढ़, मानपुर और कटनी जिले की एक विधानसभा सीट बड़वारा आती है। इनमें से एक पुष्पराजगढ़ को छोड़ शेष सभी 7 पर भाजपा का कब्जा है। जहां तक शहडोल लोकसभा सीट के राजनीतिक मिजाज का सवाल है तो 1991 और 2009 में यहां से कांग्रेस के दलवीर सिंह और उनकी पत्नी राजेश नंदिनी सिंह ही चुनाव जीते है।

चाय पे चर्चा

▶▶ मालवीय नगर स्थित अग्रवाल भोजनालय में चाय पर राजनैतिक चर्चा करते मिले राजधानी के युवक

पार्टी कोई भी हो, मतदाताओं को उम्मीदवार की ईमानदारी व आम लोगों के बीच पकड़ को प्राथमिकता देना चाहिए

लोकसभा सीट भोपाल पर पिछले कई सालों से एक ही पार्टी का सांसद रहा है। चुनाव होने के बाद सांसद अधिकतर नजर नहीं आते हैं। विकास के कामों को लेकर भी कम रुचि नहीं दिखती है। ऐसे में जरूरी है कि मतदाताओं को उम्मीदवार चयन में सावधानी बरतनी चाहिए। यह चर्चा मालवीय नगर स्थित अग्रवाल भोजनालय में चाय पर चर्चा करते हुए मयंक शर्मा और डॉक्टर मुकेश मिले। हाल ही में होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर मयंक ने कहा कि देश में चुनाव को लेकर माहौल बनने लगा है। राजधानी में सात मई को वोटिंग की जानी है। हालांकि नामांकन जमा नहीं होने से अभी प्रचार अभियान ने जोर नहीं पकड़ा है। लेकिन इस बार आम लोगों को चाहिए कि मतदाता चयन में सावधानी बरतें। भाजपा ने आलोक शर्मा को मैदान में उतारा है। यह स्थानीय होने के साथ आम लोगों के बीच के व्यक्ति हैं। हाल ही में विधानसभा चुनाव हारने के बाद उन्हें लोकसभा चुनाव में टिकट दिया गया है। इधर कांग्रेस ने भी अरुण श्रीवास्तव को टिकट दिया है। वह भी आम लोगों के बीच जाकर अपनी बात रख रहे हैं। जिस पर मुकेश ने कहा कि पार्टी कोई भी हो, लेकिन मतदाताओं को उम्मीदवार की ईमानदारी और आम लोगों के बीच पकड़ को प्राथमिकता देना चाहिए। जीत-हार तो लगी रही रहती है।

जो हो न सका...

करोड़ों रुपए खर्च होने के बाद भी नहीं लौट पाया सदर मंजिल का नवाबी वैभव

वर्ष 1860 से 1880 के बीच नवाबी काल में तैयार हुई सदर मंजिल को हेरिटेज लुक देने के लिए केंद्र सरकार से राशि तो उपलब्ध हुई, लेकिन काम पूरा न होने से भवन दोबारा बदहाल होने लगा है। इस पर करोड़ों रुपए खर्च हो चुका है और स्मार्ट सिटी ने दो साल में इसे हेरिटेज लुक देने की बात कही थी, लेकिन काफी पैसा खर्च करने के बाद काम अधूरा छोड़ दिया गया। इसको लेकर जो भी सांसद रहे, उन्होंने सिर्फ आश्वासन दिया कि सुल्तान जहां बेगम का दरबार लगने वाली इस सदर मंजिल को हर हाल में हेरिटेज लुक तैयार करवाया जाएगा। इसके बाद भी यह भवन उसी श्रेणी में आ गया, जिसके लिए लोग कहते हैं कि यह काम जो हो न सका।

सदर मंजिल में ही सुल्तान जहां के बाद हमीदुल्ला खां का दरबार लगने लगा। बाद में शहर इंतजामिया का दफ्तर शुरू हुआ। आजादी के बाद इसमें नगर निगम का दफ्तर लगने लगा। जर्जर भवन होने से दफ्तर शिफ्ट हुआ।

भवन को हेरिटेज लुक देना था

भोपाल स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड ने रेस्टोरेशन एंड डेवलपमेंट फेज टू प्रोजेक्ट के लिए टेंडर जारी किए। इसमें 9 करोड़ 35 लाख रुपए लागत रखी गई थी। प्रोजेक्ट के तहत ग्राउंड फ्लोर और फर्स्ट फ्लोर के पिछले हिस्से को शामिल किया गया। इमारत में एयर कंडीशन के लिए 1 करोड़ 77 लाख से काम शुरू किया गया। दीवारों के संरक्षण के लिए विशेष तरह की तीन लेयर में काम होना था। इसमें 12 एमएम मोटी प्लास्टर और कोटिंग की जानी थी। इसमें सीमेंट इस्तेमाल नहीं होना था। इमारत में इलेक्टिफिकेशन सहित टेलीफोन लाइन बिछनी थीं। आग से बचाव के लिए फायर अलार्म सिस्टम, जिसमें हाइड्रेंट, होज रील, स्मोक डिटेक्टर, पंप, पानी के टैंक आदि की व्यवस्था शामिल है, लेकिन यह हुआ नहीं।

फर्स्ट टाइम वोटर

शिक्षा के क्षेत्र में क्या हो रहा है? इस मुद्दे को लेकर वोट दूंगी...

मैं पहली बार मतदान करने जा रही हूं। शिक्षा के क्षेत्र में हमारी सरकार क्या कर रही है? मैं इस मुद्दे को लेकर अपना वोट दूंगी। जो जनप्रतिनिधि मूलभूत समस्याओं का समाधान करेगा, ऐसे उम्मीदवार को वोट करूंगी। भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी रोकने को लेकर सरकार को कड़े कदम उठाना चाहिए। हर साल वैकेंसी निकालना चाहिए। आज का युवा समस्याएं हल करने वाला नेता चुनना चाहता है।

संजना मौर्या, युवा मतदाता

पहली बार मतदान करूंगा, नई सरकार युवाओं को रोजगार दें...

वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में मैं पहली बार मतदान करूंगा। मुझे पूर्ण विश्वास है कि चुनाव के बाद जिस भी दल की सरकार बनेगी, वह युवाओं के स्वर्णिय भविष्य और रोजगार उपलब्ध कराने में लिए ठोस योजना बनाएगी। मैं पहले जब वे लोगों को मतदान करते देखता था, तो दिल चाहता था कि मेरी भी अंगुली पर स्याही का निशान लगे। मतदान करने के लिए उत्साहित हूं। मतदान करने के लिए दूसरों को भी जागरूक करूंगा।

अरुण पांडे, प्रदेशाध्यक्ष, जय हिंद सेना

जानिए, आदर्श आचार संहिता

चुनाव की घोषणा के बाद से ही आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो जाती है। प्रत्येक राजनैतिक दल को इसका पालन करना जरूरी होता है। यदि किसी विशेष परिस्थितियों में किसी विभाग के वाहन को कार्य की आवश्यकता को दृष्टि में रखते हुए छूट दिया जाना आवश्यक समझा जाता है, तो विभाग को कलेक्टर से संपर्क करना चाहिए। यह कलेक्टर के विवेक पर रहेगा कि वे उन्हें छूट दें अथवा नहीं दें।

निर्वाचन की घोषणा होने के उपरांत समस्त विभागाध्यक्षों को विभागीय वाहनों की मरम्मत का कार्य प्राथमिकता के आधार पर करवा लेना चाहिए। वाहन मरम्मत के लिए अपने अधीनस्थ कार्यालयों को आवश्यक धनराशि का आवंटन एवं स्वीकृति भी शीघ्र दी जानी चाहिए। आवश्यकता होने पर कलपुर्जा, टायर-ट्यूब्स, बैटरी आदि के क्रय के लिए आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराई जाए, इसके लिए तत्काल सक्षम अधिकारियों की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त को जाना चाहिए। निर्वाचन के लिए बड़ी संख्या में बसों ट्रकों की आवश्यकता होती है। अतः निर्वाचन की घोषणा के उपरांत परिवहन आयुक्त अपने रीजनल ट्रांसपोर्ट आफिसरों (आरटीओ) को यह निर्देश देने चाहिए कि वे अपने क्षेत्र के जिला कलेक्टरों से संपर्क स्थापित करें और उपलब्ध बसों ट्रकों की जानकारी देते हुए विभिन्न कलेक्टरों को वाहन उपलब्ध कराने के लिए पूरा सहयोग दें। चुनाव की अवधि में उपयोग में लाई जाने वाली वाहनों पर होने वाले खर्चे के बारे में विधि एवं विधायी कार्य (निर्वाचन) विभाग की ओर से आदेश प्रसारित किए जाएंगे। इन वाहनों पर होने वाले खर्च का भुगतान उक्त आदेशों के अनुसार किया जाएगा।

नक्सली हमले में शहीद 76 जवानों को सीआरपीएफ ने दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जशपुर

6 अप्रैल 2010 का वह काला दिन जब छत्तीसगढ़ के ताड़मेटला गांव में नक्सलियों ने 76 सीआरपीएफ के जवानों की हत्या कर दी थी। इस दिन मां भारती की रक्षा में अपना बलिदान देने वाले वीर जवानों को शनिवार को सीआरपीएफ की तरफ से श्रद्धांजलि दी गई। इसी कड़ी में जशपुर के बरांगजोर गांव के लेओस खेस के स्मारक में सीआरपीएफ, लेओस खेस की पत्नी, ग्रामीणों और स्कूली बच्चों ने भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

दरअसल सीआरपीएफ के डायरेक्टर जनरल आईपीएस अनीस दयाल सिंह के निर्देशनुसार नक्सली हमले में बलिदान हुए सभी 76 जवानों के गांव में सीआरपीएफ के अधिकारी पहुंचकर उन्हें अपनी श्रद्धासुमन अर्पित किया। कुनकुरी थाना इलाके के बरांगजोर गांव में भी लेओस खेस के स्मारक पर ग्रुप सेंटर बिलासपुर से असिस्टेंट कमांडेंट अमित कुमार, इंस्पेक्टर मोहम्मद परवेज जवानों के साथ पहुंचे।

पुलिस टीम ने नक्सलियों के अस्थाई कैंप को किया ध्वस्त, सभी सामान जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

नारायणपुर जिले के मसपुर तमोरा के जंगल में पुलिस की संयुक्त टीम ने नक्सलियों की अस्थाई कैंप को ध्वस्त करने के साथ ही नक्सली सामग्री बरामद किया है। घटना के बाद पुलिस ने सभी सामान को जब्त करते हुए अपने साथ ले आई है।

मामले के बारे में जानकारी देते हुए नारायणपुर पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने बताया कि किसकोड़ो एरिया कमेटी के विरुद्ध पुलिस ने अभियान शुरू करते हुए डीआरजी, बस्तर फाइटर के साथ ही सीएएफ 5वीं वाहिनी कैंप अर्रा की संयुक्त टीम को तैयार करते हुए 4 अप्रैल को थाना एड़का से एक टीम को रवाना किया। इसके बाद टीम 5 अप्रैल को जैसे ही थाना एड़का मसपुर तमोरा के जंगल मे सर्चिंग के दौरान नक्सलियों के द्वारा अपने संतरी को लगाया गया था, संतरी के द्वारा पुलिस जवानों को आता देख उसने अपने साथियों को सूचना दे दी, जिस पर नक्सली मौके से भाग खड़े हो गए। पुलिस के द्वारा इलाके में सर्चिंग के द्वारा नक्सलियों के अस्थाई कैंप को ध्वस्त करते हुए मौके से विस्फोटक सामग्री, संचार उपकरण, नक्सली बैनर, वर्दी, नक्सल साहित्य, दैनिक उपयोग की सामग्री को जब्त कर लिया है।

जिले के अलग अलग क्षेत्र में की गई कार्रवाई

पुलिस ने कार्रवाई कर 44 अवैध कबाड़ियों को किया गिरफ्तार, 97 लाख का सामान जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

रायपुर जिले में अवैध रूप से चलने वाली कबाड़ियों पर पुलिस ने छापा मार कार्रवाई की है। जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई की गई है। मामले में 44 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के कब्जे से 25 टन से ज्यादा लोहे साथ ही 17 चारपहिया वहान जब्त किया गया है। इसकी कीमत 97 लाख रुपये आंकी गई है।

चोरी की घटनों पर अंकुश लगाने और अवैध कबाड़ के कारोबार पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। जिले के 12 थाना क्षेत्रों चल रहे अवैध कबाड़ में कार्रवाई की गई है। थाना धरसींवा, खमतराई, उरला, डीडी नगर, आमानाका, मौदहापारा, तेलीबांधा, गुढ़यिारी, न्यू राजेन्द्र नगर, पंडरी, खम्हारडीह और गोबरानयापारा थाना क्षेत्र में स्थित कबाडियों के यार्ड, गोदाम और अन्य जगहों पर रेड कार्रवाई की गई है। इस दौरान कबाड़ के काम में संलिप्त कुल 44 प्रकरणों में 44 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उनके कब्जे से 25 टन से अधिक लोहे का कबाड़ और 17 नग चारपहिया वाहन जब्त किया गया है।

हादसे में आठ बच्चे घायल, सभी को जिला अस्पताल में कराया भर्ती

स्कूली बच्चों से भरी वैन को ट्रक ने मारी टक्कर, एक बच्चे की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ धमतरी

धमतरी में फिर एक सड़क हादसा हुआ है। यहां स्कूल के बच्चों से भरी वैन को ट्रक ने ठोकर मार दी जिसके चलते लगभग आठ बच्चे घायल हो गये हैं। वहीं घटना में एक बच्चे की मौत हो गई है। सभी घायल बच्चों को इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार सरस्वती ज्ञान मंदिर बठेना स्कूल की वैन बच्चों को छोड़ने घर जा रही थी। संबलपुर बाईपास के पास पंहुचे ही थे कि तभी रायपुर की ओर से आ रहे ट्रक ने वैन को जोरदार ठोकर मार दी। हादसा होते ही बच्चों में चीखपुकार मच गई। तत्काल सभी बच्चों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं इस हादसे में ग्राम तेलिनशक्ति के रहने वाले सागर ध्रुव की दर्दनाक मौत हो गई।

प्रशासन, खाद्य और औषधि संरक्षण की संयुक्त टीम ने की छापामार कार्रवाई

सरगुजा के अंबिकापुर नगर में 7900 लीटर नकली घी पकड़ाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबिकापुर

नकली घी तैयार करने वाली फैक्ट्री पर प्रशासन एवं खाद्य और औषधि संरक्षण की संयुक्त टीम ने छापामार कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में नकली घी बरामद किया है। दरअसल, यह फैक्ट्री सरगुजा जिला के अंबिकापुर नगर स्थित बाबूपारा मोहल्ले में संचालित हो रही थी, जिसे प्रशासन ने सील कर दिया है। इस अवैध फैक्ट्री से टीम ने 7900 लीटर नकली घी जब्त किया है जिसकी कीमत 7.86 लाख रुपए बताई गई है।

फैक्टरी में नकली घी वनस्पति डालडा एवं सोयाबीन तेल को मिलाकर व एसेंस डालकर तैयार किया जा रहा था। नकली घी को आगामी

नवरात्रि पर्व पर मंदिरों में खपाने की थी तैयारी

8 अप्रैल से शुरू होने वाले नवरात्रि पर्व पर मंदिरों में प्रज्वलित होने वाले मनोकामना दीप में खपाने की तैयारी थी। नकली घी का अवैध तरीके से फैक्ट्री संचालित करने वाला कारोबारी राकेश बंसल है जो कि मूलतः गोंदिया महाराष्ट्र का रहने वाला है।

नकली घी की फैक्टरी सील

प्रशासन की टीम ने 200 से ज्यादा टीनों में तैयार घी एवं 700 लीटर के 8 ड्रमों में घी तैयार कर पैकिंग के लिए रखा गया था, उसे जब्त किया है और फैक्ट्री को सील कर दिया है।

जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा

खाद्य अधिकारी आरआर देवांगन ने बताया कि अवैध फैक्ट्री से किंग सोयाबीन तेल के 15 लीटर के 81 टीन, रजनी गोल्ड वनस्पति के 15 लीटर के 57 टीन तथा मिश्रित तेल/घी के 15 लीटर के 98 टीन और 150 लीटर के 8 ड्रम को सीज किया गया है। जब्त खाद्य नमूनों को जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर भेजा गया।

आरबीआई ने लगाया 1 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) देश में सिर्फ बैंकों के रेग्युलेशन का ही नहीं, बल्कि नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों का भी रेग्युलेशन करता है। ऐसे में उनकी कोई भी भूल-चूक या नियमों का उल्लंघन आरबीआई की निगाह से बच नहीं सकत।

तभी तो आरबीआई ने एलआईसी की हाउसिंग फाइनेंस कंपनी पर लाखों रुपए का जुर्माना लगाया है। जबकि आईडीएफसी फर्स्ट बैंक को नियमों में कोताही बरतने के चलते 1 करोड़ रुपए का जुर्माना देना है। सेंट्रल बैंक ने एक बयान जारी कर पूरे मामले की जानकारी दी है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक पर अगर 1 करोड़ रुपए का जुर्माना लगा है, तो एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस को 49.70 लाख रुपए का जुर्माना चुकाना है। वहीं आरबीआई ने एक अन्य बयान में कहा कि एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस पर भी करीब 50 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस आरबीआई के 'एनबीएफसी-हाउसिंग फाइनेंस कंपनी (रिजर्व बैंक) गाइडलाइंस-2021' के कुछ प्रावधानों का सही से पालन नहीं कर सकी थी, इसलिए उस पर ये जुर्माना लगा है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने सहारनपुर में कांग्रेस पर बोला बड़ा हमला

भारत के टुकड़े वाला न्याय पत्र और दो लड़कों की यूपी में फ्लॉप फिल्म को फिर किया रिलीज

पीएम मोदी ने राम-राम से मंच पर पहुंचकर अपना संबोधन शुरू किया। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में देश का डंका बज रहा है

एजेंसी ▶▶ सहारनपुर

सहारनपुर से चुनावी शंखनाद करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर जमकर हमला बोला। पीएम मोदी ने कहा कि यूपी में दो लड़कों की फ्लॉप फिल्म फिर रिलीज हो रही है। सपा को हर घंटे अपने उम्मीदवार बदलने पड़ रहे हैं।

लोकसभा चुनाव के लिए ताबड़तोड़ रैलियां,सभाएं और रोड शो कर रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सहारनपुर में बड़ी चुनावी सभा की। इस मौके पर पीएम मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत सभी से राम राम करके की। इस मौके पर उन्होंने जहां केंद्र सरकार उपलब्धियां बताईं वहीं विपक्ष पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि आपको याद होगा, यहां उत्तर प्रदेश में दो लड़कों की जो फिल्म पिछली बार फ्लॉप हो चुकी है, उन दो लड़कों की फिल्म को इन लोगों ने फिर से रिलीज किया है।

मोदी ने कहा मैं डरने वाला नहीं,हर एक काम को मिशन तरह करता हूं,जबकि कांग्रेस इसमें कमीशन ढूंढती है

सपा को हर घंटे उम्मीदवार बदलने पड़ रहे हैं

पीएम मोदी ने कहा कि सपा की स्थिति तो ये है कि यहां उन्हें हर घंटे अपने उम्मीदवार बदलने पड़ रहे हैं। कांग्रेस की स्थिति तो और भी विचित्र है, कांग्रेस को तो उम्मीदवार ही नहीं मिल रहे। जिन सीटों को कांग्रेस अपना गढ़ मानती थी, वहां भी उसे उम्मीदवार उतारने की हिम्मत ही नहीं हो रही है। यानी विपक्षी गठबंधन अस्थिरता और अनिश्चितता का दूसरा नाम बन चुका है। इसलिए देश आज उनकी एक भी बात को गंभीरता से नहीं ले रहा है।

कांग्रेस के घोषणा पत्र ने सच्चाई बयां की

प्रधानमंत्री ने कहा साथियों कांग्रेस के ने एक झूठ का पुलिंदा जारी किया है। कांग्रेस ने अपना घोषणा पत्र जारी किया है। कांग्रेस के घोषणा पत्र में भारत के टुकड़े करने की बू आती है। झूठ का यह पुलिंदा कांग्रेस की एक बहुत बड़ी सच्चाई, कांग्रेस को बेनकाब करने वाला घोषणा पत्र है। आप देखिए हर पन्ने पर भारत के टुकड़े करने की बू आ रही है। कांग्रेस के घोषणा पत्र में वही सोच झलकती है, जो सोच आजादी के समय मुस्लिम लीग में थी।

भाजपा ने लोगों का भरोसा जीता है: पीएम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज भाजपा का स्थापना दिवस है। बहुत कम दशकों में ही भाजपा के साथ रिकॉर्ड संख्या में हमारे देशवासी जुड़े हैं। भाजपा ने लोगों का भरोसा जीता है, भाजपा ने लोगों दिल जीता है। इसका सबसे बड़ा कारण है कि भाजपा राजनीति नहीं, राष्ट्रनीति पर चलती है। भाजपा के लिए राष्ट्र प्रथम है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत को एक मजबूत देश बनाना भाजपा की प्रतिबद्धता है।

हम लोकतंत्र को बचाने में लगे हैं: सोनिया गांधी

राजस्थान के जयपुर में रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। सोनिया गांधी ने कहा कि 'पीएम मोदी खुद को महान मान कर काम कर रहे हैं। विपक्षी नेताओं को भाजपा में शामिल होने की धमकी दी जा रही है। आज लोकतंत्र खत्म हो गया है। हमारा देश खतरे में है। हमारे संविधान को बदलने की साजिशें की जा रही हैं। कांग्रेस इस देश और संविधान को बचाने का काम कर रही है। सोनिया गांधी ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि हम लोग तानाशाही से डटकर मुकाबला करेंगे। आज देश में खाने-पीने से लेकर सभी चीजें महंगी हो गई है। कांग्रेस उम्मीदवारों को वोट देने की अपील करते हुए जनता से कई वादे भी किए। उन्होंने कहा कि गंठबंधन की सरकार बनने पर कांग्रेस ने घोषणा पत्र में जो वादे किए हैं उसे पूरा लागू किया जाएगा।

जबलपुर में पीएम मोदी का आज रोड शो

कार्यक्रम को लेकर नेताओं ने घर घर पीले चावल बांटे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार 7 अप्रैल को जबलपुर आ रहे हैं। वे मप्र की धरती और रानी दुर्गावती की पवित्र नगरी महाकौशल से रोड़ शो कर मप्र से चुनाव अभियान का शंखनाद करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी शाम 6 बजे भगत सिंह चौक से शंकराचार्य चौक तक रोड शो में शामिल होकर जनता का अभिवादन करेंगे।

भाजपा ने प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तथा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा अभी एक दिन पहले ही जबलपुर पहुंचकर पैदल भ्रमण कर तैयारियों का जायजा लिया था। उन्होंने हर तरह की तैयारी करने का निर्देश भी दिया था। आज प्रदेश के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय जबलपुर पहुंचें थे। उन्होंने घर घर जाकर लोगों को पीले चावल देकर प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की। उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ पूरे क्षेत्र का भ्रमण भी किया है।

उधर, प्रशासनिक स्तर पर भी उनके कार्यक्रम को लेकर तैयारियां तेज हो गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे लिए कई कारणों से जबलपुर शुभंकर है। प्रधानमंत्री मोदी जिस मार्ग से गुजरेंगे, हमने उस मार्ग का पैदल अवलोकन भी किया है। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर प्रधानमंत्री मोदी प्रदेश के जबलपुर प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान जबलपुर में रोड शो में शामिल होंगे।

पीएम के रोड शो में उमड़ा जनसैलाब

मोदी-मोदी के नारे से गूंजा पूरा गाजियाबाद

एजेंसी ▶▶ गाजियाबाद

लोकसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश में चुनाव का शंखनाद कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सहारपुर के बाद गाजियाबाद में रोड शो किया जिसमें लोगों ने जमकर मोदी मोदी के नारे लगाए। पीएम मोदी की इस रैली में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे।बता दें पश्चिम उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रचार की शुरूआत कर चुके हैं।

'मितरों, भ्रष्टाचारियों के ख़िलाफ़ एक्शन लूंगा' एक-एक को जुमला पार्टी में भर लूंगा

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा जनहित में जारी.

पीएम ने इशारों-इशारों में कांग्रेस ,खासकर राहुल पर बड़ा हमला किया

काठ की हांडी को कितनी बार चढ़ाएंगे विपक्षी, हम शक्ति की कर रहे पूजा और विपक्षी गठबंधन शक्ति को खुलेआम दे रहा चुनौती

पीएम ने राम-राम से मंच पर पहुंचकर संबोधन शुरू कर कहा कि दुनिया भर में देश का डंका बज रहा है। हमारा स्थान मां शक्ति का स्थान है। विपक्षी गठबंधन के लोग खुलेआम चुनौती दे रहे हैं कि उनकी लड़ाई शक्ति के खिलाफ है।

आज दुनिया में बज रहा भारत का डंका

एजेंसी ▶▶ सहारनपुर/ अजमेर

पीएम नरेंद्र मोदी ने सहारनपुर की धरती से चुनावी शंखनाद किया। पीएम की रैली दिल्ली रोड स्थित राधा स्वामी सत्संग मैदान में आयोजित की गई। यहां जनसभा स्थल के मंच से पीएम मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत राम-राम से की और मां शाकंभरी देवी को नमन किया। पीएम मोदी ने राम-राम से मंच पर पहुंचकर अपना संबोधन शुरू कर कहा कि दुनिया भर में देश का डंका बज रहा है। हमारा स्थान मां शक्ति का स्थान है। विपक्षी गठबंधन के लोग खुलेआम चुनौती दे रहे हैं कि उनकी लड़ाई शक्ति के खिलाफ है। क्या कोई शक्ति को खत्म कर सकता है? जिन-जिन लोगों ने शक्ति को खत्म करने का काम किया है, वह इतिहास में दर्ज है।

मैंने गारंटी दी थी, देश नहीं झुकने दूंगा

पीएम ने कहा कि याद कीजिए 2014 के वो दिन, उस समय देश घोर संकट के दौर से गुजर रहा था। मैंने उस समय गारंटी दी थी कि देश झुकने नहीं दूंगा, हर स्थिति को बदलूंगा। निराशा को आशा और आशा को विश्वास में बदलूंगा। आपने अपने आशीर्वाद में कोई कमी नहीं रखी। याद कीजिए तब हमारा भारत 11वें नंबर की ताकत था। अब मोदी ने 5वें नंबर की ताकत बना दिया है। पूरे विश्व में देश का डंका बज रहा है।

राष्ट्रनीति पर चलती है भाजपा

पीएम मोदी ने कहा कि इंडी गठबंधन कमीशन और मोदी सरकार मिशन के लिए है। ये मोदी का डंका नहीं, आप लोगों का है। हिंदुस्तान के हर कोने से एक ही आवाज आ रही है, फिर एक बार मोदी सरकार। भाजपा ने लोगों का दिल जीता है। इसका सबसे बड़ा कारण है भाजपा राजनीति नहीं राष्ट्रनीति पर चलती है।

गरीब कल्याण हमारे लिए मिशन रहा

पीएम ने कहा कि राष्ट्र प्रथम हमारे संकल्प में है। देशहित से बड़ा कुछ भी नहीं हो सकता। भाजपा से लोग एक निशान के लिए जुड़ते हैं। गरीब कल्याण हमारे लिए मिशन रहा है। भाजपा ने गरीब के जीवन से अंधेरा दूर किया। आने वाले पांच वर्ष मुफ्त राशन की गारंटी दी है। 10 वर्ष में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकल पाए हैं, जो लोग कई दशक में नहीं कर पाए, वो भाजपा ने 10 वर्ष में कर दिया।

विपक्ष का मिशन- भ्रष्टाचारी बचाओ

मोदी का हर पल देश के नाम है। आपका बेटा या बेटी नौकरी के योग्य है और भ्रष्टाचार करके उसकी नौकरी किसी और को दे दी जाए तो उनका भविष्य बर्बाद हो जाएगा। भ्रष्टाचारी मोदी को धमकी दे रहे हैं। हम हैं जिनका मिशन है भ्रष्टाचार हटाओ, उनका मिशन है भ्रष्टाचारी बचाओ। ये मोदी है, पीछे हटने वाला नहीं है। भ्रष्टाचार पर कारवाई जारी रहेगी, ये मोदी की गारंटी है।

कांग्रेस के घोषणा पत्र में पूरी तरह मुस्लिम लीग की छाप

पीएम ने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में वही सोच झलकती है, जो आजादी के आंदोलन के समय मुस्लिम लीग में थी। मोदी ने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में पूरी तरह मुस्लिम लीग की छाप है और इसका जो कुछ हिस्सा बचा रह गया, उसमें वामपंथी हावी हो चुके हैं।

कश्मीर में जो पत्थर फेंके गए

उनसे कश्मीर का निर्माण कराया

पीएम ने कहा कि जितनी भी सरकारें रही कमीशन खाने को प्राथमिकता दी। अयोध्या मे रामलला का मंदिर चुनावी घोषणा नहीं, मेरा मिशन रहा है।जम्मू कश्मीर से 370 हटाना हमारा मिशन रहा है। कश्मीर में जो पत्थर फेंके गए, उनसे कश्मीर का निर्माण कराया। विकसित भारत का निर्माण किया जा रहा है। सबका साथ और सबका विकास और सबका विश्वास ही हमारा मंत्र है।तीन तलाक कानून को खत्म कर पूरे मुस्लिम परिवार को बचा लिया है। मुस्लिम बेटियां मोदी को आशीर्वाद देती रहेंगी।

अजमेर में गरजे मोदी

भाजपा नए भारत के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध, अबकी बार 400 पार

भाजपा के स्थापना दिवस पर मोदी ने राजस्थान की ऐतिहासिक तीर्थनगरी पुष्कर की पवित्र धरा से कहा किभाजपा नए भारत के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जगत पिता ब्रह्मा, भक्त शिरोमणि मीरा बाई और वीर तेजाजी समेत अन्य स्थानीय लोक देवताओं को याद करते हुए कहा कि पुष्कर से कमल का सदियों पुराना संबंध है। उन्होंने महिलाओं को बार-बार नमन करते हुए बेटियों के सफलताओं को गिनाया। लोगों ने कहा अबकी बार 400 पार।

घोषणा पत्र में बेनकाब हुई कांग्रेस की सच्चाई

पुष्कर पीएम ने कहा साथियों कल कांग्रेस के ने एक झूठ का पुलिंदा जारी किया है। कांग्रेस ने अपना घोषणा पत्र जारी किया है। कांग्रेस के घोषणा पत्र में भारत के टुकड़े करने की बू आती है। झूठ का यह पुलिंदा कांग्रेस की एक बहुत बड़ी सच्चाई, कांग्रेस को बेनकाब करने वाला घोषणा पत्र है। आप देखिए हर पन्ने पर भारत के टुकड़े करने की बू आ रही है।

वित्तमंत्री सीतारमण का विपक्ष पर हमला

कांग्रेस घोषणापत्र के वादे पूरा करने के लिए पैसा कहां से लाएगी?

बेंगलुरु। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि कांग्रेस के घोषणापत्र में कई जगहों पर विरोधाभासी बातें हैं। कांग्रेस ऐसे वादे कर रही है, जो अगर पूरे हुए तो बजट में इतना घाटा हो जाएगा कि पैसा ही नहीं बचेगा। निर्मला ने कहा कि कांग्रेस के घोषणापत्र पर मैं सिर्फ कर्नाटक का उदाहरण देती हूं. विधानसभा चुनाव जीतने के लिए उन्होंने बहुत बड़े वादे किए थे। उन घोषणापत्रों ने उन्हें जिताया, लेकिन डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने खुद कहा था कि उनके पास विकास के लिए पैसा नहीं है। यह है इनका वादा।

सीएम सरमा ने जोरहाट में प्रचार के दौरान किया डांस

असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा को जोरहाट के टिटाबोर बोकाहोला बागीसा में एक चुनाव अभियान के दौरान मंच पर नृत्य करते देखा गया। यह प्रचार रैली जोरहाट संसदीय क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार टोपोन कुमार गोगोई के समर्थन में थी। सरमा ने उत्साहपूर्वक तालियां बजाईऔर एक लोकप्रिय झुमुर गीत पर नृत्य किया।

जयपुर में खरगे और प्रियंका की सभा

पीएम झूठों के सरदार, हमारा गारंटी शब्द चुराया

लोकसभा चुनाव को लेकर जयपुर में कांग्रेस की जनसभा हुई। अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगेऔर प्रियंका गांधी समेत अन्य नेताओं ने सभा को संबोधित कर भाजपा और पीएम पर हमला बोला।खरगे ने पीएम को झूठों का सरदार बताया, साथ ही उन पर गारंटी शब्द को चोरी करने का आरोप भी लगाया। मोदी संविधान बदलना चाहते हैं।

प्रियंका बोलीं- आज देश के हालात क्या है?

प्रियंका गांधी ने भाजपा और मोदी सरकार पर तीखे प्रहार किए। प्रियंका ने कहा- कांग्रेस का घोषणा पत्र एक सूची नहीं है, यह संघर्ष की आवाज है। आज देश की परिस्थितियां क्या हैं? आप सब अच्छी तरह जानते हैं। 45 सालों में इतनी बेरोजगारी नहीं रही जितनी आज है।

महाराष्ट्र के 440 मतदान केंद्रों का नियंत्रण महिलाओं के हवाले

केंद्रीय चुनाव आयोग के 'महिला नियंत्रित मतदान केंद्र' स्थापित करने के आदेश के अनुसार महाराष्ट्र में 440 मतदान केंद्रों का नियंत्रण महिलाओं के हवाले कर दिया गया है। लैंगिक समानता और मतदान प्रक्रिया में महिलाओं की अधिक रचनात्मक भागीदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के तहत, आगामी लोकसभा चुनावों के लिए महिलाओं द्वारा संचालित मतदान केंद्र होंगे। इन मतदान केंद्रों पर तैनात पुलिस से लेकर चुनाव ड्यूटी पर तैनात अधिकारी और कर्मचारी तक सभी महिलाएं होंगी।

खबर संक्षेप

ओडिशा के एनटीपीसी के प्लांट में लगी आग

अनुगुल। ओडिशा के अनुगुल जिले के तालचेर के कनिहा में स्थित एनटीपीसी के प्लांट में शनिवार को भीषण आग लग गई। आग एनटीपीसी प्लांट में कन्वेयर बेल्ट में लगने की सूचना थी। इसकी सूचना फायरबिग्रेड को दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर दमकल की कई गाड़ियां पहुंचीं। घटना के बाद पूरा क्षेत्र धुएं से भर गया है, जिससे कर्मचारियों और निवासियों में दहशत फैल गई।

सिसोदिया 18 अप्रैल तक तिहाड़ में ही रहेंगे

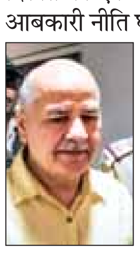

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली की एक अदालत ने कथित आबकारी नीति घोटाला मामले से जुड़े धनशोधन के एक मामले में आप के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत शनिवार को 18 अप्रैल तक बढ़ा दी। सिसोदिया को कोर्ट के विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने उनकी न्यायिक हिरासत की अवधि बढ़ाने का आदेश दिया।

नदी में नहाने गए 5 बच्चे डूबे, 2 भाइयों की मौत

बाराबंकी। यूपी के बाराबंकी जिले में बड़ा हादसा हो गया। नदी में नहाने गए 5बच्चे अचानक डूबे गए। आनन-फानन में परिजन और गांव के अन्य लोगों ने गोताखोरों को बुलाया। गोताखोरों ने2भाइयों को बाहर निकाला। दो की मौत हो गई, जबकि तीन बच्चे अभी भी लापता हैं। टिकैत नगर थाना क्षेत्र के चिर्रा गांव के समीप स्थित सरयू में नहाने गए थे।

लोकसभा चुनाव से पहले जजों को सीजेआई चंद्रचूड़ की सलाह

वकीलों और जजों को संविधान के प्रति वफादार, गैरपक्षपातपूर्ण होना चाहिए

नागपुर हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के शताब्दी समारोह में कही यह बात

एजेंसी ▶▶ नागपुर

लोकसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, हर भारतीय का झुकाव किसी न किसी राजनीतिक विचारधारा की तरफ होता है। देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि वकीलों और जजों को संविधान के प्रति वफादार होना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जजों को गैर-पक्षपातपूर्ण होने होना चाहिए।जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने नागपुर हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के शताब्दी समारोह में कहा कि हमारे जैसे जीवंत और तर्कपूर्ण लोकतंत्र में, ज्यादातर लोगों का झुकाव किसी न किसी राजनीतिक विचारधारा की तरफ होता है। अरस्तू ने कहा था कि मनुष्य राजनीतिक प्राणी हैं और वकील कोई अपवाद नहीं हैं। देश के चीफ जस्टिस ने कहा कि न्यापालिका बार-बार अपनी अपनी स्वतंत्रता और गैर-पक्षपातपूर्णता, कार्यपालिका, विधायिका और निहित राजनीतिक हितों से शक्तियों के पृथक्करण के लिए आगे आई है।

बार काउंसिल सदस्यों को चीफ जस्टिस की सलाह

हमको यह नहीं भूलना चाहिए कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता और बार की स्वतंत्रता के बीच गहरा संबंध है। उन्होंने कहा कि एक संस्था के रूप में बार की स्वतंत्रता. क़ानून के शासन और संवैधानिक शासन की रक्षा के लिए नैतिक कवच के रूप में कार्य करती है।

सीजेआई ने पूछा यह सवाल

महिलाएं क्यों नहीं लड़ रहीं बार एसोसिएशन या बार काउंसिल का चुनाव?

सीजेआईचंद्रचूड़ ने पूरे भारत में बार काउंसिल और बार एसोसिएशन में महिलाओं की कमी को लेकर सवाल उठाए। सीजेआई ने कहा कि वकीलों का प्रतिनिधित्व करने वाले निकायों में महिलाओं के चुनाव ठीक माहौल नहीं है। ओल्ड बॉय क्लब को अभी भी कायम रखा जा रहा है।सीजेआई ने कहा कि हालांकि, महिला वकीलों की संख्या में अच्छी खासी बढ़ोतरी हुई है, लेकिन यह निर्वाचित बार काउंसिल और बार एसोसिएशन में देखने को नहीं मिलता है।

फैसला सार्वजनिक संपत्ति हो जाता है

सीजेआई ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठों के फैसले कठोर कार्यवाही, संपूर्ण कानूनी विश्लेषण और संवैधानिक सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करते हैं। एक बार फैसला सुनाए जाने के बाद, यह सार्वजनिक संपत्ति हो जाता है। एक संस्था के रूप में हमारे कंधे चौड़े हैं। हम तारीफ और आलोचना, दोनों को स्वीकार करते हैं। यह भले ही पत्रकारिता, राजनीतिक टिप्पणी या सोशल मीडिया के माध्यम से ही क्यों न हो? अदालत के फैसलों पर प्रतिक्रिया करते समय आम लोगों की तरफ टिप्पणी नहीं करनी चाहिए।

केरल में कथित मॉब लिंचिंग का मामला

प्रवासी मजदूर को खंभे से बांध पीटा, मौत, 10 लोग गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ मुवातुपुझ्झा

केरल के मुवातुपुझ्झा में एक मॉब लिंचिंग का एक कथित सनसनीखेज मामला सामने आया है। बताया गया है कि यहां दो दिन पहले भीड़ ने एक प्रवासी मजदूर की पीट-पीटकर हत्या कर दी है। पुलिस ने इस मामले में 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान अशोक दास (24) के तौर पर की गई है। वह अरुणाचल प्रदेश का रहने वाला बताया गया है। बताया गया है कि वह नौकरी के लिए केरल आया था और मुवातुपुझ्झा के करीब वलकम में एक किराए के घर में रह रहा था।

इलाज के दौरान हो गई मौत

पुलिस ने जो एफआईआर दर्ज की है। पुलिस के अनुसार दास को एक खंभे में बांधकर पीटा गया। वह इलाके में ही रहने वाली एक महिला मित्र से मिलने गया था। लोगों ने खंभे पर बांधकर जबरदस्त तरीके से पीटा। बाद में उसे करीब के एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन हालत बिगड़ने के बाद उसे कोलेनचेरी मेडिकल कॉलेज में शिफ्ट किया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

महिला को अर्धनग्न कर गलियों में दौड़ाया

महिला आयोग ने भी रिपोर्ट तलब की

तरनतारन। यहां से एक बेहद शर्मनाक मामला सामने आया है। यहां एक युवक के प्रेम विवाह का खामियाजा उसकी मां को भुगतना पड़ा। कस्बा वल्टोहा की रहने वाली एक युवती के साथ प्रेम विवाह करने वाले युवक की मां को अर्धनग्न कर गलियों में दौड़ाया। कुछ लोगों ने इसका वीडियो बनाकर इसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। पुलिस ने 3लोगों को नामजद कर कुल 5लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। वहीं, इस शर्मनाक घटना पर महिला आयोग ने भी रिपोर्ट मांग ली है।

भाजपा का स्थापना दिवस

नड्डा ने फहराया झंडा और 'दिग्गजों' को किया याद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

शनिवार को भाजपा का स्थापना दिवस था। इस मौके पर अध्यक्ष जेपी नड्डा ने दिल्ली में पार्टी मुख्यालय में झंडा फहराया। नड्डा ने भाजपा के दिग्गज नेताओं को याद किया। पीएम ने सुबह ही संदेश जारी करके कहा कि पार्टी को यहां तक पहुंचाने में कार्यकर्ताओं का योगदान है। पार्टी राष्ट्र प्रथम के सिद्वांत पर चलती है।

राज्यसभा सदस्य के रूप में ली शपथ

नड्डा ने शनिवार को राज्यसभा के सदस्य के तौर पर शपथ ली। वे गुजरात से राज्यसभा सांसद चुने गए थे। इससे पहले भाजपा अध्यक्ष ने हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा के सदस्य के तौर पर इस्तीफा दे दिया था। भाजपा के अध्यक्ष नड्डा उन 57 राज्यसभा सांसदों में एक हैं जिनका कार्यकाल अप्रैल महीने में समाप्त हो गया था। अब उन्होंने गुजरात सीट से राज्यसभा के सदस्य के तौर पर शपथ ग्रहण की है।

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के समारोह में बोले

समानता के मुद्दे पर भारत को किसी से उपदेश की जरूरत नहीं

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने 2023 बैच के आईएएस अधिकारी प्रशिक्षुओं को संबोधित किया

एजेंसी ▶▶ मसूरी

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ शुक्रवार को एक दिवसीय उत्तराखंड दौरे पर पहुंचे। उन्होंने मसूरी में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के समारोह में शिरकत की।

अकादमी में व्यावसायिक पाठ्यक्रम के प्रथम चरण के समापन पर 2023 बैच के आईएएस अधिकारी प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने युवाओं से ऐसे तथ्यात्मक रूप से अस्थिर राष्ट्र-विरोधी आख्यानों के रणनीतिक आयोजन का खंडन करने का आह्वान किया।

खास बात

- उपराष्ट्रपति ने युवाओं से ऐसे तथ्यात्मक रूप से अस्थिर राष्ट्र-विरोधी आख्यानों के रणनीतिक आयोजन का खंडन करने को कहा

सीएए किसी को नागरिकता से वंचित नहीं करता

नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के बारे में फैलाई जा रही झूठी कहानी और गलत सूचना के प्रति आगाह करते हुए धनखड़ ने कहा कि सीएए न तो किसी भी भारतीय नागरिक को उसकी नागरिकता से वंचित करना चाहता है, न ही यह पहले की तरह किसी को भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन करने से रोकता है। यह उल्लेख करते हुए कि सीएए पड़ोसी देशों में अल्पसंख्यकों के लिए भारतीय नागरिकता के अधिग्रहण की सुविधा प्रदान करता है, उपराष्ट्रपति ने कहा किहमारे पड़ोस में उनकी धार्मिक प्रतिबद्धता के कारण सताए गए लोगों को यह राहत, उपचारात्मक स्पर्श भेदभावपूर्ण कैसे हो सकता है?

हमें इन आख्यानों को बेअसर करना होगा

यह देखते हुए कि सीएए उन लोगों पर लागू होता है, जो 31 दिसंबर, 2014 को या उससे पहले भारत आए थे, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह आमद का निमंत्रण नहीं है। उन्होंने आगाह करते हुए कहा कि हमें इन आख्यानों को बेअसर करना होगा।

विशेषाधिकार प्राप्त वंशावली अब गलियों में सड़ रही

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि विशेषाधिकार प्राप्त वंशावली अब गलियों में सड़ रही है। कुछ विशेषाधिकार प्राप्त वंशावली पहले सोचते थे कि वे कानूनी प्रक्रिया से प्रतिरक्षित हैं और कानून उन तक नहीं पहुंच सकता है, उपराष्ट्रपति ने सवाल किया कि हमारे जैसे लोकतांत्रिक देश में कोई दूसरों की तुलना में अधिक समान कैसे हो सकता है? इस क्रांति में सिविल सेवकों के योगदान को मान्यता देते हुए उन्होंने युवा अधिकारियों से कहा कि कानून के समक्ष समानता जो लंबे समय से हमसे दूर थी और भ्रष्टाचार जो प्रशासन की नसों में खून की तरह बह रहा था, अब अतीत की बात है।

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

8 कांग्रेस की गारंटी या विरोध पत्र

मैट्रो
4 शहर हाई अलर्ट पर, प्रधानमंत्री नरेंद्र

कांग्रेस पार्टी के जबलपुर लोकसभा प्रत्याशी दिनेश यादव से 'हरिभूमि और आईएनएच' न्यूज चैनल के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी का 'चुनावी संवाद'

जनता ने भाजपा को तीन दशक दिए... लेकिन सांसद अपनी भूमिका निभाने में 'नाकाम' रहे

जबलपुर। जबलपुर लोकसभा सीट पर कांग्रेस पार्टी ने नए चेहरे दिनेश यादव पर दांव लगाने का फैसला किया है। किसी समय जबलपुर कांग्रेस का गढ़ रहा है, लेकिन पिछले तीन दशक से यह सीट कांग्रेस के लिए कसक बनकर रह गई है। कांग्रेस ने कई बड़े नामों को यहां से उतारा है, लेकिन वे इस किले को फतह नहीं कर सके। कांग्रेस ने इस सीट पर आखिरी बार 1991 में लोकसभा चुनाव जीता था। वे मानते हैं कि कांग्रेस ने एक आम कार्यकर्ता पर भरोसा जताया है। उनकी लड़ाई भाजपा की रीति-नीति से है किसी व्यक्ति विशेष से नहीं। जनता ने तीन दशक भाजपा को दिए, लेकिन सांसद अपनी भूमिका निभाने में नाकामयाब रहे। अगर जनता ने मुझे आशीर्वाद दिया तो वो बताएंगे कि सांसद होता क्या है? जो लोग भाजपा में गए हैं, उनको पार्टी ने बहुत कुछ दिया है, फिर भी उन्होंने पार्टी की पीठ में छुरा घोंपा है। इसमें किसी पार्टी या संगठन का कोई दोष नहीं है। वे 'हरिभूमि' और 'आईएनएच' न्यूज चैनल के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी से 'चुनावी संवाद' कार्यक्रम में अपनी बात रख रहे थे।

inh न्यूज विशेष

ये भी बोले यादव?

- *देश में जितने महानगर हैं उनकी कनेक्टिविटी जबलपुर महानगर से होगी*
- *उनकी लड़ाई भाजपा की रीति-नीति से है किसी व्यक्ति विशेष से नहीं*
- *जो काम भाजपा के 30 सालों में नहीं हुए, वो काम 5 साल में करूंगा*
- *जो लोग भाजपा में गए हैं, उनको पार्टी ने बहुत कुछ दिया है, फिर भी उन्होंने छुरा घोंपा*

सवाल: कांग्रेस पार्टी ने किस संभावना से आपको लोकसभा चुनाव में उतारा है, क्या है आपका गणित?

जवाब: कांग्रेस पार्टी ने देश की आजादी की लड़ाई लड़ी और अनेक कुर्बानियां इस पार्टी के नेताओं ने दी हैं। पार्टी ने एक सामान्य कार्यकर्ता को इस लड़ाई में उतारा है। पिछले चुनाव में विवेक तन्खा जैसे नेता ने पूरी ताकत से चुनाव लड़ा था, लेकिन भाजपा ने इतना झूठ फैलाया कि जनता भ्रमित हो गई। उनके झूठ को अब जनता समझ चुकी है। अब जनता भाजपा को बेनकाब करने जा रही है। जबलपुर की जनता 3 दशक से भाजपा को वोट कर रही है। जनता जान गई है कि इससे उनके तीन दशक खराब हुए हैं, लेकिन अब जनता सच्चाई के साथ खड़ी है। अब जनता समझ चुकी है कि तीन बार विश्वास किया, लेकिन अब भाजपा का झूठ हमसे बर्दाश्त नहीं हो रहा है। जिस दिन नामांकन किया है, उसी दिन से जो जनता का स्नेह मिल रहा है, मैं उनके बल पर कह सकता हूं कि इस बार कांग्रेस पार्टी भारी बहुमत के साथ जीत दर्ज करेगी।

सवाल: आप जनता से वोट भी मांग रहे हो और नोट भी, भाजपा प्रत्याशी से कैसे मुकाबला करोगे?

जवाब: भाजपा ने कांग्रेस पार्टी के बैंक खाते सीज करवा दिए हैं। भाजपा के बैंक खाते में 8 हजार करोड़ से ज्यादा पैसा जमा है, वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस के खाते सीज कर रहे हो। ऐसा प्रजातंत्र में कभी नहीं हुआ। क्या कभी ऐसे चुनाव आपने होते देखा है। एक पार्टी के पास सारी शक्तियां, सत्ता और पैसा के साथ वैभव भी है, वहीं दूसरी तरफ दूसरी पार्टी को निहत्था कर दिया है। यह कैसा लोकतंत्र है। भाजपा ने इसलिए हमारा पैसा रोका है कि कांग्रेस पार्टी चुनाव नहीं लड़ सके। कांग्रेस पार्टी ने हमेशा विपक्ष को मजबूत करके रखा है। मैंने इतिहास पढ़ा है कि अटल और राममनोहर लोहिया जैसे नेताओं को हमारी पार्टी चुनाव लड़वाकर सदन में लाई।

(शेष पेज 5 जबलपुर भूमि पर)

inh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

केकड़ा लटकाने पर फंसे एनसीपी(शरद) विधायक

मुंबई। पशु अधिकार संगठन पेटा ने हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान विधायक रोहित पवार द्वारा केकड़ा लटकाने को लेकर चुनाव अधिकारियों और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार को पत्र लिखा है और कार्रवाई की मांग की है। पीपल फॉर एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स ने आचार संहिता का उल्लंघन बताया।

उपकरणों के साथ 16वें दिन भोजशाला पहुंची टीम

धार। जिले में स्थित भोजशाला में आज शनिवार को 16वें दिन एएसआई की टीम सर्वे के लिए आधुनिक उपकरणों के साथ पहुंची। टीम ने सुबह 8:09 बजे भोजशाला परिसर में सर्वे की शुरुआत की। सर्वे टीम के साथ याचिकाकर्ता आशीष गोयल और गोपाल शर्मा मौजूद थे।

सन्देशखली के बाद मेदिनीपुर में एनआईए की टीम पर हुआ जानलेवा हमला

पत्थर बरसाए, अधिकारी का सिर फोड़ा वाहनों में की तोड़फोड़... प्रकरण दर्ज

पश्चिम बंगाल में शनिवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम भूपतिनगर विस्फोट के मामले में आरोपियों को गिरफ्तार करने पहुंची थी। वहां भीड़ ने घेरकर जानलेवा हमला किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में शनिवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम पर भीड़ ने हमला कर दिया। पथराव में एक अधिकारी घायल, जबकि जांच एजेंसी का एक वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। यह घटना तब हुई जब एनआईए की टीम पूर्वी मेदिनीपुर जिले में वर्ष 2022 के विस्फोट मामले में दो प्रमुख साजिशकर्ताओं को गिरफ्तार करने पहुंची। हमले के बावजूद टीम दोनों को गिरफ्तार करने में कामयाब रही।

जांच एजेंसी के एक प्रवक्ता ने बताया, पश्चिम बंगाल के भूपतिनगर विस्फोट मामले में बड़ी सफलता मिली। एनआईए ने भीड़ के कड़े प्रतिरोध के बीच दो प्रमुख साजिशकर्ताओं को गिरफ्तार किया। दिसंबर 2022 में हुए विस्फोट में तीन लोगों की मौत हो गई थी। प्रवक्ता ने बताया, दोनों आरोपियों बलाई चरण मेइती और मनोब्रत जाना को पांच स्थानों पर व्यापक तलाशी के बाद गिरफ्तार किया गया। एनआईए की टीम ने मनोब्रत जाना के घर की भी तलाशी ली, जहां स्थानीय लोगों ने एनआईए की टीम के काम में बाधा डालने की कोशिश की। प्रवक्ता ने बताया कि एनआईए की टीम के एक सदस्य को मामूली चोट आई हैं। वहीं, पुलिस ने बताया, एनआईए ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। घटना के बाद केंद्रीय पुलिस बल की एक बड़ी टुकड़ी भूपतिनगर भेजी गई थी। इस साल पांच जनवरी को भी उत्तरी 24 परगना के संदेशखाली इलाके में राशन घोटाले के सिलसिले में छापेमारी के दौरान प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों पर हमला किया गया था।

हमले के बाद भी आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफल रही टीम

एनआईए जांच टीम पर ममता ने उठाए सवाल

ये कोई पहली बार नहीं हुआ है : रवि शंकर प्रसाद

हमले को लेकर भाजपा सांसद रवि शंकर प्रसाद ने कहा, क्या यह पहली बार हुआ है? क्या ईडी पर हमला नहीं हुआ था? इसके बाद भी संदेशखाली का सच सामने आया कि नहीं? अब एनआईए क्योंकि जब वो आतंकवादी-संबंधित तत्वों को पकड़ते हैं, तो हमला होता है।

संदेशखाली में हमला हुआ था

पश्चिम बंगाल के साउथ 24 परगना जिले में 5 जनवरी को ईडी और सीआरपीएफ की टीम टीएमसी नेता के घर रेड करने पहुंची थी। इस दौरान भीड़ ने जानलेवा हमला कर दिया। करीब 200 लोगों ने जांच एजेंसी के दो वाहनों में तोड़फोड़ की। इसमें कुछ अफसरों के सिर में चोट आई थीं।

मध्य प्रदेश के दौरे पर केंद्रीय रक्षा मंत्री

राजनाथ सिंह ने कहा- देश को एक देश एक चुनाव की जरूरत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को सिंगरौली व सीधी दौरे पर थे। सिंगरौली में उन्होंने कहा कि चुनाव की व्यवस्था बदलनी चाहिए। एक देश एक चुनाव से काम करने का मौका मिलेगा।

आज नगर निगम, नगर पालिका से लेकर विधानसभा व कई अन्य तरह के चुनाव होते रहते हैं। इससे निजात दिलाने की जरूरत है। भाजपा का विचार है कि देश में एक देश एक चुनाव होना चाहिए। इससे भारत का लोकतंत्र मजबूत होगा।

रक्षामंत्री सिंह ने कहा कि देश व प्रदेश में बार-बार चुनाव से राजनैतिक पार्टी जनता के आंखों में धूल झोंकते हैं। यह अब बंद होना चाहिए।

भगवा का अपमान बर्दाश्त नहीं

कांग्रेसी नेता कोयला, गोबर, रेत और कांग्रेस को भी खा गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को छत्तीसगढ़ दौरे पर थे। वहां से वे छिंदवाड़ा के पांढुर्ना में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत किए। छग के कवर्धा में मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के नेता कोयला, गोबर, रेत, ईमान के साथ कांग्रेस को भी खा गए। उन्होंने कहा कि हम नारा लगाते थे छत्तीसगढ़िया

सबसे बढ़िया...लेकिन छत्तीसगढ़िया को कांग्रेस ने खराब कर दिया।

मप्र में कांग्रेस के बचे 3 प्रत्याशी घोषित

मुरैना से सिकरवार, खंडवा से पटेल और ग्वालियर में पाठक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आखिरकार कांग्रेस ने अपने 3 प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है। कांग्रेस कमेटी की ओर से जारी की गई लिस्ट में मध्य प्रदेश की मुरैना लोकसभा सीट से सत्यपाल सिंह सिकरवार नीटू को टिकट दिया गया है।

वहीं, खंडवा लोकसभा सीट से नरेंद्र पटेल को कांग्रेस ने टिकट दिया है। उधर, ग्वालियर लोकसभा सीट से कांग्रेस ने कद्दावर नेता प्रवीण पाठक को चुनाव मैदान में उतारने का फैसला लिया है। कांग्रेस की ओर से लोकसभा सीटों पर प्रत्याशियों के नाम का ऐलान किया गया था, लेकिन तीन सीटों पर लगातार मंथन की बावजूद नाम तय नहीं होने के चलते इन सीटों पर कांग्रेस ने प्रत्याशियों के नाम की घोषणा पर रोक लगा दी थी। वहीं अब लगातार हुए मंथन के बाद कांग्रेस की ओर से शेष बची हुई तीन सीटों पर प्रत्याशियों के नाम का ऐलान कर दिया गया है, जहां अब कांग्रेस की चुनाव तैयारी रफ्तार पकड़ेगी। कांग्रेस ने मध्य प्रदेश की अलग-अलग लोकसभा सीटों से अनुभवी और युवा प्रत्याशियों को चुनाव मैदान में उतारा है, जहां दिग्गज नेताओं को अबकी बार कांग्रेस ने चुनाव मैदान में उतारकर भाजपा को कड़ी टक्कर देने का मन बनाया है।

गोवा और दादरा में भी उम्मीदवार बनाया

नॉर्थ गोवा सीट से रमाकांत खलप और साउथ गोवा सीट से कैप्टन विरियाटो फर्नांडीस को उम्मीदवार बनाया गया है, जबकि दादरा एंड नगर हवेली (एसटी) सीट से अजीत रामजीभाई माहला चुनाव लड़ेंगे।

जवानों को ले जा रही बस टकराई

3 की मौत, एसएएफ की बस पलटने से 26 घायल

एजेंसी ▶▶ सिवनी

मध्य प्रदेश के सिवनी जिले में विशेष सशस्त्र बल (एसएएफ) के जवानों को ले जा रही एक बस और एक कार की टक्कर में तीन व्यक्तियों की मौत हो गई और 26 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि एक जवान को गंभीर चोटें आई हैं और उसे उपचार के लिए पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के नागपुर भेजा गया है। यह दुर्घटना जिला मुख्यालय से लगभग 50 किलोमीटर दूर सिवनी-मंडला राज्य राजमार्ग पर धनगढ़ा गांव के पास शुक्रवार देर रात करीब एक बजे हुई।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
कोलकाता	3	3	0	6
राजस्थान	3	3	0	6
चेन्नई	4	2	2	4
लखनऊ	3	2	1	4
हैदराबाद	4	2	2	4
पंजाब	4	2	2	4
गुजरात	4	2	2	4
बेंगलोर	4	1	3	2
दिल्ली	4	1	3	2
मुंबई	3	0	3	0

ऑरेंज कैप

विराट कोहली
203 रन
बेंगलोर

पर्पल कैप

मुस्तफिजुर रहमान
07 विकेट
चेन्नई

बाउंड्री मीटर

507 चौके

326 छक्के

खबर संक्षेप

पेगुला चार्ल्सटन ओपन के अंतिम-4 में पहुंची

चार्ल्सटन। शीर्ष वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने तीसरे सेट के टाईब्रेकर में चार मैच प्वाइंट बचाये और विक्टोरिया अजारेंका को 6-4, 3-6, 7-6 (7) से हराकर चार्ल्सटन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पेगुला फाइनल में जगह बनाने के लिए डारिया कसाटकिना से भिड़ेंगी जिन्होंने जैकलीन क्रिस्टियन को एक संघर्षपूर्ण मुकाबले में 6-7 (4), 6-2, 6-3 से पराजित किया। डेनियल कोलिन्स ने एलिस मर्टेंस को 6-3, 6-4 से हराया। कोलिन्स की यह लगातार 11वीं जीत है। मारिया सकारी ने 2021 की चार्ल्सटन चैंपियन वेरोनिका कुडरमेतोवा को 6-2, 6-4 से हराया।

सेंथिल जर्मन ओपन स्क्वाश टूर्नामेंट से बाहर

नई दिल्ली। भारत के राष्ट्रीय स्क्वाश चैंपियन वेलावन सेंथिलकुमार को हैम्बर्ग में जर्मन ओपन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के इयान योव एनजी से सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा। विश्व में 59वें नंबर के खिलाड़ी और 2023 के एशियाई रजत पदक विजेता सेंथिलकुमार इस 50000 डालर इनामी पीएसए विश्व टूर प्रतियोगिता में शुक्रवार को चौथी वरीयता प्राप्त मलेशियाई खिलाड़ी से 7-11 6-11 4-11 से हार कर बाहर हो गए। योव एनजी ने पीएसए वेबसाइट से कहा, ''यह हमेशा की तरह हमारे बीच करीबी मुकाबला रहा।

खिलाड़ियों का समर्थन जारी रखेगा चेन्नई

हैदराबाद। तेज गेंदबाज मुकेश चौधरी के सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल मैच में खराब प्रदर्शन के बावजूद चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा कि उनकी टीम नए नायकों की तलाश में अपने खिलाड़ियों का समर्थन जारी रखेगी। चेन्नई को शुक्रवार को खेले गए मैच में सनराइजर्स से छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा। इस सत्र में पहली बार खेल रहे मुकेश को 'इंपैक्ट सब्सीट्यूट' के रूप में उतारा गया लेकिन उन्होंने एक ओवर में 27 रन लुटाए।

आईपीएल : सूर्यकुमार की वापसी से मुंबई मजबूत, दिल्ली भी जीत के लिए बेकरार

नई दिल्ली ▶▶| मुंबई

मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स इंडियन प्रीमियर लीग में अपना अभियान पटरी पर लाने के लिए रविवार को जब यहां एक दूसरे का सामना करेंगे तो निगाहें सूर्यकुमार यादव पर टिकी रहेंगी जो चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहे हैं। मुंबई ने अभी तक अपने तीनों मैच गंवाए हैं और वह अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर है। दिल्ली की स्थिति भी अच्छी नहीं है तथा चार मैच में एक जीत से वह 10 टीमों की तालिका में नौवें स्थान पर है। इस तरह से दोनों टीम पर वापसी करने का दबाव है।

तीन महीने से थे बाहर

सूर्यकुमार इस मैच में वापसी कर सकते हैं तथा आईपीएल के तुरंत बाद होने वाले टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए उनके प्रदर्शन पर सभी की निगाहें टिकी रहेंगी। सूर्यकुमार चोटिल होने के कारण पिछले तीन महीने से बाहर हैं। उन्होंने शुक्रवार को अभ्यास सत्र में भाग लिया और वह किसी भी तरह से असहज नहीं दिख रहे थे।

हर विभाग में खराब प्रदर्शन

मुंबई की टीम ने अभी तक हर विभाग में खराब प्रदर्शन किया है। बल्लेबाजी में रोहित शर्मा और ईशान किशन ने उसे अच्छी शुरुआत दिलाई लेकिन यह दोनों बल्लेबाज बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहे हैं। तिलक वर्मा और नमन धीर पर भी यह बात लागू होती है। कप्तान हार्दिक पंड्या भी अभी तक अच्छा प्रदर्शन करके टीम को प्रेरित करने में नाकाम रहे हैं। उन्हें प्रशंसकों की नाराजगी भी झेलनी पड़ी है। जहां तक मुंबई के गेंदबाजी विभाग का सवाल है तो आकाश मधवाल को छोड़कर कोई भी अन्य गेंदबाज प्रभावशाली प्रदर्शन नहीं कर पाया है।

पंत को नहीं मिल रहा सहयोग

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत ने पिछले दो मैच में अर्धशतक जमाकर लय हासिल कर ली है लेकिन उन्हें दूसरे छोर से सहयोग नहीं मिल पा रहा है। पंत ने अभी तक चार मैच में 152 रन बनाए हैं। दिल्ली के गेंदबाजों ने पिछले मैच में बेहद खराब प्रदर्शन किया था। दिल्ली को डेविड वार्नर से बड़ी पारी की उम्मीद होगी। उनके अलावा पृथ्वी भी वानखेड़े में अपने घरेलू मैदान पर अच्छा प्रदर्शन करने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेंगे।

मयंक पर होगी निगाहें, जीत की हैट्रिक पूरी करने उतरेगा लखनऊ

लखनऊ। लखनऊ सुपर जाइंट्स की टीम रविवार को यहां गुजरात टाइटंस के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग मैच में अपना विजय अभियान जारी रखकर जीत की हैट्रिक लगाने की इरादे से मैदान पर उतरेगी। मयंक ने अपनी गति से अभी तक हर किसी का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। पिछले दोनों मैच में उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। बल्लेबाजी विभाग में लखनऊ के पास क्विंटन डिकॉक और केएल राहुल के रूप में शानदार सलामी जोड़ी है। वेस्टइंडीज के निकोलस पूरन और भारतीय ऑलराउंडर क्रुणाल पंड्या भी अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभा रहे हैं। गेंदबाजी में मयंक को नवीन उल हक, यश ठाकुर, मोहसिन खान, स्टोइनिस और लेग स्पिनर रवि बिश्नोई से अधिक सहयोग की जरूरत है। लखनऊ की टीम तीन मैच में दो जीत से चौथे नंबर पर है जबकि शुभमन गिल की अगुवाई वाली गुजरात की टीम ने दो मैच जीते हैं और दो मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा है।

दोनों देशों के बीच खेली जा रही पांच मैचों की श्रृंखला

भारत को हॉकी में मिली करारी हार ऑस्ट्रेलिया ने 5-1 से जीता टेस्ट मैच

नई दिल्ली ▶▶| पर्थ

भारतीय पुरुष हॉकी टीम से उम्मीद की जा रही थी कि वह ऑस्ट्रेलिया की मजबूत टीम को कड़ी चुनौती देगी लेकिन शनिवार को यहां पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में ऐसा कुछ नहीं देखने को मिला और मेहमान टीम को 1-5 से करारी हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने खेल शुरू होने से लेकर आखिर तक दबदबा बनाए रखा। भारतीय टीम ने अंतिम क्वार्टर में कुछ अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से टॉम विकम (20वें, 38वें मिनट) ने दो गोल, जबकि टिम ब्रांड (तीसरे), जोएल रिंटाला (37वें) और फ्लिन ओगिलवी (57वें) ने एक-एक गोल किया। भारत के लिए एकमात्र गोल गुरजंत सिंह ने 47वें मिनट में किया। इन दोनों टीम के बीच रविवार को दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया पेरिस ओलंपिक की तैयारी के सिलसिले में यह श्रृंखला खेल रहे हैं।

क्वार्टर 1

तीसरे मिनट में गोल

ऑस्ट्रेलिया की टीम ने खेल शुरू होते ही अपने इरादे जतला दिए थे और उसने तीसरे मिनट में ही पहला गोल कर दिया। ब्रांड को लंबा पास मिला और उन्होंने भारत के अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश को छकाकर गोल दाग दिया। ऑस्ट्रेलिया ने इसके बाद भी भारतीय रक्षा पंक्ति को दबाव में रखा। उसने आठवें मिनट में पहला पेनल्टी कार्नर हासिल किया लेकिन इस बार श्रीजेश ने अच्छा बचाव किया। ऑस्ट्रेलिया को इसके एक मिनट बाद दूसरा पेनल्टी कार्नर मिला लेकिन इस बार भी श्रीजेश ने रिंटाला के शॉट को रोक दिया।

क्वार्टर 2

2-0 की बढ़त

भारतीय रक्षापंक्ति की गलती के कारण ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे क्वार्टर के पांचवें मिनट में अपनी बढ़त 2-0 कर दी और मध्यांतर तक इसे बरकरार रखा। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे हाफ में भी अपना आक्रामक रवैया जारी रखा।

क्वार्टर 3

4-0 से आगे कंगारू

तीसरे क्वार्टर के सातवें मिनट में रिंटाला ने काइ विलोट के रिवर्स हिट को डिफलेक्ट करके गोल किया। विकम ने इसके तुरंत बाद दाएं कॉर्नर से करारा शॉट लगाकर अपना दूसरा और ऑस्ट्रेलिया की तरफ से चौथा गोल किया। चार गोल से पिछड़ने के बाद भारतीयों ने कुछ तत्परता दिखाई लेकिन वह मौके बनाने में नाकाम रहे। तीसरे क्वार्टर में भारत दो बार गोल करने की स्थिति में पहुंचा था लेकिन ऑस्ट्रेलिया के गोलकीपर एंड्रयू चार्टर ने आसानी से उसके प्रयासों को विफल कर दिया।

क्वार्टर 4

गुरजंत का सांत्वना गोल

ऑस्ट्रेलिया ने चौथे क्वार्टर के शुरू में पेनल्टी कार्नर हासिल किया लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाया। भारत में इसके तुरंत बाद जवाबी हमला किया और मोहम्मद रहील के पास पर गुरजंत गोल करने में सफल रहे। भारत ने इसके बाद कुछ अच्छे मूव बनाए लेकिन वह ऑस्ट्रेलिया की रक्षा पंक्ति में सेंध नहीं लगा सके। भारत ने इसके बाद लगातार दो पेनल्टी कार्नर हासिल किए लेकिन कप्तान हरमनप्रीत सिंह इन पर गोल नहीं कर पाए। ऑस्ट्रेलिया ने खेल समाप्त होने से तीन मिनट पहले पेनल्टी कार्नर हासिल किया जिसे ओगिलवी नेगोल में बदला।

खास खबर

भांबरी और ओलिवेटी सेमीफाइनल से बाहर

मराकेश। भारत के युकी भांबरी और फ्रांस के उनके जोड़ीदार अल्बानो ओलिवेटी यहां एटीपी मराकेश ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रिया के लुकास मीडलर और अलेक्जेंडर एर्लर की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी से हार कर बाहर हो गए। भांबरी और ओलिवेटी की जोड़ी को एटीपी 250 प्रतियोगिता के सेमीफाइनल के संघर्षपूर्ण मुकाबले में 5-7, 6-3, 7-10 से हार का सामना करना पड़ा। दोनों टीमों ने एक दूसरे को कड़ी चुनौती दी। मीडलर और एर्लर की जोड़ी ने पहला सेट जीता लेकिन भांबरी और ओलिवेटी ने दूसरा सेट जीतकर शानदार वापसी की। सुपर टाइब्रेकर में भी कड़ा मुकाबला देखने को मिला लेकिन आखिर में मीडलर और एर्लर जीत दर्ज करने में सफल रहे। भांबरी और ओलिवेटी ने इससे पहले तीसरी वरीयता प्राप्त निकोलस बैरिएंटोस और राफेल माटोस को हराकर पुरुष युगल सेमीफाइनल में प्रवेश किया था।

हॉकी के पूर्व खिलाड़ियों ने सीखे विशेष गुर

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने कोचिंग में एकरुपता और निरंतरता लाने के उद्देश्य से पूर्व खिलाड़ियों के लिए एक नया कोचिंग कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें भारत के पूर्व ड्रैग फ्लिकर और गोलकीपर रुपिंदर पाल सिंह, वीआर रघुनाथ, एड्रियन डिसूजा और भरत छेत्री ने भी प्रशिक्षण प्राप्त किया। हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति के अनुसार इस विशेष कोचिंग कार्यक्रम का आयोजन हाई परफार्मेंस निदेशक हरमन क्रूज की देखरेख में बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण में किया गया। योगिता बाली, हेलेन मैरी, दीपिका मूर्ति, आकाश चिकटे, पीटी राव, पूर्व ड्रैग फ्लिकर गुरजिंदर सिंह और जसप्रीत कौर ने भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

अनुपमा और थारुन ने जीता अंतरराष्ट्रीय चैलेंज खिताब

नई दिल्ली ▶▶| अस्ताना

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अनुपमा उपाध्याय और थारुन मन्नेपल्ली ने शनिवार को उरालस्क में कजाखस्तान अंतरराष्ट्रीय चैलेंज टूर्नामेंट में क्रमशः महिला और पुरुष एकल खिताब अपने नाम किए। अल्मोड़ा की 19 साल की अनुपमा ने पिछले महीने पोलिश अंतरराष्ट्रीय चैलेंज में जीत हासिल की थी। उन्होंने फाइनल में 41 मिनट में हमवतन इशारानी बरुआ पर 21-15, 21-16 से जीत दर्ज कर लगातार दूसरा खिताब हासिल किया।

वहीं पिछले साल दिसंबर में गुवाहाटी में सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उपविजेता रहे 22 वर्षीय थारुन ने आठवें वरीय मलेशिया के सूंग जू वेन को 21-10, 21-19 से हराकर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय खिताब जीता। मिश्रित युगल के फाइनल में भारत के संजय श्रीवत्स

धनराज और मनीषा के की जोड़ी को मलेशिया के वोंग टीएन सी और लिम चिव सिएन की जोड़ी से 21-9, 7-21, 12-21 से हार का सामना करना पड़ा। अनुपमा ने 2021 में इंडिया इंटरनेशनल चैलेंज, पोलिश ओपन (2022 और 2024) और 2023 में ताजिकिस्तान इंटरनेशनल सीरीज जीती है।

टेस्ट ओपनर के रूप में प्रदर्शन करने की जरूरत

मुंबई। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने स्वीकार किया कि टेस्ट क्रिकेट में पारी का आगाज करना चुनौती पूर्ण होता है लेकिन वह अपनी इस नई भूमिका में सफलता हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। डेविड वार्नर के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद आस्ट्रेलिया ने स्मिथ को सलामी बल्लेबाज के रूप में आजमाया लेकिन वह अभी तक इसमें सफल नहीं रहे हैं। उन्होंने ओपनर के रूप में अभी तक जो चार टेस्ट मैच खेले हैं उनमें 28.50 की औसत से रन बनाए हैं जबकि उनके करियर का औसत 56.27 है। स्मिथ ने कहा, 'मैं इन चीजों पर बहुत गौर नहीं करता। मुझे लगता है कि मैं अभी बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहा हूं। हम कुछ मुश्किल विकेट पर खेले हैं विशेष कर ऐसे विकेट जिनमें नई गेंद मुश्किल पैदा करती रही है। यह चुनौती पूर्ण होता है।

मोंटे कार्लो : नागल ने 63वीं रैंकिंग पर काबिज कोबोली को दी मात

नई दिल्ली ▶▶| मोंटे कार्लो

भारत के शीर्ष टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने मोंटे कार्लो मास्टर्स में जीत से शुरुआत करते हुए शनिवार को यहां क्वालीफायर में दुनिया के 63वें नंबर के खिलाड़ी इटली के फ्लेवियो कोबोली को सीधे सेटों में शिकस्त दी। गैर वरीय और 95वीं रैंकिंग पर काबिज भारतीय ने आठवीं वरीयता प्राप्त कोबोली पर 6-2, 6-3 से जीत दर्ज की। नागल अब अपने अंतिम क्वालीफायर मैच में अर्जेंटीना के दो खिलाड़ियों फाकुंडो डियाज अकोस्टा और डिएगो श्वार्टजमैन के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से भिड़ेंगे। अकोस्टा 55वीं रैंकिंग के खिलाड़ी हैं जिन्हें तीसरी वरीयता मिली है जबकि श्वार्टजमैन 124वीं रैंकिंग पर है और वाइल्ड कार्ड धारी हैं। सात क्वालीफायर को मुख्य दौर में प्रवेश मिलेगा। भारतीय खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और उनके आस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू इबडेन (शीर्ष वरीय) की दुनिया की नंबर एक जोड़ी भी टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी।

टी20 विश्व कप में चयन की संभावना पर बोले गांगुली

शानदार फॉर्म में हैं पंत, कुछ मैच हो जाने दीजिए

नई दिल्ली ▶▶| मुंबई

भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने शनिवार को कहा कि ऋषभ पंत पूरी तरह से फिट हैं लेकिन वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में चयन के लिए खुद को तैयार करने में उन्हें कुछ और समय दिया जाना चाहिए।

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान पंत ने दिसंबर 2022 की कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद आईपीएल के मौजूदा सत्र के जरिए वापसी की है। यह पूछने पर कि क्या पंत भारतीय टीम में चयन के लिए तैयार हैं, दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक गांगुली ने टीम के अभ्यास सत्र के बाद कहा, 'कुछ मैच हो जाने दीजिए। वह अच्छा खेल रहा है। विकेटकीपिंग, बल्लेबाजी सब कुछ अच्छा किया है। उसका फॉर्म शानदार है।

एक हफ्ता और बीत जाने दीजिए, फिर आपके सवाल का जवाब दे सकूंगा। यह भी देखना होगा कि चयनकर्ता उसे लेना चाहते हैं या नहीं। वह फिट है, पूरी तरह से फिट।' दिल्ली का सामना वानखेड़े स्टेडियम पर रविवार को मुंबई इंडियंस से होगा। गांगुली ने कहा कि वह टीम की गेंदबाजी से संतुष्ट है लेकिन एक अतिरिक्त बल्लेबाज की जरूरत है।

प्रशंसकों को हार्दिक की हूटिंग नहीं करनी चाहिए : गांगुली

भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने शनिवार को मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या की हूटिंग करने वाले प्रशंसकों की निंदा करते हुए कहा कि इसमें खिलाड़ी की कोई गलती नहीं है कि उन्हें उनके पसंदीदा रोहित शर्मा की जगह दी गई है। जब से मुंबई इंडियंस ने घोषणा की है कि पंड्या पांच बार की चैंपियन टीम की कप्तानी करेंगे तब से उन्हें प्रशंसकों के कोपभाजन का शिकार होना पड़ रहा है। अहमदाबाद में अपनी पिछली फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटंस के घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस के कप्तान के तौर पर अपने पहले मैच में उनकी हूटिंग की गई। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच के लिए जब वह हैदराबाद गए, तब भी यह सिलसिला जारी रहा।

अभियुक्तों की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **(1) सलमान खान, पुत्रः** शाकिर, **(2) शाहीन, पुत्रीः** शाकिर, **पताः** वार्ड नंबर 20, पुराना चीफ हाउस, पुलिस स्टेशन परासिया, जिला छिंदवाड़ा, मध्य प्रदेश और वीपीओ बिछुआ, तहसील – बिछुआ, जिला छिंदवाड़ा, परासिया, छिंदवाड़ा, मध्य प्रदेश, भारत **(3) साबरा, पत्नीः** शाकिर, **(4) शाकिर, पताः** गांव खैरी, पुलिस स्टेशन चोमई, जिला छिंदवाड़ा, मध्य प्रदेश, छिंदवाड़ा, मध्य प्रदेश, भारत ने **FIR No. 432/2019, U/s 498A/406/34 IPC, थानाः ख्याला, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होंने किया है) और उन पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **(1) सलमान खान, (2) शाहीन, (3) साबरा, (4) शाकिर** मिल नहीं रहें है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **(1) सलमान खान, (2) शाहीन, (3) साबरा, (4) शाकिर** फरार हो गये है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहें है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 432/2019, U/s 498A/406/34 IPC, थानाः ख्याला, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **(1) सलमान खान, (2) शाहीन, (3) साबरा, (4) शाकिर** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **14.05.2024** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री शिवली तलवार
महानगर दण्डाधिकारी महिला कोर्ट–01
पश्चिम जिला, कमरा नंबर 358, तीसरी मंजिल,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/4020/WD/2024
(Court Matter)

पश्चिम मध्य रेल

खुली निविदा

निम्नलिखित कार्य के ई–निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष में वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर के द्वारा आमंत्रित की जाती है। **(1) निविदा सूचना क्रमांकः** डीआर एम डब्ल्यू–जे.बी.पी.–69–2024 **कार्य का नाम लोकेशन सहितः** इटारसी–जबलपुर खंड पर किलोमीटर 768/5–11 पर स्थित तवा ब्रिज क्रमांक 768/1 एवं किलोमीटर 952/3–7 पर स्थित नर्मदा ब्रिज क्रमांक 952/1 (अप एवं डाउन) के अंडर वॉटर इंस्पेक्शन वीडियोग्राफी का प्रावधान। **कार्य का अनुमानित मूल्यः** ₹1,58,952/– **बयाना राशिः** ₹ 3,200/– **समापन अवधिः** 01 माह **(2) निविदा सूचना क्रमांकः** डीआर एम डब्ल्यू–जे.बी.पी.–70–2024 **कार्य का नाम लोकेशन सहितः** मंडल अभियंता (दक्षिण) जबलपुर के अधीन 39 नंबर (1 in 12) थ्रू टर्नआउट्स रिन्यूअल एवं 28 नंबर (1 in 12) टर्नआउट्स के थ्रू स्लीपर रिन्यूअल का कार्य। **कार्य का अनुमानित मूल्यः** ₹2,01,58,335/– **बयाना राशिः** ₹ 2,50,800/– **समापन अवधिः** 12 माह **दोनों निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय 15.00 बजे :** 30.04.2024 **दोनों निविदा खुलने का समय 15:15 बजे तिथिः** 30.04.2024. उपरोक्त ई–निविदाएं की संपूर्ण जानकारी वेबसाइट https://ireps.gov.in पर उपलब्ध है एवं इसकी पूरी जानकारी मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) कार्यालय पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर रखी गई है। ई–निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिए कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), प.म.रे., जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

इंसान जैसे-जैसे तकनीक में आगे बढ़ता गया, वैसे-वैसे उसकी इच्छाएं भी बढ़ती गईं. पहले जब एक जगह से दूसरी जगह जाने के लिए साधन मौजूद नहीं थे। तब गंगा जी से बहुत दूर रहने वाले लोगों की इच्छा होती थी कि उनकी मौत के बाद उनकी अस्थियों को गंगा जी में विसर्जित किया जाए।

अंतरिक्ष में भी भेज सकते हैं आप अपने परिजनों की अस्थियां

लंदन। लेकिन अब कुछ इंसान चाहते हैं कि उनकी मौत के बाद उनकी अस्थियों के स्पेस में छोड़ दिया जाए। सबसे बड़ी बात की ये सुविधा मौजूद भी है। चलिए इस आर्टिकल में जानते हैं कि अंतरिक्ष में अस्थिया छोड़ने का खर्च कितना आता है।

स्पेस में किसने भेजी अस्थियां

हाल ही में ऐसा इंग्लैंड में हुआ। दरअसल, यहां रहने वाली एलिजाबेथ नाम की महिला ने अपनी मृत्यु से पहले अपने पति से ये इच्छा जाहिर की थी कि उनकी मौत के बाद उनकी अस्थियों को स्पेस में छोड़ दिया जाए। इसके लिए जिंदा रहते हुए ही एलिजाबेथ ने ऑरा फ्लाइट्स नाम की एक कंपनी के साथ करार कर लिया था कि उनकी मौत के बाद उनकी और उनकी बिल्ली की अस्थियों को पृथ्वी से एक लाख फीट ऊपर स्पेस में छोड़ दिया जाए।

इंग्लैंड की महिला की अंतिम इच्छा की गई है पूरी

3 लाख भारतीय रुपयों में के करीब आता है खर्च

कितना आया खर्च

साल 2022 में पता चला कि एलिजाबेथ जो घूमने की बहुत शौकीन हैं उन्हें दिल की बीमारी है। इसी साल उनका 72वां जन्मदिन था। अपने जन्मदिन के कुछ महीनों के भीतर ही उनकी मौत हो गई. एलिजाबेथ की मौत के बाद उनके परिजनों ने ऑरा फ्लाइट्स से संपर्क किया और उन्हें उनकी अस्थियों को स्पेस में छोड़ने के लिए कहा. साल 2023 के जनवरी महीने में कंपनी ने स्ट्रैटोस्फेरिक गुब्बारे द्वारा एलिजाबेथ और उनकी एक पालतू बिल्ली के शरीर की राख को अंतरिक्ष में छोड़ दिया। इस पूरे प्रोसेस के लिए लगभग 2950 डॉलर का खर्च आया। भारतीय रुपयों में ये लगभग 3.10 लाख रुपये होते हैं।

रोचक खबरें

नीलामी : फेमस बाक्सर मोहम्मद अली की शॉर्ट्स की 32 करोड़ की लगी बोली

दुनिया के महान मुक्केबाज मोहम्मद अली को कौन नहीं जानता. जिसके एक पंच से सामने वाला विरोधी नॉकआउट हो जाता था, आज उसी मोहम्मद अली की एक शॉर्ट्स नीलाम हो रही है। आपको बता दें, इस शॉर्टस की बोली लाखों में नहीं बल्कि करोड़ों में लगी है। चलिए आपको बताते हैं कि मोहम्मद अली की लोकप्रिय शॉर्ट्स आखिर कितने करोड़ की हुई। मुक्केबाज मोहम्मद अली के इस शॉर्ट्स की बोली मार्च के अंत से लग रही है। लेकिन 5 अप्रैल को इसकी बोली 32 लाख डॉलर तक पहुंच गई। यानी भारतीय रुपयों में 32 करोड़ रुपये. दरअसल, मोहम्मद अली के इस शॉर्ट्स की नीलामी न्यूयॉर्क के नीलामी घर सोथबी द्वारा ऑनलाइन की जा रही है। यह नीलामी आधिकारिक तौर पर 12 अप्रैल को बंद हो जाएगी। तब तक कोई भी इसके लिए बोली लगा सकता है। अब सवाल उठता है कि आखिर मोहम्मद अली के इस शॉर्ट्स में ऐसा क्या खास है कि इसकी कीमत लोग करोड़ों में लगा रहे हैं।

तकनीक : गूगल की 'एलेक्सा' डिवाइस ने बचाई 15 माह की बच्ची की जान

नई दिल्ली। तकनीक के इस्तेमाल से एक मासूम बच्ची की जान बच गई। मामला यूपी के बस्ती जिले की आवास विकास कॉलोनी से सामने आया है। यहां 13 साल की निकिता ने ऐसा कारनामा कर दिखाया, जिसे सुनकर हर कोई उसके दिमाग की दाद दे रहा है।

मोदी से उम्मीद

राज परिवार से मिला जोगी पद अफसरशाही ने बना दिया जाति

पदवी को जाति बना देने से आदिवासी जोगी परिवार बन गया ओबीसी

सुरेश रावल ▶▶| जगदलपुर

बस्तर ब्लाक के भानपुरी क्षेत्र के समीप एक गांव हैं छोटे आमाबाल। जहां 8 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आ रहे हैं। इस गांव का ऐतिहासिक महत्व है, क्योंकि जब से दशहरा पर्व बस्तर में मनाया जाता है, तब से पर्व की प्रमुख रस्म जोगी बिठाई में इसी गांव के एक ही परिवार को मौका मिलता है। जोगी परिवार के डमरू नाग कहते हैं 1414 से लगभग 600 साल हो गए हैं, हमारा ही परिवार हर साल दशहरा पर्व के जोगी बिठाई रस्म में शामिल होता है। उस समय के बस्तर महाराजा ने हमारे गांव के हमारे ही परिवार को इस दायित्व को निभाने की जिम्मेदारी सौंपी है। हमारा परिवार मां दंतेश्वरी मावली माता की सेवा करते आ रहा है। राज परिवार ने हमें जोगी का पद दिया, लेकिन कालांतर में इस पद को सरकारी लोगों ने जाति मान लिया। तब से हल्बा जाति का आदिवासी परिवार आज भी पिछड़ा वर्ग बनकर किसी तरह का आदिवासियों को मिलने वाला लाभ नहीं ले पा रहा है। सालों से न्याय के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं, लेकिन आज तक हमारी समस्या का समाधान नहीं हुआ है। सैंकड़ों सालों की सेवा के बाद भी हमारी हालत गरीबी में जीवन गुजारने की रह गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आ रहे हैं हमारा परिवार उनसे मिलना चाहता है। हमारी समस्या सीधे प्रधानमंत्री सुनेंगे तो कुछ न कुछ रास्ता जरूर निकलेगा।

- आदिवासी होने का किसी तरह का कोई लाभ नहीं मिल रहा जोगी परिवार को

काम की तलाश में जोगी गया बैंगलुरू

सभा स्थल से लगभग आधे किमी दूर जोगी का घर है, हरिभूमि ने जोगी परिवार से मुलाकात की। घर में गत वर्ष जोगी बने दौलत नाग के बारे में पुछने पर उनकी मां सुलो नाग और दादी सुदनी जो इमली फोड़ रही थी, ने कहा कि पत्नी और बच्चे के साथ दौलत काम में बैंगलुरू (कर्नाटक) गया है। उनके पति भगत जोगी भी दूसरे गांव मांदलापाल गए थे। थोड़ी देर में जोगी भगत के बड़े भाई डमरू नाग पहुंचे। उन्होंने बताया कि करीब 30 साल से मैं अपने दोनों भाई भगत और रघु जो दशहरा में जोगी बनते हैं उनके साथ जगदलपुर जाता हूं और पूरे 9 दिन सिरहासार में जोगी बिठाई से लेकर जोगी उठाई तक होने वाले सभी पूजा पाठ और रस्मों को निभाता हूं। पुजारी का काम सालों से करते आ रहा हूं।

वनभूमि पट्टे के लिए एसडीएम के पास आवेदन

पुजारी डमरू नाग ने बताया कि हमारे दो भाई का परिवार एक-एक साल के अंतराल में जोगी बनकर बैठते हैं। एक-एक एकड़ जमीन दोनों भाई को मिला है, लेकिन पट्टा केवल एक एकड़ का दिया गया है। दूसरे एकड़ के पट्टे के लिए एसडीएम कार्यालय बस्तर में आवेदन दिया गया है लेकिन अभी तक कोई भी सुनवाई या समाधान नहीं हुआ है।

दादा-परदादा के समय से जाति में लिखा है जोगी

डमरू नाग ने 1919, 1931-32 और 1938-39 कई दस्तावेज दिखाए, जिसमें 100 साल पहले से राजा से मिली जोगी की पदवी को जाति बना दिया गया है। यही कारण है कि हल्बा जाति का आदिवासी होने के बाद भी पिछड़ा वर्ग बना दिया गया है। ऐसी स्थिति में परिवार की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है न ही जोगी बनने का कोई मानदेय शासन से मिलता है केवल 9 दिन तक निराहार रहकर तपस्या करने के दौरान दान दक्षिणा के अलावा टेम्पल कमेटी से 15 हजार रुपये रुसुम के रूप में मिला है। पहले एक हजार से बढ़ते हुए इस साल 15 हजार किया गया है। उन्होंने अन्य सेवादारों की तरह शासन से मासिक मानदेय की उम्मीद जताई है।

मैरिंगो हॉस्पिटल ने पहली रोबोटिक हार्ट TECAB सर्जरी की

अहमदाबाद। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने 77 साल के बुजुर्ग मरीज की पहली रोबोटिक हार्ट सर्जरी की। डॉ. धीरेन शाह, डायरेक्टर – सीटीवीएस विभाग एवं हार्ट ट्रांसप्लांट यूनिट और डॉ. अमित चंदन, रोबोटिक एंड मिनिमली इनवेसिव कार्डियक सर्जन, मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने **TECAB** बाईपास सर्जरी को सफलतापूर्वक पूरा किया। डॉ. धीरेन शाह और उनकी टीम ने अब तक 50 सफल हार्ट सर्जरी की है, जो चिकित्सा के क्षेत्र में उनकी उत्कृष्टता एवं सराहनीय प्रदर्शन की मिसाल है। ट्रांसकैथेटर एंडोस्कोपिक कोरोनरी आर्टरी बाईपास (**TECAB**) सर्जरी, दरअसल कोरोनरी बाईपास सर्जरी करने का एक सफल तरीका है। कोरोनरी आर्टरी डिजीज (**CAD**) के इलाज के लिए इस सर्जरी का उपयोग किया जाता है, और इस प्रक्रिया में बेहद कम चीर-फाड़ की जरूरत होती है।

17 लाख के इनामी 5 नक्सलियों ने किया समर्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

सुकमा में पिछले 24 घंटे के अंतराल में एक महिला समेत पांच नक्सलियों ने समर्पण कर दिया। समर्पित नकसलियों में 8-8 लाख के इनामी मंहिला डिप्टी कमाण्डर व छात्र संगठन इंचार्ज भी शामिल है। समर्पित नक्सली ताड़मेटला, बुरकापाल व मिनपा समेत कई बड़े मुठभेड़ में शामिल रहे हैं। शुक्रवार को दक्षिण बस्तर डिवीजन में सक्रिय 2 हार्ड कोर नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। जिन पर छग शासन द्वारा 8-8 लाख रुपए का इनाम घोषित किया गया था।समर्पित पुरुष नक्सली कलमू प्रकाश उर्फ सन्नु दक्षिण बस्तर डिवीजन व्यापक जनता/अग्र संगठन/छात्र संगठन इंचार्ज (डीवीसीएम) के पद पर एवं महिला नक्सली पेड़कम रीता दक्षिण बस्तर पीएलजीए बटालियन नंबर 1, कंपनी नंबर 2 व प्लाटून नंबर 1 सेक्शन बी डिप्टी कमाण्डर (पीपीसीएम) के पद पर सक्रिय रही है। दोनों नक्सलियों ने छग शासन की नक्सलवाद उन्मूलन नीति तथा सुकमा पुलिस द्वारा चलाए जा रहे पूना नर्कोम अभियान नई सुबह-नई शुरूआत से प्रभावित होकर एवं अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार सुरक्षा कैम्प स्थापित किए जाने से आत्मसमर्पण किया। दोनों हार्डकोर नक्सलियों को आत्मसमर्पण के लिए प्रोत्साहित कराने में जिला बल, डीआरजी सुकमा व 212 बटालियन सीआरपीएफ का विशेष प्रयास रहा। इसके अलावा वहीं सुकमा जिले में गुरुवार को तीन सक्रिय नक्सलियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में शामिल हो गए।

इन बड़ी घटनाओं शामिल थे समर्पित नक्सली

समर्पित 8-8 लाख के इनामी नक्सली कई बड़ी मुठभेड़ में शामिल रहे है। इनमें पुरूष नक्सली वर्ष 2013 में ग्राम सिनेमपेंटा पहाड़ी पर नक्सली अस्थाई कैम्प पर पुलिस-नक्सली मुठभेड़ में फायरिंग, वर्ष 2016 में ग्राम बुरूपाड़ गांव के पास नक्सली अस्थाई कैम्प पर पुलिस-नक्सली मुठभेड़ की घटना, वर्ष 2017 में ग्राम कोत्ताचेरू और भेजी मार्ग पर रोड आरोपी ड्यूटी में लगे जवानों पर पर एम्बुश लगाकर फायरिंग करने, वर्ष 2017 में बुरकापाल के जंगल में रोड निर्माण कार्य के दौरान पुलिस-नक्सली मुठभेड़ की घटना, वर्ष 2018 में ग्राम रासातोंग के जंगल में नक्सली अस्थाई कैम्प पर पुलिस-नक्सली मुठभेड़ की घटना, वर्ष 2019 में ग्राम बुर्कलंका और पामलूर के बीच जंगल नक्सली अस्थाई कैम्प पर पुलिस-नक्सली मुठभेड़ की घटना, वर्ष 2020 में ग्राम मिनपा के जंगल में पुलिस गस्त सर्चिंग पार्टी पर फायरिंग करने की घटना में शामिल रहा। वहीं समर्पित महिला नक्सली वर्ष 2010 में ग्राम ताड़मेटला के जंगल में एम्बुश लगाकर फोर्स पर फायरिंग करने की घटना, जिसमें 8 नक्सली मारे गए थे, वहीं 4 घायल हो गए थे। इसके अलावा वर्ष 2014 में ग्राम पोटकपल्ली के जंगल में पुलिस-नक्सली मुठभेड़, वर्ष 2015 में पिड़मेल के जंगल में पुलिस-नक्सली मुठभेड़ तथा वर्ष 2015 में ग्राम कोमलपाड़ के जंगल में पुलिस-नक्सली मुठभेड़ में शामिल थी।

सहायता राशि व अन्य सुविधाएं दी जाएगी

समर्पित नक्सलियों में 1 लाख का इनामी किस्टाराम थाना क्षेत्र के ग्राम मेटागुड़ा निवासी 28 वर्षीय माड़वी जगरू उर्फ जगदीश पालाचलमा आरपीसी सीएनएम अध्यक्ष के अलावा ग्राम मेट्टागुड़ा निवासी 23 वर्षीय माड़वी देवा आरपीसी मिलिशिया सदस्य व ग्राम बुर्कलंका निवासी 30 वर्षीय जिलकट्टम गंगा आरपीसी सीएनएम सदस्य शामिल है। समर्पित सभी नक्सलियों को शासन की नक्सलवाद उन्मूलन नीति के तहत सहायता राशि व अन्य सुविधाएं दी जाएगी।

वैवाहिकी
वर चाहिए

वर चाहिए
35 वर्षीय ईसाई (प्रोटेस्टेंट), पीएचडी कॉलेज में कार्यरत सुन्दर कन्या हेतु वर चाहिए
संपर्क करें
9425214833

वर चाहिए-जाति बंधन नहीं उम्र 45वर्ष 07/07/1979 हाईट 5'-1'' एमकॉम, बीए, पीजी, 80 एकड़ जमीन हॉस्पिटल सालाना आय 70लाख अनमैरिड महिला संस्कारी सुशील सभी जाति मान्य जरूरतमंद कॉल करें 91794 72796, 7440917990 (33626)

वर चाहिए-29वर्ष, 5फुट 1इंच, रंग- गोरा, राशि- धनु, गण- देबारी, कास्ट- बंगाली, गोत्र कश्यप (namahsu-dra) शिक्षा बीकॉम हेतु वर चाहिए। छ.ग. को प्राथमिकता मैरिज ब्यूरो क्षमा करें सम्पर्क करें - 7587223711 (442)

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

राशिफल

मेष दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। घर–परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिवार की सुख–सुविधाओं के लिए खर्च बढ़ेंगे। रहन–सहन अव्यवस्थित रहेगा।

वृष मन प्रसन्न तो रहेगा। परन्तु बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है।

मिथुन व्यर्थ के क्रोध से बचें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। सेहत का ध्यान रखें।

कर्क परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। भाइयों से मतभेद हो सकते हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

सिंह संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद–विवाद से बचें। किसी मित्र के सहयोग से सम्पत्ति में किया गया निवेश लाभप्रद रहेगा। मीठे खानपान में रुचि रहेगी।

कन्या संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। कुटुम्ब की किसी बुजुर्ग महिला से धन मिल सकता है। लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे

तुला वाणी में मधुरता रहेगी। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। कुटुम्ब–परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। मान–सम्मान की प्राप्ति होगी। आय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक मन परेशान रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आयेगी। बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी।

धनु क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। कारोबार में किसी मित्र के सहयोग से लाभ में वृद्धि होगी।

मकर व्यर्थ के क्रोध से बचें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा। परन्तु आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। धार्मिक आयोजनों में हिस्सा लेंगे।

मीन मन प्रसन्न रहेगा। कर्मक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

शब्द पहेली - 5474

बाएँ से दाए
1. मरघट, कब्रिस्तान-4
3. पागल, बुद्धिहीन-4
8. भगवान, ईश्वर, खुदा-7
10. डांटना, दुत्कार-3
11. तरुण, किशोर-3
13. ओट, घूँघट-3
15. तपस्या-2
17. पराया, अजनबी-2
18. आनंद, मौज-2
19. सूर्य, भास्कर-2
21. चिंतन, सोच विचार-3
25. वेणी, फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26. वैद्य-3
27. आभास करना-4,3
30. शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31. युद्धघोष, आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे
2. कवि, गजलकार-3
4. भारत का झंडा-3
5. ईश्वर, भगवान-4
6. गुरुवार-4
7. दुर्ज, पापी, भूत-3
8. शरण, आश्रय-3
9. चांदी-3
12. उत्तराधिकारी-3
13. उत्कृष्ट, प्रधान-3
14. आंचल-3
16. कमल-3
20. रुकना, अंत, ठहराव-3
22. उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23. बर्दाश्त करना, निभाना-3
24. आय, कमाई-4
25. उष्ण-3
28. पराजित करना-3
29. उपपत्नी, दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली- 5473 का हल

सूडोकु नवताल - 5485

* * * * * कठिनतम

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5484 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

शहर हाई अलर्ट पर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रोड शो आज

सुरक्षा व्यवस्था में 2 हजार जवान तैनात, शहर नो फ्लाई जोन घोषित

जबलपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आज 7 अप्रैल रविवार को जबलपुर आगमन हो रहा है। वे यहां लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए आ रहे है। अधिकारिक जानकारी के मुताबिक शाम 6 बजे कटंगा चौराहे से छोटी लाईन फाटक तक प्रधानमंत्री एक रोड शो करेंगे। प्रधानमंत्री का रोड शो करीब एक घंटे का होगा। जिसकी तैयारियों में एसपीजी, केन्द्रीय सुरक्षा एजेंसिया, जिला प्रशासन, प्रदेश खुफिया विभाग, जिला पुलिस बल, नगर निगम, बिजली विभाग सहित भाजपा के क्षेत्रीय पार्षद से लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव तक सब जुटे हुये हैं। एसपीजी कमांडो, सीआरपीएफ और बीएसफ के जवान, आरएएफ का बल, जिले के 28 थानों की पुलिस, रिजर्व पुलिस बल सहित करीब कुल 22 सौ जवान पीएम की सुरक्षा में तैनात किये गये हैं। शनिवार को सुबह से डुमना से लेकर कटंगा, कटंगा लेकर छोटी लाईन फाटक, छोटी लाईन से लेकर डुमना तक तक पूरे मार्ग में सघन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान अलग अलग सुरक्षा एजेंसियों, जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन का अमला मौजूद रहा। रोड शो के दौरान पीएम की सुरक्षा तीन लेयर में होगी। बीच में प्रधानमंत्री का वाहन होगा, जहां कोई नहीं रहेगा। इसके बाद की लेयर में सुरक्षा अधिकारी और फोर्स चलेगी। तीसरे लेयर में भाजपा नेता, कार्यकर्ता और आम नागरिक रहेंगे, जो प्रधानमंत्री पर पुष्प वर्षा करेंगे।

दोपहर 1 बजे से बंद हो जाएंगे रास्ते

पीएम की सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर आज दोपहर 1 बजे से ही इस रोड शो मार्ग में मिलने वाले सभी मार्गों को बंद कर दिया जाएगा। लोगों को मार्ग डायवर्ट होने के कारण कोई परेशानी न हो, इसके लिए ट्रेफिक पुलिस ने एक्शन प्लान तैयार कर वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की सलाह दी है। बताया जा रहा है कि पेंटीनाका, जायसवाल पेट्रोल पंप, यादगार चौक, मंडला क्रासिंग, आर्मी ऑफिसर्स मेस चौराहा, तोप तिराहा, चौथा पुल, भंडारी क्रासिंग, बंदरिया तिराहा, रामपुर चौक, हाथीताल क्रासिंग, दशमेश द्वार, एलआईसी क्रासिंग, ब्लूम चौक और तीन पत्ती चौक से वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। ट्रेफिक पुलिस ने दोपहर 3 बजे से छोटी लाइन आने वाले ट्रेफिक को त्रिपुरी चौक से होते हुए कछपुरा ब्रिज, एलआईसी तिराहा से छोटीलाइन आने वाले ट्रेफिक को बंदरिया तिराहा की ओर, गुप्तेश्वर शक्तिनगर से ग्रेनेड चौक आने वाले ट्रेफिक को भिटौली कुंड होकर बिलहरी, गोराबाजार, बरेला की ओर डायवर्ट किया गया है। इसी तरह शहर की ओर से आने वाला ट्रेफिक ब्लूम चौक से भंवरताल, रसल तिराहा, नौदरा , तैय्यब अली, पर्यटन तिराहा, एम्पायर से बरेला की ओर डायवर्ट किया गया है।

एक दिन पहले से मार्केट बंद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रोड शो जिस मार्ग से निकलना है वह सघन बाजार क्षेत्र है। मार्ग के दोनों तरफ बैरिकेटिंग हेने के बाद लोगों की आवाजाही बंद कर दी गई, जिससे मार्केट एक दिन पहले से ही अघोषित बंद हो गया। लेकिन फिर भी लोगों में उत्साह है कि प्रधानमंत्री के आने से क्षेत्र की व्यवस्थाएं दुरुस्त हो गई। सड़क के इस पार से उस पार तक फैले बिजली के तार हटा दिया गया हैं। विद्युत पोल में कनेक्शन शिफ्ट हो गए। सड़कों पर झूला झूल रही पेड़ों की डगाल कट गई, सड़कों की मरम्मत हो गई और साफ सफाई व्यवस्था चकाचक हो गई।

10 पार्किंग स्थल निर्धारित

रोड शो देखने आने वालों के लिए गैरीसन ग्राउंड, पुराना बस स्टैंड, एमएलबी स्कूल ग्राउंड, खालसा कॉलेज महानद्दा, जॉन स्कूल ग्राउंड, कटंगा ऑफिसर्स कॉलोनी एवं क टंगा टीवी टॉवर ग्राउंड, कटंगा केंटोमेंट स्कूल का ग्राउंड, आर्मी ऑफिसर्स मेस चौराहा के पास मैदान, छोटी लाइन पटाखा मैदान, पुराना हाउबाग स्टेशन के पास पार्किंग स्थल निर्धारित किया गया है।

छतों पर तैनात रहेंगे बंदूकधारी जवान

विशेष विमान से डुमनाविमानतल पहुंचने के बाद पीएम कार से कार्यक्रम स्थल पहुंचेंगे। इस दौरान वे एसपीजी के घेरे में रहेंगे। बिना अनुमति या पास किसी भी व्यक्ति को पीएम या उनके वाहन के नजदीक आने नहीं दिया जाएगा। रोड शो वाले मार्ग पर ऊंचे भवनों की छत पर बूंदकधारी कमांडो तैनात रहेंगे। सुरक्षा के लिए आसपास के जिलें से बुलाई गई पुलिस बल की गई कंपनियां भी तैनात रहेंगी।

नो फ्लाय जोन और रेड जोन घोषित

वीआइपी मूवमेंट के चलते शनिवार देर शाम 4 से सोमवार सुबह बजे तक कई प्रतिबंध लागू किए गए है। पुलिस ने पीएम के प्रवास के समय डुमना विमानताल को नो फ्लाय जोन घोषित किया है। रोड शो के कार्यकम स्थल की 15 किलोमीटर की परिधि को नो फ्लाय एवं रेड जोन बनाया गया है। यहां पर ड्रोन, बलून उड़ाने पर रोक रहेगी।

दोनों तरफ से होगी पुष्प वर्षा

प्रधानमंत्री के रोड शो को ऐतिहासिक बनाने के लिये भाजपा ने व्यापक तैयारियां की हैं। भाजपा ने शहर के सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक संगठनों से सम्पर्प साधा है। रैली मार्ग पर बैरीकेट के पीछे मंच लगाए जा रहे हैं इन मंचों से पीएम पर पुष्पवर्षा की जाएगी। भाजपा संगठन की तैयारी है रोड शो प्रारंभ से समाप्ति तक पूरे मार्ग में मंच लगे हों। पुष्प वर्षा का सिलसिला रुकने न पाए।

स्कूल संचालक व छात्र नेता के बीच हुआ विवाद

जबलपुर। ब्रिटिश फोर्ट फाउंडेशन स्कूल के संचालक अनुराग सोनी और मप्र छात्र संघ के अध्यक्ष अभिषेक पांडे के बीच विवाद जमकर गहरा गया। स्कूल संचालक ने छात्र नेता से अभद्र व्यवहार कर गाली गलौज की और रायफल दिखाकर धमकाया। छात्र नेता ने भी इसी अंदाज में वैधानिक तरीके से स्कूल संचालक को जवाब दिया। चुनाव आचार संहिता के दौरान भी हथियार थाने में जमा नहीं कराने का मामला उठाकर छात्र नेता ने पुलिस बुला लिए और पुलिस मौके पर पहुंची और आगे की कार्रवाई की। छात्र नेता ने आरोप लगाया कि मप्र छात्र संघ अध्यक्ष अभिषेक पांडे ने बताया कि गत दिवस वे दोपहर 1 बजे ब्रिटिश फोर्ट फाउन्डेशन के छात्रों द्वारा उन्हें स्कूल प्रशासन द्वारा अवैध वसूली, व्यवस्थाओं में अनियमिततायें, संस्था की राशि का दुरूपयोग कर निजी उपयोग करना, छात्रों को भयभीत करना, पुस्तकें स्कूल से लेने बाध्य करना एवं केवल एक स्कूल की मान्यता होने पर उसके आड़ में 6 से अधिक स्कूल चलाने की शिकायत की गई थी। जिस पर वे प्रतिनिधि मंडल के साथ मिलने गए थे।

25 अप्रैल तक आ सकते हैं, 10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणाम

जबलपुर। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की हाई स्कूल और हाई सेकंडरी परीक्षाओं के मूल्यांकन का कार्य बड़ी तेजी के साथ चल रहा है। माध्यमिक शिक्षा मंडल के सूत्रों का कहना है, अगले एक सप्ताह के अंदर मूल्यांकन का काम पूरा हो जाएगा। मूल्यांकन के परीक्षण का कार्य भी शुरू हो गया है। मंडल के अधिकारियों का कहना है कि परीक्षण का कार्य पूरा होते ही, परिणाम तैयार करने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। 10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणाम 25 अप्रैल तक घोषित करने का लक्ष्य मंडल द्वारा निर्धारित किया गया है। इसके हिसाब से सभी तैयारियां की जा रही हैं।

पांचवी और आठवीं के परीक्षा परिणाम में विलंब

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित की गई पांचवी और आठवीं की परीक्षा का मूल्यांकन कार्य अभी पूरा नहीं हो पाया है। इसका रिजल्ट घोषित करने में समय लगेगा। पांचवी और आठवीं के कॉपियों का मूल्यांकन करने के लिए शिक्षकों की कमी है। जिसके कारण मूल्यांकन का कार्य प्रभावित हुआ है।

त्रयोदशी संस्कार एवं श्रद्धांजलि सभा

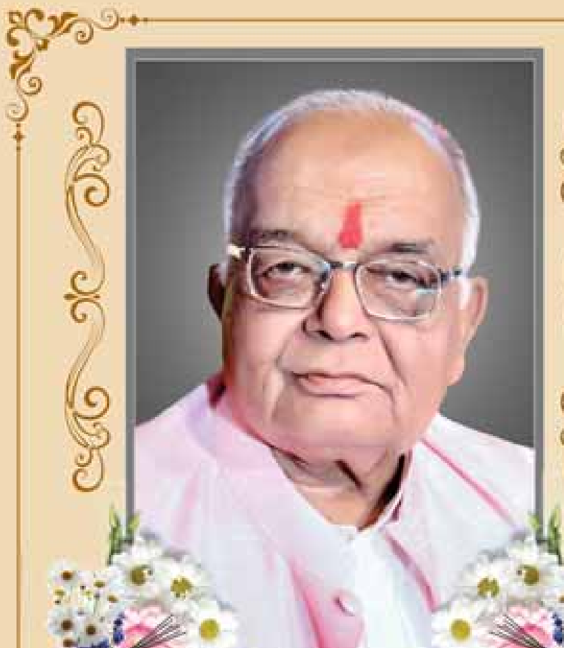

पं. श्री प्रमोद कुमार तिवारी जी
जन्म: 11 जून 1941
स्वर्गवास: 27 मार्च 2024

तस्मादसक्तः सततं कार्यं कर्म समाचर।
असक्तो ह्याचरन्कर्म परमाप्नोति पूरुषः ॥ 19
श्रीमद्भगवद्गीता, अध्याय 3

आप प्रभु द्वारा बताए गए कर्तव्य पथ पर आसक्ति रहित भाव से भलीभांति आचरण कर, कर्म करते हुए परमात्मा को प्राप्त हुए।

कर्मयोग एवं धर्मयोग के साथ-साथ सहजता एवं सेवाभाव की प्रतिमूर्ति परम पूज्य पं.श्री प्रमोद कुमार तिवारी (पूर्व अध्यक्ष, मेडीकल व्यापारी संघ तथा गढ़ा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी एवं उपाध्यक्ष, नागरिक उपभोक्ता मंच) का पूर्ण आयु में बुधवार, 27 मार्च 2024 को देवलोक गमन हो गया है।

दूरगामी सोच एवं सहज सरल व्यक्तित्व के धनी, कर्मठ कर्मयोगी हमारे पिता की अजर-अमर आत्मा की शांति एवं सद्गति प्राप्ति हेतु त्रयोदशी संस्कार (गंगा पूजन) एवं श्रद्धांजलि सभा सोमवार, 8 अप्रैल 2024 को आयोजित है।

कार्यक्रम विवरण
गंगाजलि पूजन : प्रातः 10 बजे से
श्रद्धांजलि सभा : दोपहर 12 से 1 बजे तक
भोग प्रसाद : दोपहर 1 बजे से सायं 7 बजे तक
आयोजन स्थल : 1601, राधाकृष्ण मंदिर, शास्त्री नगर, मेडिकल, जबलपुर

शोकाकुल परिवार
पुत्र - पं. पंकज तिवारी (पिंकी), पं. रोहित तिवारी
सुपौत्र - पं. आयुष, सुधांशु, राघव तिवारी
सुपौत्री- कु. अविका, सौम्या, समीक्षा, संस्कृति एवं समस्त तिवारी परिवार

परम पूज्य पिताजी की पुण्य स्मृति में समर्पित कुछ पंक्तियाँ
पिता जीवन है, संबल है, शक्ति है, पिता सृष्टि के निर्माण की अभिव्यक्ति है,
पिता उंगली पकड़े बच्चे का सहारा है, पिता कभी कुछ मीठा, कभी खारा है,
पिता रोटी है, कपड़ा है, मकान है, पिता छोटे से परिंदे का बड़ा आसमान है, पिता अप्रदर्शित अनन्त प्यार है, पिता है तो बच्चों को इंतजार है
पिता से परिवार में प्रतिपल राग है, पिता से ही माँ का बिंदी और सुहाग है, पिता अपनी इच्छाओं का हनन और परिवार की पूर्ति है,
पिता रक्त में दिये हुए संस्कारों की मूर्ति है, पिता एक जीवन को जीवन का दान है, पिता दुनिया दिखाने का अहसान है
तो पिता से बड़ा तुम अपना नाम करो, पिता का अपमान नहीं, उन पर अभिमान करो विश्व में किसी भी देवता का स्थान दूजा है,
मां बाप की सेवा ही सबसे बड़ी पूजा है विश्व में किसी भी तीर्थ की यात्राएं व्यर्थ हैं, यदि संतान के होते मां बाप असमर्थ हैं,
वो खुशनसीब हैं, मां बाप जिनके साथ होते हैं, क्योंकि मां बाप के आशीषों के हजारों हाथ होते हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240

ग्यारह और निजी स्कूलों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज

निजी स्कूलों की नहीं चलेगी मनमानी

पीड़ित अभिभावकों की शिकायत पर लगातार हो रही कार्रवाई

जबलपुर। निजी स्कूलों द्वारा दुकान विशेष से कॉपी-किताबें, यूनिफार्म, जूते, टाई, बैग आदि खरीदने का दबाब डालने वाले स्कूल प्रबंधकों के खिलाफ जिला प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही हैं। शनिवार को 11 निजी स्कूलों पर प्रकरण दर्ज किए गए। पीड़ित उपभोक्ता सीधे कलेक्टर के व्हाटसएप पर शिकायत कर रहे हैं, जिस पर प्रशासन द्वारा कार्रवाई की जा रही है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि निजी स्कूलों की किस कदर मोनोपॉली चल रही थी। प्रशासन की कार्रवाई से न केवल निजी स्कूल प्रबंधकों बल्कि बुक सेलरस के बीच भी हड़कंप मचा हुआ हैं। यहां उल्लेखनीय है कि कलेक्टर दीपक सक्सेना के निर्देश पर शुरू की गई मुहिम के तहत जिला प्रशासन द्वारा

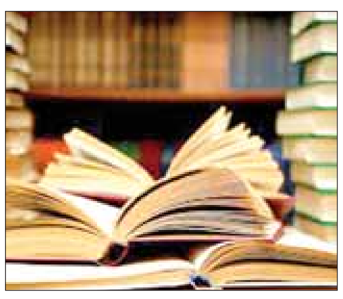

मध्यप्रदेश निजी विद्यालय (फ़ीस एवं अन्य विषयों का विनियमन) अधिनियम-2017 के तहत 11 और स्कूलों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किये गये हैं। अब ऐसे निजी स्कूलों की संख्या 65 हो गई है जिनके विरुद्ध प्रशासन द्वारा इस अधिनियम के विरुद्ध कर प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

इन स्कूलों में हुई कार्रवाई

कलेक्टर कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिन 11 और निजी स्कूलों के विरुद्ध मध्यप्रदेश निजी विद्यालय (फीस एवं अन्य संबंधित विषयों का विनियमन) अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्यवाही शुरू की गई है, उनमें एबट बीटन हायर सेकेंडरी स्कूल, मेरिडियन स्कूल सिहोरा, राक फ़ोर्ड स्कूल महानंदा नगर, ब्रिटिश इंटरनेशनल स्कूल तेवर, सौरभ इन्टरनेशनल स्कूल तिलवारा, विंग्स ऑफ जॉय स्कूल, जॉय सीनियर सेकेंडरी स्कूल, लिटिल किंगडम स्कूल आधारताल, लिटिल किंगडम स्कूल नेपियर टाउन, फ्लावर वैली किड्स एकेडमी शास्त्री नगर एवं बिलाबांग्स हाई इन्टरनेशनल स्कूल शामिल हैं।

तत्काल करें कार्यवाही: कलेक्टर

इन निजी स्कूलों के विरुद्ध शिकायतें अभिभावकों द्वारा कलेक्टर दीपक सक्सेना को उनके व्हाट्स नम्बर पर की गई हैं। ज्ञात हो कि कलेक्टर श्री दीपक सक्सेना ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को दुकान विशेष से कॉपी-किताबें, यूनिफार्म और अन्य शैक्षिक सामग्री खरीदने के लिये बाध्य करने की शिकायतों पर तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश देने के साथ ही अभिभावकों को अपने मोबाइल से इस तरह की शिकायत सीधे उन्हें व्हाट्सएप पर देने कहा था। श्री सक्सेना ने अभिभावकों से आग्रह किया था कि वे दुकान विशेष से कॉपी-किताबें या यूनिफार्म क्रय करने शाला प्रबंधन द्वारा औपचारिक या अनौपचारिक से दिये गये निर्देश, सलाह या सूचना, कार्ड अथवा स्कूल के अंदर या बाहर लगे पोस्टर, पम्पलेट अथवा बैनर की रिकार्डिंग या इमेज अपने मोबाइल से उनके व्हाट्सएप नम्बर 94070 83130 पर भेजें।

जीआरपी ने ट्रेन में यात्री से पकड़ा 8 लाख का सोना

जबलपुर। रेल पुलिस (जीआरपी) ने रेलवे स्टेशन में चैकिंग के दौरान नरसिंहपुर के वृद्ध यात्री के 8 लाख से अधिक कीमत के जेवर बरामद किए। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बड़ी मात्रा में नगदी और बहुमूल्य वस्तुओं की धरपकड़ की जा रही है। इसी कड़ी में जीआरपी द्वारा जबलपुर रेलवे स्टेशन में ट्रेन में सफर कर रहे एक गाडरवारा जिला नरसिंहपुर निवासी 63 वर्षीय कन्छेदीलाल राकेसिया के बैग की तालाशी ली गई, जिसमें 100 ग्राम 610 मिली ग्राम, सोने के टुकड़े, एक सोने का लॉकेट, एक सोने की चेन जब्त की गई। जब्त कि गए जेवरों की कीमत 8 लाख 28 रुपए बताई गई है। जीआरपी थाना प्रभारी बलराम यादव ने बताया कि आरोपी के पास से जेवरात के संबंधों में कोई वैध दस्तावेज नहीं थे। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 102 के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है।

1 पिस्टल एवं 1 कारतूस के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर। घमापुर पुलिस और क्राईम ब्रांच की टीम ने गत रात टेस्टिंग रोड पर पिस्टल खोंसे एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 1 पिस्टल और 1 कारतूस जब्त कर लिए है। घमापुर थाना प्रभारी भूपेंद्र आर्मो ने बताया कि कांचघर झंडा चौक छोटी खेरमाई के पास घमापुर निवासी 23 वर्षीय डॉक्टर उर्फ सम्राट उर्फ विपेंद्र चौधरी गत रात टेस्टिंग रोड पर पिस्टल लेकर खड़ा था। मुखबिर की सूचना पर पहुंची घमापुर पुलिस और क्राईम ब्रांच की टीम ने आरोपी डॉक्टर उर्फ सम्राट उर्फ विपेंद्र चौधरी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक पिस्टल और एक कारतूस जब्त कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई कर मामला जांच में लिया है।

वकील व पुलिस के गणवेश में घुसे आतंकियों को सुरक्षा बल ने सिखाया सबक

पीएम के आगमन से पूर्व हाई कोर्ट में आतंकी हमला...मॉक ड्रिल हुई

जबलपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जबलपुर आगमन से एक दिन पूर्व मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की मुख्यपीठ जबलपुर के परिसर में आतंकी हमला हो गया। दरअसल, यह माक ड्रिल थी। इसके जरिये हाई कोर्ट की सुरक्षा-व्यवस्था के चाक-चौबंद होने का जायजा लिया गया। वकील व पुलिस के गणवेश में हाई कोर्ट परिसर में घुसे आतंकियों को सुरक्षा बल ने अपनी मुस्तैदी से सबक सिखा दिया।

देश में चल रही आतंकवादी गतिविधियों को दृष्टिगत रखते हुए हाईकोर्ट की सुरक्षा को सुदढ़ बनाने शनिवार को सुरक्षा माक ड्रिल का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत हाई कोर्ट में संचालित ओपन अदालत में एक आरोपित को न्यायाधिपति के समक्ष पेशी हेतु लाए जाने पर उसके सहयोगी आतंकी जिनकी संख्या छह थी, उन्होंने न्यायाधिपति के पीएस पर हमला कर दिया। पीएस को बंधक बना लिया। इसी के साथ सीसीटीवी कट्रोल रूम द्वारा परिसर में लगे समस्त बल को अलर्ट किया गया। आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिये तैयार क्यूआरटी टीमों के सयुक्त प्रदर्शन से वीआईपी को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया गया। आमने-सामने की लडाई में क्यूआरटी टीमों द्वारा शौर्य का प्रदर्शन करते हुए बंधक को आतंकियों से मुक्त कराया गया। इस प्रक्रिया में हाई कोर्ट सुरक्षा ड्यूटी में तैनात बल सतर्क व मुस्तैद रहकर त्वरित प्रभावी कार्यवाही कर शौर्य का प्रदर्शन किया गया। इस कार्यवाही के दौरान सुरक्षा बल का एक जवान घायल हुआ जिसे तत्काल एम्बूलेंस के माध्यम से अस्पताल पहुंचाया गया।

इस सम्पूर्ण कार्यवाही में रजिस्ट्रार जनरल, रजिस्ट्री स्टाफ, अधिवक्तागण पक्षकार उपस्थित रहे। माक ड्रिल मुख्य सुरक्षा अधिकारी अरुण कश्यप के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न कराई गई। डीएसपी अरविन्द सूर्या, पंकज परमार, नन्दकिशोर मालवीय निरीक्षक वैभव दुबे, धनकुमार धुर्वे, जुझार सिंह, समरेश उपध्याय उप निरीक्षक तेज बहादुर पटेल सहायक उप निरीक्षक अजय परोचे उपस्थित थे।

लिव-इन में लंबे वक्त तक रहने वाली महिला भरण-पोषण की अधिकारी

जबलपुर। हाई कोर्ट ने अपने एक आदेश में कहा है कि किसी व्यक्ति के साथ लंबे समय तक रहने वाली महिला अलग होने पर भरण-पोषण की अधिकारी है, भले ही वे कानूनी रूप से विवाहित न हों। कोर्ट ने यह व्यवस्था शैलेश बोपचे नामक व्यक्ति की याचिका को निरस्त करते हुए की, जिसने बालाघाट जिला अदालत के उस आदेश को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट का का रुख किया था, जिसमें उस महिला को 1,500 रुपये का मासिक भत्ता देने का आदेश दिया गया था, जिसके साथ वह रहता था और जो तब से अलग थी। बोपचे ने फैसले को इस आधार पर चुनौती दी कि जिला अदालत ने माना था कि महिला, जो उसकी पत्नी होने का दावा करती है, यह साबित करने में विफल रही कि उन्होंने मंदिर में शादी की थी। न्यायमूर्ति जीएस अहलूवालिया की एकलपीठ ने कहा कि बोपचे के अधिवक्ता का एकमात्र तर्क यह है कि महिला कानूनी तौर पर उनकी पत्नी नहीं है, इसलिए सीआरपीसी की धारा-125 के तहत भरण-पोषण राशि की मांग का आवेदन विचार योग्य नहीं है। जबकि महिला के वकील ने दीर्घ अवधि तक साथ रहने के ठोस साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं। लिहाजा, महिला के हक में जिला अदालत का आदेश न्यायसंगत पाकर, उसे चुनौती देने वाली याचिका निरस्त की जाती है।.

मेडिकल कॉलेज में बबलू बाल्मीक ने गुर्गो के साथ मिलकर चालक को पीटा

एम्बुलेंस चलानी है तो रंगदारी देनी पड़ेगी

हरिभूमि, जबलपुर।

नेताजी सुभाषचंद्रबोस मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एम्बुलेंस चालकों की गुंडई चरम पर है। एक बार फिर रंगदारी नहीं देने पर एम्बुलेंस माफिया ने चालक की बेरहमी से पिटाई कर दी। इतना ही नहीं पिटाई के बाद जब चालक रिपोर्ट दर्ज कराने गढ़ा थाना पहुंचा तो वहां भी माफिया और उसके गुर्गे रिपोर्ट नहीं कराने का दबाव बनाने लगे। तभी क्षेत्र के समाजसेवी और युवा अधिवक्ता हस्तक्षेप के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया।

मनाही करने पर चले लात-घूसें

जानकारी के मुताबिक गढ़ा थाने में कमल उर्फ कम्मू पटैल पिता राजू पटेल 25 वर्ष निवासी गुप्ता नगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि बबलू बाल्मीक द्वारा एम्बुलेंस चलाने के नाम पर अवैध रुपयों की मांग की गई व पैसे न देने पर मेडिकल अस्पताल जबलपुर के आकस्मिक चिकित्सा कक्ष के पास कमल उर्फ कम्मू पटेल के साथ लात घूंसो से मारपीट कर चोट पहुँचाई गई।

खुलेआम कर रहा गुंडागर्दी

गौरतलब हैं कि मेडिकल कॉलेज में वर्षो से एम्बुलेंस चलाकर कई लोग परिवार का भरण पोषण कर रहे है। लेकिन विगत दो वर्षो से एम्बुलेंस माफिया बने बब्लू बाल्मीक और उसके भाई चालकों को अंदर प्रवेश के अलावा मरीजों को लाने ले जाने के बदले उलजलूल पैसों की डिमांड करने बोलते है। अगर कोई उनकी बात नहीं मानता तो वह उसके बदले चालको से न सिर्फ मारपीट करते है बल्कि एम्बुलेंस में तोड़फोड़ करने से नहीं चूकते है।

ये रहे उपस्थित

मारपीट की सूचना मिलते ही मोक्ष संस्था के आशीष ठाकुर, अधिवक्ता राहुल विश्वकर्मा, आयुष शिवहरे, नितिन गुप्ता, मोहित हांडा, मदन जायसवाल, राकेश जायसवाल, शुभम कोरी आदि ने एम्बुलेंस माफिया के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए पीड़ित को गढ़ा थाने ले गए जहां आरोपित के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया गया।

शिकायतों के बाद नतीजा सिफर

एम्बुलेंस माफिया बने बब्लू बाल्मीक की दहशतगर्दी के चलते कई बार समाजसेवी सेवी संस्था मोक्ष और अन्य संगठनों द्वारा लिखित में कलेक्टर-एसपी को शिकायत देकर इस पर लगाम कसने की गुहार लगाई गई। लेकिन नतीजा सिफर रहा जिसके चलते हालात आज ऐसे निर्मित होते जा रहे है। अगर जल्द ही इस पर ठोस कदम नहीं उठाए गए तो बड़ी घटना से इंकार नहीं किया जा सकता है।

क्या चुनाव आयोग का आदेश नहीं मानता, शिक्षा विभाग

20 सालों से जमे डीईओ को क्यों नहीं हटाया

जबलपुर। जिला शिक्षा अधिकारी पिछले 20 वर्षे से जबलपुर में पदस्थ है और उन्हें यही तीन पद उन्नति मिल गई, फिर भी शिक्षा विभाग ने उन्हें जबलपुर से नहीं हटाया। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि क्या चुनाव आयोग के आदेश को शिक्षा विभाग नहीं मानता। कर्मचारी संयुव्त मोर्चा की ओर से अटल उपाध्याय ने निर्वाचन आयोग को शिकायत भेजी, जिसमें कहा गया है कि आयोग द्वारा लोकसभा आम चुनाव 2024 के दृष्टिगत एक ही लोकसभा क्षेत्र में तीन वर्ष अथवा उससे अधिक समय से कार्यरत अधिकारियों को अन्यत्र लोकसभा क्षेत्र में स्थानांतरित करने के निर्देश दिये गये हैं। जबलपुर जिले में शिक्षा विभाग अंतर्गत जिला स्तरीय अधिकारी राममोहन तिवारी मूल पद उपसंचालक जो जबलपुर जिले में विगत 20 वर्षों से कार्यरत हैं। वह जबलपुर जिले की पूर्व प्राथमिक प्रशिक्षण संस्थान (मान्टेसरी) जबलपुर में वर्ष 2004 से कार्यरत उव्त पद पर कार्यरत रहते ही उन्हें सहा. संचालक एवं उपसंचालक के पदों पर पदोन्नत कर दिया गया है। श्री तिवारी के प्रभारी संयुव्त संचालक लोक शिक्षण जबलपुर संभाग जबलपुर के पद पर कार्यरत रहते हुए 21 हजार रुपए रिश्वत के मामले में लोकायुव्त जबलपुर दल द्वारा भ्रष्टाचार अधिनियम की धारा 7 एवं 13 (1) डी. 13(2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। श्री तिवारी की सत्ता से नजदीकियों का अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि भ्रष्टाचार के मामले में प्रकरण दर्ज होने के लगभग 2 वर्षों के बाद भी लोकायुव्त द्वारा आज दिनांक तक न्यायालय में चालान प्रस्तुत नहीं किया गया है। हद तो यह है की भ्रष्टाचारी को उनके पदीय दायित्वों के साथ-साथ संयुव्त संचालक लोक शिक्षण विधि प्रकोष्ठ एवं प्राचार्य प्रगत शैक्षणिक अध्ययन संस्थान (पी.एस.एम) जबलपुर का अतिरिव्त प्रभार भी सौंप दिया गया है। श्री तिवारी के लोकसभा निर्वाचन के दौरान यदि जबलपुर लोकसभा क्षेत्र में पदस्थ रहते हैं तो वह अपने प्रभाव का उपयोग कर चुनाव प्रभावित कर सकते हैं। आयोग से मांग की गई है कि जिला शिक्षा अधिकारी को यहां से तत्काल हटाया जाए।

भाजपा ने की सदैव मूल्यों पर आधारित राजनीतिः कैलाश विजयवर्गीय

भाजपा के स्थापना दिवस पर ध्वजारोहण

जबलपुर। 6 अप्रैल 1980 को भारतीय जनता पार्टी की स्थापना हुई। हमारी पार्टी की पंचनिष्ठाओं पर चलकर आज हमने एक विशाल बट वृक्ष का रूप हासिल कर लिया है दुनिया में सबसे ज्यादा कार्यकर्ता हमारी पार्टी में हैं। भाजपा ने सदैव मूल्य पर आधारित राजनीति की है जिसका तात्पर्य यह है कि जो हमारे सिद्धांत है उन पर चलकर देशसेवा करना और उसका यह परिणाम है पिछले 10 वर्षों से केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की स्पष्ट बहुमत की सरकार है एवं देश के कई राज्यों में हमारी सरकार हैं जो निरंतर मां भारती को परम वैभव पर ले जाने का प्रयास कर रही है। यह बात मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री एवं कलस्टर प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय ने मध्य प्रदेश के स्थापना दिवस के अवसर पर पुष्पक नगर वार्ड क्रमांक 57 के बूथ क्रमाक 20 में भाजपा का ध्वज फहराते हुए कही। श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि मुझे गर्व है 44 वर्ष की यात्रा में हमारी भाजपा ने देश की गौरव गाथा लिखने में अपना पूर्ण योगदान दिया है हमारे कार्यकर्ताओं के बल पर हम केंद्र में लगातार तीसरी बार मोदी जी के नेतृत्व में सरकार बनाने जा रहे हैं, भाजपा की कार्यकर्ताओं की शक्ति एवं देश की जनता के आशीर्वाद से हम 2047 तक भारत को सबसे विकसित देश की श्रेणी में पहुंचाने का प्रयास करेंगे।जिसके लिए हमारी पार्टी का कार्यकर्ता भी संकल्पित है। क्लस्टर प्रभारी एवं कैबिनेट मंत्री विजयवर्गीय ने क्षेत्रीय नागरिकों से भेंट कर उन्हें पीले चावल देकर आगामी 7 अप्रैल को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के रोड शो में आने हेतु आमंत्रित किया। इस अवसर पर मनीष अग्रहरि, राम सोनकर, चित्रकांत शर्मा, सहित अन्य भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सह प्रभारी ने किया ध्वजारोहण

प्रदेश के सह प्रभारी श्री सतीश उपाध्याय ने भाजपा की स्थापना दिवस के उपलक्ष्य पर जबलपुर के राजीव गांधी वार्ड के बूथ क्रमांक 24 में उपस्थित होकर भाजपा का झंडा फहराया एवं सभी कार्यकर्ताओं को मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के लिए संकल्प भी दिलाया। श्री सतीश उपाध्याय ने आमजनों को पीले चावल देकर मोदी जी के रोड शो में पहुंचने हेतु आमंत्रित भी किया। इस अवसर पर विधायक अभिलाष पांडे, मंडल अध्यक्ष अतुल जैन दानी, मधुबाला राजपूत, शंकर श्रीवास्तव सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जबलपुर सहित कई जिलों में छाए बादल, बारिश की उम्मीद

जबलपुर। प्रदेश के अधिकतर शहरों में आज बादल छाने लगेंगे। जबलपुर, सहित प्रदेश के 19 शहरों में गरज-चमक के साथ वर्षा का सिलसिला शुरू हो सकता है। तीन मौसम प्रणालियों के असर से शनिवार से मध्य प्रदेश में मौसम का मिजाज फिर बदलने जा रहा है। अलग-अलग शहरों में तेज रफ्तार से हवाएं चलने के साथ रुक-रुककर वर्षा होने का सिलसिला भी तीन दिन तक बना रह सकता है। मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम प्रवक्ता ने बताया कि वर्तमान में एक पश्चिमी विक्षोभ पाकिस्तान के आसपास हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात के रूप में बना हुआ है, उसके साथ एक द्रोणिका भी संबद्ध है। राजस्थान में हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। इसके अतिरिक्त पूर्वी विदर्भ से लेकर कर्नाटक और तमिलनाडु होते हुए कोमरीन क्षेत्र तक एक द्रोणिका बनी हुई है। मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि अलग-अलग स्थानों पर बनी मौसम प्रणालियों के असर से हवाओं का रुख दक्षिण-पश्चिमी हो गया है। हवाओं की रफ्तार भी 20 किलोमीटर प्रति घंटा के आसपास है। शनिवार को जबलपुर, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडौरी, कटनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, जिले में गरज-चमक के साथ वर्षा का दौर शुरू हो सकता है।

प्रथम पेज का शेष ....

कांग्रेस पार्टी के जबलपुर लोकसभा प्रत्याशी दिनेश यादव से 'हरिभूमि और आईएनएच' न्यूज चैनल के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी का 'चुनावी संवाद'

जनता ने भाजपा को तीन दशक दिए... लेकिन सांसद अपनी भूमिका निभाने में 'नाकाम' रहे

क्योंकि वह जानते थे कि प्रजातंत्र तभी सही चलेगा, जब विपक्ष होगा। 2014 से देख लीजिए विपक्ष को तोड़ने की कोशिश की जा रही है। आज जो कांग्रेस पार्टी से जा रहे, वह सिर्फ डर और लालच से जा रहे हैं। अगर भाजपा इतनी अच्छी होती, तो दूसरे के बच्चों को उठाकर अपने घर में नहीं बैठाती।

सवालः कांग्रेसी इतने डरे और लालची क्यों हैं, जो इसके कारण पाला बदल रहे हैं ?

जवाबः अच्छा हुआ जो लोग भाजपा में चले गए। अगर यह लोग आजादी की लड़ाई में होते तो यह देश आजाद नहीं होता। भाजपा में लोग सिर्फ डर और लालच के कारण जा रहे हैं। इस बात का खुलासा भी आने वाले समय में हो जाएगा। जिस दिन सत्ता पलटेगी, उस दिन ये सारे लोग कांग्रेस के दरवाजे पर खड़े दिखाई देंगे। जो लोग भाजपा में जाते हैं, उन लोगों को भाजपा द्वारा दिया हुआ बयान सुनाते हैं कि कांग्रेस पार्टी राम विरोधी है। मेरा कहना है कि जो लोग जा रहे हैं, इनको 22 जनवरी राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा के इतने दिन क्यों यह विचार करने में लग गए कि कांग्रेस पार्टी राम विरोधी है। उसी दिन निर्णय क्यों नहीं लिया? इन्हीं नेताओं के दो दिन पहले के बयान पढ़ लीजिए तो वह कांग्रेस के पक्ष के होंगे। इनके पास कोई बहाना नहीं होता, तो भाजपा की दी हुई चिट्ठी पढ़ देते हैं। यह सच्चे होते तो उसी दिन भाजपा में चले जाते। यह सिर्फ भाजपा का प्रोपेगेंडा है।

सवालः भाजपा के दो कद्दावर नेता इस शहर के दामाद हैं, उनकी इज्जत भी दाव पर लगी है ?

जवाबः हमारे यहां दामाद को पूज्नीय माना जाता है। मेरे परिवार का जेपी नड्डा की ससुराल वाले घर से पारिवारिक नाता रहा है। मैं जबलपुर शहर के दोनों दामादों और बहनोईयों से पूछना चाहता हूं कि उनकी आंखों में यह फर्क क्यों है? जहां एक तरफ भाजपा के प्रत्याशी उनके साले हैं, वहीं दूसरी ओर दिनेश यादव से भी उसी रिश्ते में संबंध हैं। उनको भाजपा और कांग्रेस प्रत्याशी को बराबर आंखों से देखना चाहिए। उन्हें तो यहां प्रचार करने ही नहीं आना चाहिए। उन्हें दोनों प्रत्याशियों को अपना आशीर्वाद देना चाहिए। जो जीतेगा, उससे उनका रिश्ता कायम रहेगा। मैं दोनों के खिलाफ कभी कोई बात नहीं कह सकता।

सवालः महाकौशल में कमलनाथ बड़ा चेहरा हैं, वे अभी तक आपके साथ नहीं दिखे?

जवाबः हमारी पार्टी के जितने भी स्टार प्रचारक हैं, उनमें कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के अलावा प्रदेश के अन्य नेताओं का भी नाम है और वे सभी जबलपुर में प्रचार करने आएंगे। जल्द ही कमलनाथ की सभा होने जा रही है। 10 तारीख के बाद कांग्रेस पार्टी के बड़े नेताओं की ताबड़तोड़ सभाएं होंगी। 10 तारीख को प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी जबलपुर आ रहे हैं। हमने सोनियां गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं की जबलपुर में सभा कराने की मांग की है। इनमें से जिनको भी समय मिलेगा, वे मेरे लिए आएंगे। मुझे विश्वास है कि इनके सहयोग से दिनेश यादव की जीत प्रचंड बहुमत से होगी। मुझे इस बात की खुशी है कि मेरा मुकाबला करने प्रधानमंत्री मोदी आ रहे हैं। उन्हें हार का डर सता रहा है।

जवाबः आप में क्या खूबी है कि जनता आपको चुने और क्या करेंगे?

सवालः मेरी राजनीति में छात्र संगठन से इंट्री हुई है। 11 साल शहर अध्यक्ष रहा हूं। इसके अलावा अन्य पदों पर रहकर पार्टी की सेवा के साथ जनता के हक-अधिकारों की लड़ाई लड़ी है। लगभग तीन दशक का लंबा राजनीति का मुझे अनुभव है। तो स्वाभाविक है कि मेरा जनता से सीधा जुड़ाव है। मैं उनके सुख-दुख का सहभागी रहा हूं। मैं तो चुनाव पूरे आदर्श के साथ लड़ रहा हूं। मेरी लड़ाई भाजपा की रीति-नीति और उनकी सरकार से है। अभी तक जबलपुर की जनता ने सिर्फ सांसद देखा है। अगर जनता ने आशीर्वाद दिया तो मैं बताऊंगा कि सांसद होता क्या है और कैसा होना चाहिए? मेरा वादा है कि देश में जितने महानगर हैं, उनकी कनेक्टिविटी जबलपुर महानगर से होगी। जो काम भाजपा के 30 सालों में नहीं हुए, वो काम भी 5 साल में करूंगा।

श्रमायुक्त न्यायालय का महत्वपूर्ण फैसला

भ्रष्ट कर्मचारी की ग्रेच्युटी जब्त कर सकता है विभाग

श्रमायुक्त न्यायालय ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में साफ किया कि ग्रेच्युटी कर्मचारी का वैधानिक अधिकार है।

जबलपुर। कर्मचारी की नैतिक अधमता के कारण विभाग ग्रेच्युटी की आंशिक या राशि जब्त कर सकता है। भ्रष्टाचार के आरोप में सजायाफ्ता कर्मचारी की पूरी ग्रेच्युटी राशि जब्त करने का विभाग को पूरा अधिकार है। मामले में विभाग की ओर से अधिवक्ता अंजली बैनर्जी ने पक्ष रखा।

एफसीआइ की ओर से अतिरिक्त श्रमायुक्त न्यायालय के आदेश को अपील के जरिये चुनौती दी गई थी। अतिरक्ति श्रमायुक्त न्यायालय ने भ्रष्टाचार के आरोप में सजायाफ्ता कर्मचारी को ग्रेच्युटी राशि प्रदान करने का आदेश सुनाया था। अपील में कहा गया कि आदेश का परिपालन करते हुए ग्रेच्युटी की राशि बैंक डाफट के रूप में जमा करा दी गई है। दरअसल, महेश कुमार बाजपेई एफसीआइ में कर्मचारी था। सीबीआइ ने उसे 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा था। सेवानिवृत्त हो जाने के बाद अनावेदक ने सीबीआइ द्वारा दर्ज की गई एफआइआर व विभागीय कार्यवाही को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। हाई कोर्ट से उसे किसी प्रकार की राहत नहीं मिली थी। वहीं दूसरी ओर सीबीआइ कोर्ट ने उसे भ्रष्टाचार का दोषी करार देते हुए कारावास की सजा सुना दी थी। जिसके बाद एफसीआइ की विभागीय अनुशासन समिति ने उसकी ग्रेच्युटी जब्त करने का निर्णय ले लिया था। जिसके विरुद्ध वह अतिरिक्त श्रम आयुक्त न्यायालय पहुंच गया। वहां से उसके हक में आदेश पारित हो गया। जिसे विभाग ने अपील के जरिये श्रमायुक्त न्यायालय में चुनौती दे दी।

अनुदान प्राप्त शाला शिक्षकों व कर्मचारियों को सातवें वेतनमान क्यों नहीं : हाईकोर्ट

जबलपुर। अनुदान प्राप्त शाला शिक्षकों व कर्मचारियों को सातवें वेतनमान नहीं देने पर जस्टिस एमएस भट्टी की एकलपीठ ने वित्त विभाग के प्रमुख सचिव को नोटिस जारी कर इस संबंध में जवाब मांगा है। वहीं इस मामले में संचालक लोक शिक्षण डीएस कुशवाह हाजिर हुए। उन्होंने बताया कि प्रशासकीय स्वीकृति कर दी गई है और मामला वित्त विभाग के पास लंबित है। मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ की ओर से अवमानना याचिका दायर कर बताया कि जनवरी 2019 में हाईकोर्ट ने अनुदान प्राप्त शाला शिक्षकों को सातवें वेतनमान का लाभ देने पर निर्णय लेने कहा था। जब कार्रवाई नहीं हुई तो अवमानना याचिका दायर की गई। मामले पर सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से बताया गया कि पांच साल बीतने के बाद भी कोर्ट आदेश का पालन नहीं हुआ। कोर्ट को बताया गया कि वित्त विभाग ने इस संबंध में अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया है। वित्त विभाग को पक्षकार बनाने पर उनकी ओर से कोई हाजिर नहीं हुआ। कोर्ट ने वित्त विभाग के प्रमुख सचिव को नोटिस जारी कर जवाब तलब कर लिया।

चेट्रीचंड महोत्सव : 10 को निकलेगी भगवान झूलेलाल की शोभायात्रा

जबलपुर। भारतीय एकता मंडल लालमाटी द्वारा भगवान झूलेलाल वरुण देवता की विशाल शोभायात्रा 10 अप्रेल को निकाली जाएगी, जो सिंधी सिंगल क्वार्टर चाँदमारी से प्रारंभ होकर सांई मंदिर, नारायण चौक, गोपाल होटल चौक, झामनदास चौक होते हुए आयाराम दरबार कांचघर पहुंचकर समाप्त होगी। शोभायात्रा में बहराणा साहिब, लाल सांई की सजीव झांकी, संत कंवरराम साहिब, राजा दाहिर सेन, वीर शहीद हेमू कालाणी, महाकाल और माता वैष्णो की झांकी प्रस्तुत की जाएगी, जिसका जगह-जगह स्वागत द्वार बनाकर क्षेत्र की विभिन्न समितियों द्वारा स्वागत किया जाएगा। श्री सिंधु अमरधाम आश्रम छत्तीसगढ़ के श्री साई लालदास का आध्यात्मिक प्रवचन का कार्यक्रम मधुर, गीत संगीत का कार्यक्रम श्री झूलेलाल की छठी का कार्यक्रम भी समिति द्वारा रखा गया है।

"भगवान ने भी माँ कर्मा का वात्सल्य पाया"

धूमधाम से मनाई गई माँ कर्मा जयंती

जबलपुर। विधायक अभिलाष पांडे ने यहां कहा कि भक्त शिरोमणि माँ कर्मा देवी ने अपनी तप तपस्या और भक्ति से भगवान श्री कृष्ण और भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी को इतना प्रेरित किया कि भगवान भी माँ कर्मा का वात्सल्य पाने विवश हो गए। आज भी भगवान जगन्नाथ स्वामी को माँ कर्मा की खिचड़ी का प्रथम भोग लगाया जाता है। विधायक पांडे मानस भवन में श्री माँ कर्मा साहू युवा संस्था द्वारा आयोजित माँ कर्मा देवी जयंती पर संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही अभा तैलिक साहू महासभा की राष्ट्रीय अध्यख आभा साहू ने कहा कि माँ कर्मा भगवान श्री की अनन्य भकत हो गईं उनका मातृत्व प्रेम पाने भगवान जगन्नाथ स्वामी ने अवतार लिया। श्रीमती साहू ने समाज की नौजवान पीढ़ी से धार्मिक संस्कृति को अपनाने और माँ कर्मा के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर समाज के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, मेधावी बच्चों का सम्मान किया गया। अतिथियों का स्वागत शॉल, श्रीफल से किया गया। इस अवसर पर कैलाश साहू उपाध्यक्ष भाजपा, राधेश्याम साहू अध्यक्ष साहू वैश्य नगर सभा, सुधीर साहू सचिव, संयोजक रामकुमार साहू, पार्षद रजनी साहू सहित अन्य ने बधाई दी।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में छात्राओं को मतदान करने किया प्रेरित

जबलपुर। मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत एनएसएस इकाई व निर्वाचन साक्षरता क्लब एवं रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में निबंध प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, मानव श्रृंखला एवं रैली का आयोजन किया गया। छात्राओं को शपथ दिलाई गई। वोट जैसा कुछ नहीं, वोट जरूर डालेंगे हम। प्राचार्य डॉ. विमलकांत सैनी ने छात्राओं को अपने मताधिकार का उपयोग करने प्रेरित किया, उन्होंने कहा कि हर भारतीय को मतदान करने के अधिकार पर गर्व होना चाहिए एवं एक जिम्मेदार मतदाता ही सभी में जागरूकता ला सकता है, मतदान भविष्य का विधाता है। मतदाता जागरूकता कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. विमलकांत सैनी के मार्गदर्शन में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विधि जैन एवं रेड रिबन क्लब अधिकारी डॉ. संगीता तिवारी, नोडल अधिकारी डॉ. सुभाष तिवारी के निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सभी सहायक प्राध्यापकों और छात्राओं का सहयोग रहा।

बिहार के कलाकारों के भजन में मंत्रमुग्ध हुए भक्त

अंखड रामायण पाठ समापन पर भंडारा आज

जबलपुर। टेलीकाम फैक्टरी रानीताल के पास आयोजित अंखड रामायण पाठ के समापन अवसर पर रविवार को दोपहर 1 बजे विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। उल्लेखनीय है कि यहां पर रामायण पाठ और भजन गायन के लिए बिहार के गोपालगंज से भजन गायक कलाकर आये हुए हैं। बीती रात उन्होंने अपनी गायन प्रस्तुती से क्षेत्र वासियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। भंडारा कार्यक्रम में उपस्थिति की अपील सुनेशवर प्रसाद, ढेमन सिंह, अनूप सिंह, दिनेश सिंह, बबलू राजेश सिंह, भानू प्रताप सिंह, विकास सिंह, सुनील, अनिल, रमेश गुप्ता, पुनेश सिंह, अदित्य सिंह, रजिन्दर, कमल सिंह ने क्षेत्रवासियों से की है।

भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ ने स्थापना दिवस मनाया

जबलपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा, झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक अखिलेश खंडेलवाल एवं भाजपा महानगर अध्यक्ष प्रभात साहू के निर्देशानुसार भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ ने भाजपा पदाधिकारियो के साथ मिलकर 06 अप्रेल को पूर्व विधानसभा के अंतर्गत सेठ गोविंददास वार्ड बूथ क्रमांक 128 में भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस मनाया। जिसमें भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ प्रदेश सह संयोजक दीपक नाहर ने बताया की विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय के छायाचित्र पर पुष्पगुच्छ माल्यार्पण कर स्थापना दिवस मनाया और सभी देशवासियों और देवदुर्लभ कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के दौरान झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ प्रदेश सह संयोजक दीपक नाहर, पूर्व पार्षद मुंशी प्रजापति, एड. संदीप शुक्ला, मुखर्जी मंडल युवा मोर्चा उपाध्यक्ष प्रियांशु यादव, नवीन कुमार उपस्थित रहे।

यश नर्सरी हायर सेकंड्री स्कूल में विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया गया

जबलपुर। भारत स्काउट एंड गाइड मध्य प्रदेश जिला संघ जबलपुर के तत्वावधान में सहायक राज्य संगठन आयुक्त ललित कुमार मिश्रा, जिला आयुक्त अजय तिवारी, डिस्ट्रिक्ट हेड क्वार्टर कमिश्नर डॉ. विजयकान्त तिवारी, जिला सचिव डीके भट्ट और जिला समन्वयक राहुल राजपूत और गाइड कैप्टेन सुश्री शुभांगी शर्मा के मार्गदर्शन में यश नर्सरी हायर सेकंड्री स्कूल गोहलपुर में विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में स्काउट गाइड के बच्चों ने आसपास की दुकानों में जाकर उन्हें स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी और हैंड वाश के स्टेप्स बताये, साथ ही सेवलोन हैंड वाश के पैकेट प्रदान किये, कार्यक्रम को सफल बनाने में स्कूल प्राचार्य वर्षा झारिया और रविकांत तिवारी का सहयोग रहा।

उत्कृष्ठ कार्य करने वाले 4 रेल कर्मी पुरस्कृत

जबलपुर। जबलपुर रेल मंडल के 4 कर्मचारियों को उनकी सजगता एवं रेल सेवा के प्रति समर्पण की भावना का सम्मान करते हुए गत दिवस माह फरवरी में सजगता एवं संरक्षा के लिए उत्कृष्ठ कार्य करने हेतु, 4 रेल कर्मियों को अपर मंडल रेल प्रबंधक जबलपुर द्वारा पुरस्कृत किया गया। इन कर्मियों ने रेल फैक्चर, हॉट एक्सल आदि को पहचान कर सजगता और सतर्पता से संभावित दुर्घटना से बचाव कर संरक्षा रेल परिचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन सभी 4 कर्मचारियों को सम्मान स्वरुप अपर मंडल रेल प्रबंधक जबलपुर द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं नगद पुरस्कार प्रदान किये गये।पुरूस्कृत होने वाले कर्मियों में अरूण कुमार शर्मा स्टेशन मास्टर/ मझगवां फाटक, अरविंद कुमार महावर वरि.सहा.लोको पायलट/नई कटनी जं., शुभम दुबे कांटावाला परि./स्लीमनाबाद, रामाशीश कुमार स्टेशन मास्टर/मझगवां फाटक शामिल हैं।

फ्लाइट कनेक्टिविटी की कमी से क्षेत्रवासी परेशान

आकाशीय परिक्रमा को मजबूर जबलपुरवासी

जबलपुर। मुम्बई जाना हो तो हैदराबाद होकर जाओ, बंगलुरु, चेन्नई, कोलकाता आदि शहरों की यात्रा करना हो तो हैदराबाद या दिल्ली होकर जाओ क्योंकि जबलपुर से उक्त शहरों की कोई भी डायरेक्ट वायुसेवा नहीं है। दो घंटे के सफर को पूर्ण करने में छह से सात घंटे लग रहे हैं क्योंकि डायरेक्ट फ्लाइट न होने से हौप्पिंग फ्लाइट से यात्राएं करना पड़ रही हैं जो की यात्रियों की जेब पर विपरीत असर डाल रही हैं। इस तथाकथित आकाशीय परिक्रमा से जबलपुर के उद्योग, व्यापार, विधि, चिकित्सा, अध्ययन के क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों को नुकसान उठाना पड़ रहा है, यह कथन है वायुसेवा संघर्ष समिति के हिमांशु खरे का। उन्होंने बताया कि जबलपुर को देश के प्रमुख नगरों से जोड़ने पूर्व में अनेक प्रयास हुए जिसमें कुछ सफलताएं भी मिलीं किन्तु वर्तमान परिदृश्य में एयरलाइन कंपनियों की जबलपुर के प्रति बनी उदासीनता सवालों के घेरे में है।

अभियान चलाया जाएगा

वायुसेवा संघर्ष समिति के शंकर नाग्देव, अर्चना भटनागर, रवि गुप्ता मनेरी, बलदीप मैनी, पंकज माहेश्वरी, हेमराज अग्रवाल, अभिषेक ध्यानी, अनूप अग्रवाल, अरुण पवार ने इस अवसर पर बताया की जबलपुर से महानगरों के लिए डायरेक्ट फ्लाइट न होने से व्यवसाय पर विपरीत असर पड़ रहा है। वृहद निवेशक यहाँ आने में कतरा रहे हैं, इन परिस्थितियों में पहले से ही पिछड़ा जबलपुर और पिछड़ता जायेगा। जबलपुर की इस मांग को पूर्ण करने जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर इस हेतु प्रयास तथा समर्थन माँगा जायेगा। क्रमवार अनेक अभियान चलाये जायेंगे ताकि केंद्रीय विमानन मंत्री एवं एयरलाइन कंपनियां जबलपुर के प्रति साकारात्मक रवैया अपना सकें।

अन्य शहरों के संघ भी जुड़ेंगे

वायुसेवा संघर्ष समिति ने इस अवसर पर बताया कि जबलपुर से नज़दीक शहर जैसे कटनी, सतना, मंडला, डिंडोरी, नरसिंहपुर, बालाघाट आदि के नागरिकगण भी जबलपुर से वायु यात्रा करना पसंद करते हैं। उक्त शहरों के यात्री भी फ्लाइट कनेक्टिविटी न होने से खासे परेशान हो रहे हैं। समिति के सदस्यों ने बताया कि उक्त शहरों की संस्थाओं तथा विभिन्न संघों को भी इस अभियान का हिस्सा बनाया जायेगा।

वायुसेवा संघर्ष समिति ने आज पुन प्रधानमंत्री, केंद्रीय विमानन मंत्री एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री को इस आशय का पत्र लिखा है। समिति के हिमांशु खरे ने उम्मीद जताई है कि जबलपुर को प्रमुख शहरों से जोड़ने एयरलाइन कंपनियां सकारात्मक रवैया अपनाएंगी।

आईएफएमआईएस सॉफ्टवेयर फेल होने से कर्मचरियों की समस्या बढ़ी

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रांत अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि वित्त विभाग के आई एफ एम आई एस (ifmis) विगत कई दिनों से सही नहीं चल रहा है, आए दिन इसमें कई समस्या तथा एरर आते रहते हैं। आईएफएमआईएस पर कार्य करने वाले डीडीओ एवं लिपिकों को वर्तमान में देयकों को जनरेट कर एप्रूव करने में एड़ी चोटी का जोर लगाना पड़ रहा है। ऑनलाइन होने के पश्चात भी वेतन अपडेट कर जनरेट करने पर घंटों प्रदर्शित नहीं होता है। इस वजह से सॉफ्टवेयर पर कार्य करने वाले लिपिक शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित हो रहे हैं। जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन ने शासन से मांग की है की शीघ्र आईएफएमआईएस (ifmis) सॉफ्टवेयर में सुधार किया जाए जिससे वेतन लिपिकों को देयक लगाने में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। संगठन ने शासन से मांग की है कि साफ्टवेयर में शीघ्र सुधार कार्य करवाए जाएं।

मां कर्मा जयंती पर आज अनेक कार्यक्रम

साहू समाज ने सुना मुख्यमंत्री मोहन यादव का वर्चुअल सम्बोधन

सिहोरा। तेलघानी बोर्ड के अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त रविकरण साहू के आह्वान पर साहू समाज सिहोरा एंव खितौला ने माता कर्मा की 1008 वी जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री मोहन यादव के द्वारा वर्चुअल उद्बोधन दिया गया। जिसे समाज के साथ अनेक गणमान्य लोगों ने कालभैरव मंदिर के प्रांगण में एलईडी के माध्यम से सुना। इस अवसर पर माता कर्मा का पूजन अर्चना किया गया आयोजन की सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी की सभी मातृशक्ति भगवा रंग में माता की आराधना करती नजर आई। अंत में प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

बाबाशाला में सांस्कृतिक कार्यक्रम आज

मां कर्मा जयंती के अवसर पर आज 7 अप्रैल को शाम 6 बजे से बाबाशाला कटरा मोहल्ला में समाज द्वारा पूजन अर्चन के अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम एंव विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। आयोजन में पहुंचने की अपील समाज के अध्यक्ष सुनील साहू,महिला मंडल अध्यक्ष सोनाली साहू सहित अन्य पदाधिकारीयों ने सिहोरा खितौला के समस्त स्वाजातिय बंधुओं से की हैं।

श्रीमती शिववती कुररिया- सिहोरा ब्राह्मण पुरा वार्ड क्रमांक 8 निवासी श्रीमती शिववती कुररिया का 68 शाल की उम्र में निधन हो गया था। अंतिम संस्कार बाबाताल मुक्तिधाम में किया गया। वे स्वर्गीय रामप्रसाद कल्लू कुररिया की पत्नी एंव ब्रजमोहन बिट्टू कुररिया, अंजनी गोलू कुररिया की मां थी।

श्रीमती आशा चावला- एपीआर कॉलोनी कटंगा निवासी श्री हरगोविंद चावला की धर्मपत्नी श्रीमती आशा चावला (92) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री गोपाल कृष्ण पाण्डेय- बेलबाग तिराह के निकट निवासी श्री गोपाल कृष्ण पाण्डेय (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती कुसुम बाई शुक्ला- सन सिटी कॉलोनी कंचनपुर अधारताल निवासी श्री रमेश शुक्ला की धर्मपत्नी श्रीमती कुसुम बाई शुक्ला (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सोम्या नागदेव- ललित कॉलोनी क्रिश्चियन कम्पाउंड निवासी श्री प्रदीप नागदेव की धर्मपत्नी श्रीमती सोम्या नागदेव (39) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती निर्मला दुबे- महाराजपुर निवासी श्री एसएन दुबे की धर्मपत्नी श्रीमती निर्मला दुबे (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री परसराम रैकवार- आईटीआई माढ़ोताल निवासी श्री परसराम रैकवार (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती शकुंतला बाई केवट- पोलीपाथर बजरिया के पास ग्वारीघाट रोड निवासी श्री अच्छे लाल केवट की धर्मपत्नी श्रीमती शकुंतला बाई केवट (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कंचन बाई कोल- अंचल नगर छुई खदान मुखर्जी वार्ड निवासी श्री सुरेश कुमार कोल की धर्मपत्नी श्रीमती कंचन बाई कोल (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री सुशील राजपूत- करोंदी रांझी निवासी श्री सुशील राजपूत (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री गोपाल कृष्ण भट्टाचार्य- राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री गोपाल कृष्ण भट्टाचार्य (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री अम्बिका प्रसाद ठाकुर- ललपुर रोड ग्वारीघाट रेतनाका निवासी श्री अम्बिका प्रसाद ठाकुर (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री शंकर चौधरी- रामहरख का बगीचा पूर्वी घमापुर निवासी श्री शंकर चौधरी (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती उमा ठाकुर- शांतिनगर व्हीकल रोड रांझी निवासी श्री सुरेंद्र ठाकुर की धर्मपत्नी श्रीमती उमा ठाकुर (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री पुन्नू रजक- बधैया मोहल्ला मिलौनीगंज निवासी श्री पुन्नू रजक (61) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

हरिभूमि
निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 10x8 से.मी. रंगीन 1000/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-0761-4048310, 2757175

मतदाता जागरूकता अभियान के तहत हुआ कार्यक्रम

सिहोरा। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड सिहोरा सेक्टर फनवानी में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत नवांकुर संस्था प्रस्फुटन समिति, आंगनबाड़ी केंद्र एवं ग्राम पंचायत के समन्वय से कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें मतदान का महत्व, शत प्रतिशत मतदान के लिए हल्दी चावल के साथ मतदान आमंत्रण ग्राम खभरा एवं स्कूली बच्चों के साथ रैली का आयोजन मकुरा में किया गया आयोजन में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सचिव नवांकुर प्रभारी कोमल श्रीवास के साथ परामर्शदाता प्रवीण गौतम की उपस्थित रहे।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं रामकृष्ण दुबे आत्मज श्री रामचंद्र दुबे उम्र लगभग 38 वर्ष, निवासी म.नं. 117, ईस्ट करियापाथर, सरकारी कुँआ, मरघटाई रोड, घमापुर जिला जबलपुर म.प्र. पर निवास करता हूँ। यह कि मैं अपत्ता नाम रामकृष्ण दुबे लिखता हूँ तथा यही नाम मेरे समस्त दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, पेन कार्ड आदि में भी दर्ज है। यह कि मेरे शिक्षा संबंधी दस्तावेजों में कक्षा 10 की मार्कसीट में मेरा नाम रामकृष्ण दुबे के स्थान पर रामकिशन दुबे तथा मेरी जन्म तिथि 27.09.1985 के स्थान पर दर्ज है जन्म तिथि 27.09.1984 दर्ज है जो कि गलत तथा यह नाम मेरे किसी भी दस्तावेज में दर्ज नहीं है। यह कि, मेरी कक्षा 10 की मार्कसीट में त्रुटीवश दर्ज नाम रामकिशन दुबे एवं जन्म तिथि 27. 09.1984 को रामकृष्ण दुबे एवं जन्म तिथि 27.09.1985 ही पढ़ा एवं जाना जावे।
स्थान-जबलपुर
दिनांक - 06.04.2024

शपथकर्ता
रामकृष्ण दुबे

पैसे निवेश करने के कई तरीके, बाजार में उतरने पहले एक बार कर लें रिसर्च

- म्यूचुअल फंड विविध विकल्प प्रदान करते हैं
- एफडी पैसा निवेश करने के सबसे आम तरीकों में से एक व सुरक्षित
- रियल एस्टेट सबसे पसंदीदा निवेश विकल्प
- बुढ़ापे में आर्थिक रूप से सुरक्षित रहने के लिए एनपीएस भी बेहतर

तैयारी
बिजनेस डेस्क

आजकल, बहुत से लोग पैसा निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों की तलाश करते हैं, लेकिन ज्यादातर लोग अपनी वित्तीय जरूरतों को पूरा करने वाले सही निवेश साधन को चुनने में भ्रमित होते हैं। हालांकि, निवेश पैसा या निवेश का निर्णय लेना इतना आसान नहीं है, क्योंकि निवेशक सिर्फ एक साधन में कई उद्देश्यों की तलाश करते हैं। इसलिए एक सवाल उठता है- कहां निवेश करें? वैसे, पैसा निवेश करने के लिए विविध विकल्प हैं। रिपोर्ट में हम आपको कुछ विकल्पों के बारे में जानकारी देंगे जो आपकी निवेश जरूरतों को पूरा करने अहम भूमिका निभा सकते हैं।

म्युचुअल फंड

म्यूचुअल फंड्स पैसा निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक माना जाता है। शब्द के अनुसार, एक म्युचुअल फंड धन का एक सामूहिक पूल है, जिसका उद्देश्य प्रतिभूतियों की खरीद (फंड के माध्यम से) करना है। यह निवेशकों को एक मार्ग प्रदान करता है। पैसे बचाएं और समय के साथ रिटर्न कमाते हैं। म्यूचुअल फंड विविध निवेश विकल्प प्रदान करते हैं जैसे बांड, डेट, इक्विटीज, आदि ये निवेशकों को अलग खरीदारी और व्यापार करने की आवश्यकता के बिना भी निवेश का अच्छा विकल्प प्रदान करते हैं। म्यूचुअल फंड में कई प्रकार से निवेश किया जा सकता है। पैसा निवेश करने की योजना बनाते समय उस पर विचार कर सकते हैं। इसमें निवेशक कम से कम राशि के साथ निवेश शुरू कर सकते हैं। म्युचुअल फंड में 500 रुपये से भी निवेश की शुरूआत की जा सकती है। भारत में 44 म्यूचुअल फंड कंपनियां हैं। जिन्हें संपत्ति प्रबंधन कंपनियां एएमसी कहा जाता है। ये म्यूचुअल फंड योजनाएं प्रदान करती हैं और इन कंपनियों द्वारा ही नियंत्रित किया जाता है।

सावधि जमा (एफडी)

सावधि जमा यानी एफडी पैसा निवेश करने के सबसे आम तरीकों में से एक है। हर बैंक इसकी सेवाएं प्रदान करता है। एफडी आपको आकर्षक रिटर्न की ओर ले जाती है। एफडी एक निश्चित परिपक्वता अवधि के साथ आती है। चूंकि इसकी परिपक्वता अवधि 15 दिनों से लेकर पांच वर्ष तक होती है, इसलिए इसे अल्पकालिक और दीर्घकालिक निवेश दोनों के लिए माना जा सकता है। इसमें निवेशक औसतन 7 से 9 फीसदी प्रति वर्ष की ब्याज दर से रिटर्न कमा सकते हैं। यदि आप एक सुरक्षित निवेश चाहते हैं तो एफडी पैसे निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है। इसमें रिटर्न भले ही कम हो लेकिन पैसा सुरक्षित रहता है।

रियल एस्टेट

सबसे पसंदीदा निवेश विकल्प है रियल एस्टेट रियल एस्टेट। मूल रूप से, अचल संपत्ति निवेश करती है और स्वामित्व, भूमि या संपत्ति (संपत्ति) की खरीद से संबंधित है। किसी भी प्रकार की संपत्ति में निवेश करने से पहले, पहले गहराई से विवरण प्राप्त करना बहुत महत्वपूर्ण है। उदाहरण के लिए, आपको संपत्ति/भूमि के स्थान पर विचार करना चाहिए, थोक संपत्तियों की तलाश करनी चाहिए आदि। इसमें निवेश करने के लिए एक बड़ी राशि लग सकती है, लेकिन यह उच्च रिटर्न निवेश के साथ कम जोखिम वाला है। हालांकि, अगर आप पैसे निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक की तलाश कर रहे हैं तो रियल एस्टेट सोचने लायक है।

सोना

पैसा निवेश करने के लिए सोना हमेशा सबसे अच्छे तरीकों में से एक रहा है। यह सबका पसंदीदा निवेश माना जाता है। इसमें सालान औसत 7 से 12 फीसदी तक रिटर्न मिल सकता है। इसके अलावा, भारतीयों का पारंपरिक रूप से सोन के के प्रति लगाव भी रहा है। लोगा सोने को हमेशा एक संपत्ति के रूप में देखते हैं, जो समय के साथ धन जमा करता है।

राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस)

बुढ़ापे में आर्थिक रूप से सुरक्षित रहने के लिए आप राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) सबसे बेहतर निवेश विकल्पों में से एक मान जाता है। यह एक सेवानिवृत्ति बचत योजना है जहां नियोक्ता और कर्मचारी दोनों ही संपत्ति के निर्माण में योगदान करते हैं, जो सेवानिवृत्ति के समय संबंधित कर्मचारी पर बकाया है। एनपीएस भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया है और इस योजना को पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा नियंत्रित किया जाता है। हालांकि, एनपीएस को पैसा निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक माना जाता है, क्योंकि इसका टैक्स सेविंग निवेश। अगर निवेशक सालाना 1.5 लाख तक निवेश करते हैं तो वे टैक्स बचत कर सकते हैं। टैक्स कटौती की धारा 80सी के तहत इसमें टैक्स लाभ मिलता है। 18 से 60 वर्ष की आयु वर्ग का हर भारतीय नागरिक अस योजना में निवेश कर सकता है। अगर आपको अचानक नुकसान होने का डर है, या आप अपने परिवार के जीवन की रक्षा करना चाहते हैं, तो बीमा पैसा निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है। बीमा आपको और आपके परिवार को आजीवन सुरक्षा प्रदान करता है। लोग जीवन में अनिश्चित समय के दौरान बीमा को रीढ़ की हड्डी के रूप में चुनते हैं।

इस साल बेहतर हो सकते हैं मल्टी एसेट अलोकेशन फंड

उम्मीद
बिजनेस डेस्क

- नए फाइनेंशियल इयर में सधे कदमों से करें निवेश की तैयारी
- निवेशकों लिए बेहतर हो सकते हैं मल्टी एसेट अलोकेशन फंड
- निवेशक फीचर्स और रिटर्न देखकर ही करें निवेश का फैसला

नया फाइनेंशियल ईयर शुरू हो गया है। ऐसे में आपके लिए अपने पोर्टफोलियो का आकलन करने का समय आ गया है। मौजूदा समय में बाजार अपने आलटाइम हाई के करीब हैं और बीते एक साल की बात करें तो लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप हर सेगमेंट में जोरदार रैली देखने को मिली है। लार्जकैप इंडेक्स निफ्टी करीब 28 फीसदी तो मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स 60 फीसदी से ज्यादा मजबूत हुए हैं। ऐसे में आगे इनमें बिकवाली संभव है। ऐसे में नए फाइनेंशियल की शुरूआत में निवेशकों के लिए मल्टी एसेट अलोकेशन स्ट्रैटेजी बेहतर हो सकती है, जिसके लिए मल्टी एसेट अलोकेशन फंड बेहतर विकल्प हैं। एक्सपर्ट भी कहते हैं कि जब भी बाजार को लेकर आशंका हो अपना पार्टफोलियो डाइवर्सिफाइड करें।

क्या है एसेट अलोकेशन

मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड निवेशकों को एक एकल निवेश प्रदान करते हैं जो ऋण, इक्विटी और एक अतिरिक्त परिसंपत्ति वर्ग जैसे रियल एस्टेट, सोना इत्यादि को जोड़ता है। इसके अलावा, ये योजनाएं विभिन्न परिसंपत्ति आवंटन एल्गोरिदम को नियोजित करती हैं जो बदलती बाजार स्थितियों पर प्रतिक्रिया देने के लिए डिजाइन की गई हैं। इसका मतलब है डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो। यानी पोर्टफोलियो में अलग अलग एसेट क्लास को कुछ न कुछ हिस्सा देना। किस एसेट क्लास का कितना हिस्सा हो, यह निवेशक के रिस्क लेने और फाइनेंशियल गोल के अनुसार होना चाहिए। अलग में अलग अलग एसेट क्लास अलग अलग साइकिल में मार्केट लीडर बन सकते हैं यानी उनका प्रदर्शन अलग अलग साइकिल में अलग अलग हो सकता है। ऐसे में अगर कभी डेट में गिरावट आती है तो इक्विटी उसे बैलेंस कर सकता है। वहीं इक्विटी या डेट में गिरावट को गोल्ड या कमोडिटी से बैलेंस किया जा सकता है।

ये फंड हैं बेस्ट विकल्प

साल 2024 जहां शेयर बाजार के लिए उतार चढ़ाव भरा साबित हो रहा है, मल्टी एसेट अलोकेशन म्यूचुअल फंड फोकस में हैं। इस साल अब तक मल्टी एसेट अलोकेशन फंड का एवरेज रिटर्न सेंसेक्स और निफ्टी इंडेक्स से ज्यादा रहा है। वहीं, हाइब्रिड कैटेगरीज में इस कैटेगरी का रिटर्न इस साल अब तक सबसे ज्यादा रहा है। मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड निवेशकों को सिंगल इन्वेस्टमेंट के जरिए डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो प्रदान करते हैं। इनका निवेश इक्विटी, डेट, गोल्ड के अलावा रियल एस्टेट जैसे एसेट क्लास में होता है। इनकी यही खासियत निवेशकों को बेस्ट रिस्क-एडजस्टेड रिटर्न प्रदान करने की क्षमता रखती है। इन फंडों का उद्देश्य कई एसेट क्लास में मल्टी-एसेट अलोकेशन के माध्यम से निवेश पोर्टफोलियो को बढ़ाना व डाइवर्सिफिकेशन लाना है।

किसे करना चाहिए निवेश

मल्टी-एसेट एलोकेशन म्यूचुअल फंड उन निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प है, जिनकी जोखिम लेने की क्षमता कम है, लेकिन वे अपने निवेश पर स्टेबल रिटर्न चाहते हैं। वहीं, जो निवेशक अपने पोर्टफोलियो में अलग अलग प्रमुख एसेट क्लास में डाइवर्सिफिकेशन चाहते हैं, उनके लिए भी विकल्प बेहतर हैं।

1 साल से 10 साल में रिटर्न

मल्टी एसेट अलोकेशन फंड की बात करें तो इस कैटेगरी ने 1 साल, 3 साल, 5 साल और 10 साल में लगातार हाई रिटर्न दिया है। इन फंडों का एवरेज रिटर्न 1 साल में 26.43 फीसदी, 3 साल में 15.04 फीसदी, 5 साल में 13.81 फीसदी और 10 साल में 10.72 फीसदी रहा है। साल 2024 में अबतक इनका एवरेज रिटर्न करीब 4.23 फीसदी है, जो सेंसेक्स व निफ्टी की तुलना में ज्यादा है।

5 साल में टॉप स्कीम

- क्वांट मल्टी एसेट अलोकेशन फंड: 28.54%
- कोटक मल्टी एसेट अलोकेशन फंड एफओएफ : 20.49%
- आईसीआईसीआई प्रू मल्टी एसेट अलोकेशन फंड: 19.63%
- एबीएसएल फाइनेंशियल प्लानिंग एफओएफ एग्रेसिव: 15.78%
- एचडीएफसी मल्टी एसेट अलोकेशन फंड: 15%

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

बिटकॉइन, सोना, शेयर या बॉन्ड....किसमें करें निवेश

- इस समय सभी एसेट्स ऑल-टाइम हाई के करीब कर रहे हैं ट्रेड
- निवेशक हो रहे कन्फ्यूज क्या करें, क्या न करें, क्या रहेगा बढ़िया
- सेंसेक्स और निफ्टी50 अपने उच्चतम स्तर के करीब पहुंचे
- ब्याज दरों में कटौती की संभावना से डेट फंड्स भी बेहतर
- सोना भी ऑल-टाइम हाई पर, पोर्टफोलियो का 15 से 20 फीसदी निवेश करें
- बिटकॉइन सबसे रिस्की, लेकिन दे रहा सबसे ज्यादा रिटर्न

इस समय शेयर बाजार, सोना, बिटकॉइन समेत सभी एसेट्स अपने ऑल-टाइम हाई के करीब ट्रेड कर रहे हैं। बिटकॉइन ने पिछले सप्ताह नया रिकॉर्ड बनाया था। ब्याज दरों में कटौती की संभावना के बाद डेट फंड्स में भी अच्छा रिटर्न मिलने की उम्मीद दिख रही है। ऐसी स्थिति में निवेश कनफ्यूज हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि अपना पैसा कहां निवेश करें। बाजार में हमेश रिस्क चलता रहता है। इसलिए कोई भी कदम उठाने से पहले एक बार अपने लक्ष्य और रिस्क क्षमता को देख लें तो बेहतर होगा।

निवेशकों में आजकल कनफ्यूजन की स्थिति है। इसकी वजह यह है कि निवेश के सभी विकल्पों में तेजी दिख रही है। घरेलू शेयर बाजार अपने ऑल-टाइम हाई के करीब ट्रेड कर रहे हैं। सोना भी अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच चुका है। क्रिप्टो मार्केट में भी बहार आई हुई है। बिटकॉइन ने पिछले हफ्ते नया रेकॉर्ड बनाया था। ब्याज दरों में कटौती की संभावना के बाद डेट फंड्स में भी अच्छा रिटर्न मिलने की उम्मीद दिख रही है। ऐसी स्थिति में इन्वेस्टर्स कनफ्यूज हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि अपना पैसा कहां निवेश करें। हालांकि कहा जाता है कि म्युचुअल फंड पैसा निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है। लेकिन इस समय निवेश के सभी विकल्प गुलजार हैं। ऐसे में सभी ज्यादा से ज्यादा लाभ लेना चाहते हैं और निवेश के लिए तमाम जतन कर रहे हैं। इा रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि जब हर तरह का बाजार बुलंदी पर हो तो क्या करना चाहिया या निवेश का कौना सा तरीका बेस्ट हो सकता है।

डेट

मीडियम-टर्म गोल के लिए डेट बेस्ट एसेट क्लास है। ब्याज दरों में कटौती की संभावना से डेट फंड्स पर ज्यादा रिटर्न मिलने की उम्मीद है। इंटरेस्ट रेट में कमी आती है तो बॉन्ड की कीमतें बढ़ती हैं। इसमें ज्यादा जोखिम भी नहीं रहती है। जो निवेशक ज्यादा जोखिम नहीं लेना चाहते हैं, वे अपने पोर्टफोलियो का 40 परसेंट डेट में निवेश कर सकते हैं। इसी तरह 40 फीसदी इक्विटी में और बाकी 20 फीसदी दूसरे एसेट क्लास में निवेश किया जा सकता है।

गोल्ड

सोना भी ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गया। देश में इसका भाव 67,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब पहुंच गया है जो इसका नया रेकॉर्ड है। जानकारों की मानें को निवेशक को अपने पोर्टफोलियो का 15 से 20 फीसदी सोने में निवेश करना चाहिए। पिछले 20 साल में गोल्ड ने 11 फीसदी से अधिक सालाना रिटर्न दिया है जबकि इस दौरान चांदी की सालाना रफ्तार नौ फीसदी रही है। हाल के वर्षों में चांदी ने सोने से बेहतर रिटर्न दिया है।

इक्विटी

प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी-50 अपने उच्चतम स्तर के करीब ट्रेड कर रहे हैं। जानकारों की मानें तो निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में सबसे ज्यादा इक्विटी में निवेश करना चाहिए। इसमें भी एसआईपी सबसे बेहतर विकल्प है। निवेशक के पोर्टफोलियो में 20 परसेंट पैसिव लार्ज-कैप फंड, 50 परसेंट फ्लेक्सी-कैप फंड और 30 परसेंट मिड-कैप फंड होना चाहिए। इससे आपके पोर्टफोलियो का डाइवर्सिफिकेशन होगा और जोखिम में संतुलन रहेगा।

बिटकॉइन

क्रिप्टोकरेंसीज की कीमत में हाल के दिनों में भारी तेजी देखने को मिली है। दुनिया की सबसे पुरानी, सबसे लोकप्रिय और सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत पिछले हफ्ते ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गई। भारत में सरकार ने क्रिप्टोकरेंसीज को रेगुलेट नहीं किया है। ऐसे में जानकारों का कहना है कि क्रिप्टो में अपने पोर्टफोलियो का 5-10 फीसदी से ज्यादा निवेश नहीं करना चाहिए। हालांकि हाल के वर्षों में बिटकॉइन ने सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है।

कितना कैश होना चाहिए

जानकारों का कहना है कि सारा पैसा निवेश करना सही नहीं है। आपात स्थिति के लिए आपके सेविंग अकाउंट में कम से कम छह महीने की जरूरत के लिए कैश होना चाहिए। शेयर मार्केट में स्मॉलकैप और मिडकैप शेयरों में गिरावट की आशंका है। निवेशक को अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने की जरूरत है। आदर्श स्थिति देखें तो निवेशक को अपने पोर्टफोलियो का 50 फीसदी इक्विटी में, 20 परसेंट डेट में, 10 फीसदी गोल्ड में, 10 फीसदी कैश में, 5 फीसदी सिल्वर में और 5 फीसदी क्रिप्टो में निवेश करना चाहिए।

सुझाव कई स्कीमों ने 41 से 68% तक का सालाना रिटर्न दिया, एक साल में रिटर्न में स्मॉलकैप का प्रदर्शन दूसरे इक्विटी फंडों से बेहतर

औसतन रिटर्न 53 फीसदी रहा, निवेशकों ने करोड़ों रुपये कमाए

स्मॉलकैप फंड निवेशकों को बना रहे धनवान, लेकिन सावधानी रखें

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

निवेश यानी बचत हर किसी को करनी चाहिए, क्योंकि इससे भविष्य आर्थिक रूप से मजबूत होता है। बचत बच्चों की पढ़ाई, शादियों और बुढ़ापे में काफी मददगार साबित होते हैं। इसलिए हर किसी को अपनी कमाई का कम से कम 10 फीसदी तो जरूर बचत करना चाहिए। जानकारों का कहना है कि इस बचत को सावधानी के साथ यदि म्यूचुअल फंड में निवेश किया जाए तो अच्छा खास फंड बनाया जा सकता है। इन दिनों स्मॉलकैप शेयर काफी चर्चा में हैं। बीते 1 साल के दौरान इन्होंने आउटपरफॉर्म किया है। बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स ने फाइनेंशियल ईयर 2024 में करीब 65 फीसदी रिटर्न दिया है, जबकि लार्जकैप का रिटर्न 25 फीसदी रहा है, इस दौरान कई स्मॉलकैप स्टॉक में 100 फीसदी या इससे ज्यादा तेजी आई है। फिलहाल स्मॉलकैप की इस तेजी का फायदा म्यूचुअल फंड निवेशकों को भी मिला है। बीते फाइनेंशियल ईयर में स्मॉलकैप फंड रिटर्न देने के मामले में इक्विटी कैटेगरी में नंबर 1 साबित हुए हैं। देखने में आ रहा है कि स्मॉलकैप फंड निवेशकों को मालामाल कर रहे हैं, लेकिन निवेश करने से पहले अपने लक्ष्य तय करें और पोर्टफोलियों में डायवर्सिटी रखें इससे आपको नुकसान नहीं होगा। बाजार के जानकारों का कहना कि किसी भी एसेट्स में निवेश से पहले सावधानी बरतें, यानी जिस फंड में निवेश करने जा रहे हैं उसे एक बार अच्छे से जांच परख लें।

एक साल में रिटर्न देने के मामले में स्मॉलकैप फंड का प्रदर्शन दूसरे इक्विटी फंड कैटेगरी से बेहतर रहा है। इनका औसतन रिटर्न 53 फीसदी रहा। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि इक्विटी कैटेगरी में 1 साल का औसत रिटर्न कितना रहा।

ऐसे समझें रिटर्न

- स्मॉलकैप फंड: 53 फीसदी
- मिडकैप फंड: 52.60 फीसदी
- लार्जकैप फंड: 41 फीसदी
- लार्ज एंड मिडकैप फंड: 44 फीसदी
- फ्लेक्सी कैप फंड: 39.67 फीसदी
- मल्टीकैप फंड: 45.62 फीसदी
- ईएलएसएस: 39.37 फीसदी
- वैल्यू ओरिएंटेड: 50 फीसदी
- (वित्त वर्ष 24: इन 30 इक्विटी स्कीम में 50 से 72% बढ़ा पैसा।)

टॉप परफॉर्म करने वाले म्यूचुअल फंड

- क्वांट स्मॉल कैप: 68%
- निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप: 57%
- इनवेस्को इंडिया स्मॉलकैप: 55%
- बैंक ऑफ इंडिया स्मॉल कैप: 51%
- एडलवाइस स्मॉल कैप: 50%
- एचएसबीसी स्मॉल कैप: 49%
- आईसीआईसीआई प्रू स्मॉलकैप: 43%
- एक्सिस स्मॉल कैप: 41%
- केनरा रोबेको स्मॉल कैप: 41%
- टाटा स्मॉल कैप: 41%

छोटी कंपनियों के शेयर क्यों चढ़े

जानकारों का कहना है कि मौजूदा वित्त वर्ष में सेंसेक्स की तुलना में छोटी कंपनी के शेयरों का बेहतर प्रदर्शन भारतीय घरेलू बाजार की गतिशील प्रकृति और निवेशकों को प्रदान किए जाने वाले विविध अवसरों को दर्शाता है। विश्लेषकों के अनुसार, छोटी कंपनियों के शेयर आमतौर पर स्थानीय निवेशकों द्वारा खरीदे जाते हैं, जबकि विदेशी निवेशक बड़ी कंपनियों के शेयर पर ध्यान केंद्रित करते हैं। निवेशकों के सेंटीमेंट में यह बदलाव भारत में मजबूत व्यापक आर्थिक स्थितियों से प्रेरित है। यह परंपरागत रूप से आर्थिक विस्तार की अवधि के दौरान छोटी कंपनियों के शेयरों में तेज ग्रोथ को बढ़ावा देता है।

क्या होते हैं स्मॉलकैप फंड

स्मॉलकैप फंड की बात करें तो ये मार्केट कैप के लिहाज से स्मॉल कैप कंपनियों के स्टॉक और इक्विटी-रिलेटेड विकल्पों में निवेश करते हैं। सेबी के अनुसार, मिड कैप कंपनियां, मार्केट कैपिटलाइजेशन में 250 से 500 के बीच रैंक की जाती हैं। ये फंड आमतौर पर लार्ज-कैप और मिडकैप फंडों की तुलना में बेहतर रिटर्न देते हैं, लेकिन उनकी तुलना में इसमें अस्थिरता ज्यादा होती है। बाजार में गिरावट आने पर स्मॉलकैप में गिरावट दूसरे सेगमेंट की तुलना में ज्यादा हो सकती है। उसी तरह तेजी आने पर ये लार्जकैप या मिडकैप की तुलना में ज्यादा रिटर्न भी देते हैं। फाइनेंशियल एडवाइजर से सलाह ली जाए तो ये रिस्क और रिटर्न का सही संयोजन हो सकते हैं।

स्मॉलकैप फंड में कौन करे निवेश

अगर बाजार का रिस्क लेने को तैयार हैं और आपके निवेश का लक्ष्य 7 साल से 10 साल का है तो स्मॉलकैप फंड हाईरिटर्न पाने के लिए बेहतर विकल्प माने जाते हैं। लंबी अवधि तक निवेश बनाए रहने से बाजार का जोखिम कम हो जाता है। इनका एवरेज रिटर्न बेहतर हो जाता है। ऐसे में अगर युवा हैं और रिस्क लेने को तैयार हैं, तो आप फाइनेंशियल एडवाइजर की सलाह लेकर इन स्कीम में निवेश कर सकते हैं।

देश में लोकसभा चुनाव की घोषणा हो चुकी है। चुनाव में अपनी जीत पक्की करने के लिए सभी पार्टियां कमर कस चुकी हैं। कांग्रेस, भाजपा से लेकर सभी छोटी बड़ी पार्टियों ने जनता के बीच वादे भी करने शुरू कर दिए हैं। लोकलुभावन घोषणा पत्र भी पार्टियों के आने लगे हैं। कांग्रेस ने भी अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में पांच 'न्याय' और 25 'गारंटी' का वादा किया है। कांग्रेस ने 48 पन्नों के 'न्याय-पत्र' में जो 344 चुनावी वादे किए हैं, वे सिर्फ राजनीतिक विरोध के प्रतीक-चिह्न हैं। कांग्रेस का घोषणा-पत्र प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार की नीतियों और फैसलों का 'विरोध-पत्र' है। कांग्रेस ने 'न्याय' के तहत हिस्सेदारी, किसान, श्रमिक, युवा, नारी, आर्थिक, राज्य, रक्षा, पर्यावरण और संवैधानिक न्यायों की बात कही गई है। यानी कांग्रेस मान रही है कि देश लगातार 'अन्याय' के साथ जीता रहा है। अच्छा है कि खुद कांग्रेस स्वीकार रही है कि उसकी सरकारों के दौरान भी अन्याय किए गए। अब अहम सवाल यह है कि कांग्रेस जो वादे कर रही है उनको किस तरह से पूरा करेगी और उनके लिए धन कहां से आएगा, इन्ही पहलुओं पर विचार करता आजकल का यह अंक...

कांग्रेस की गारंटी या विरोध पत्र

विश्लेषण
सुशील राजेश
वरिष्ठ पत्रकार

कांग्रेस ने जो चुनावी घोषणा-पत्र जारी किया है वह केवल प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार की नीतियों का विरोध-मात्र है। एक बानगी ही पर्याप्त है कि कांग्रेस सरकार आई, तो वह 'नीति आयोग' का नाम पलट कर 'योजना आयोग' कर देगी। कांग्रेस की सोच में कुछ भी मौलिकता और नयापन नहीं है। यहां तक कि सरकारी कर्मचारियों की 'पुरानी पेंशन स्कीम' (ओपीएस) ने हिमाचल, कर्नाटक, तेलंगाना राज्यों में कांग्रेस की सरकारें बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भी ओपीएस कांग्रेस का बुनियादी चुनावी मुद्दा था, लेकिन 'न्याय पत्र, 2024' में वह गायब है। धनशोधन निरोधक अधिनियम' (पीएमएलए) को ही रद करने का विचार कांग्रेस में उभरा था।

कांग्रेस ने 48 पन्नों के 'न्याय-पत्र' में जो 344 चुनावी वादे किए हैं, वे सिर्फ राजनीतिक विरोध के प्रतीक-चिह्न हैं। कांग्रेस का घोषणा-पत्र प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार की नीतियों और फैसलों का 'विरोध-पत्र' है। एक बानगी ही पर्याप्त है कि कांग्रेस सरकार आई, तो वह 'नीति आयोग' का नाम पलट कर 'योजना आयोग' कर देगी। कांग्रेस की सोच में कुछ भी मौलिकता और नयापन नहीं है। यहां तक कि सरकारी कर्मचारियों की 'पुरानी पेंशन स्कीम' (ओपीएस) ने हिमाचल, कर्नाटक, तेलंगाना राज्यों में कांग्रेस की सरकारें बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भी ओपीएस कांग्रेस का बुनियादी चुनावी मुद्दा था, लेकिन 'न्याय पत्र, 2024' में वह गायब है। धनशोधन निरोधक अधिनियम' (पीएमएलए) को ही रद करने का विचार कांग्रेस में उभरा था। शायद आज की कांग्रेस को जानकारी नहीं है कि 2009 में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान ही पीएमएलए में 'आपराधिक साजिश' की धारा 120-बी को जोड़ा गया था, लिहाजा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) साजिश के किसी भी मामले में दख़ल देने में सक्षम हो गया। यह दीगर है कि 2015 और 2019 में मोदी सरकार ने पीएमएलए को अधिक व्यापक और कठोर कानून बना दिया। आजकल ज्यादातर विपक्षी नेता ईडी के छापों और कानूनी कार्रवाई से संत्रस्त हैं, लिहाजा कांग्रेस पीएमएलए में संशोधन करेगी, ताकि ईडी के दुरुपयोग को रोका जा सके। 'न्याय-पत्र' मौजूदा कानूनों और प्रावधानों के खिलाफ विरोध की प्रतिक्रिया का एक दस्तावेज है। आखिर कांग्रेस ने बहुसंख्यकवाद, यानी हिन्दुओं, के खिलाफ और अल्पसंख्यकों के लिए प्रतिबद्धता की घोषणा क्यों की है? क्या यही कांग्रेस की राजनीतिक और सांप्रदायिक मंशा है?

न्याय और गारंटी

कांग्रेस ने 10 'न्याय' और 25 गारंटियों की घोषणा की है। 'न्याय' के तहत हिस्सेदारी, किसान, श्रमिक, युवा, नारी, आर्थिक, राज्य, रक्षा, पर्यावरण और संवैधानिक न्यायों की बात कही गई है। यानी कांग्रेस मान रही है कि देश लगातार 'अन्याय' के साथ जीता रहा है। कांग्रेस की सरकार केंद्र में आई, तो सभी प्रमुख 'न्याय' लोगों को मुहैया कराए जाएंगे। दरअसल कांग्रेस ने देश पर 55 साल से अधिक समय तक शासन किया है। पिछली सरकार मई, 2004 से मई, 2014 के दौरान 10 साल तक रही। अच्छा है कि खुद कांग्रेस स्वीकार रही है कि उसकी सरकारों के दौरान भी अन्याय किए गए। अब कांग्रेस ने कुछ ऐसी घोषणाएं की हैं, जिनके जरिये वह कई स्तरों पर 'न्याय' कर सकती है। मसलन-30 लाख सरकारी नौकरी के पदों पर भर्तियां की जाएंगी। हर गरीब परिवार को बिना शर्त 1 लाख रुपये सालाना दिए जाएंगे। इस योजना का नाम 'महालक्ष्मी' रखा गया है और यह राशि घर की सबसे बुजुर्ग महिला को दी जाएगी। स्वास्थ्य बीमा 25 लाख रुपये का किया जाएगा। मनरेगा की दिहाड़ी 400 रुपये रोज़ाना की होगी। 25 साल से कम उम्र वाले स्नातक और डिप्लोमाधारी युवाओं को ट्रेनी की पहली नौकरी सुनिश्चित की जाएगी। उस अवधि के दौरान एक लाख रुपये का मानदेय भी दिया जाएगा। नौकरी के लिए आवेदन की कोई फीस नहीं देनी पड़ेगी और पेपर लीक से मुक्ति भी दिलाई जाएगी। यह 'न्याय' भी किया जाएगा कि 'अग्निवीर' योजना बंद की जाएगी। अनुसूचित जाति, जनजाति, ओबीसी आदि के आरक्षण की अधिकतम सीमा 50 फीसदी को बढ़ाया जाएगा। केंद्र की 50 फीसदी नौकरियां महिलाओं को ही दी जाएंगी। संसद और विधानसभाओं में 33 फीसदी महिला आरक्षण का कानून 2025 से ही लागू किया जाएगा।

जांचों का सिलसिला

चूंकि प्रधानमंत्री मोदी ने 2016 में 'नोटबंदी' लागू की थी, लिहाजा कांग्रेस की सरकार आई, तो उसकी जांच कराई जाएगी। जिन चुनावी बॉन्ड को सर्वोच्च अदालत ने 'असंवैधानिक' करार दिया है, उसकी भी जांच कराई जाएगी। कांग्रेस फ्रांस सरकार के साथ राफेल लड़ाकू विमान सौदे की जांच कराना 'न्याय' मान रही है, लेकिन अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलीकॉप्टर सौदे, पनडुब्बी सौदे, सैन्य ट्रक घोटाले, कोयला खदान, 2जी स्पेक्ट्रम, राष्ट्रमंडल खेल घोटालों की जांच क्यों नहीं कराना चाहती? ये 15 लाख करोड़ रुपये के घोटाले आरोपित हैं। क्या इनकी नए सिरे से जांच 'न्यायिक' नहीं होगी? यह भी घोषणा की गई है कि जो नेता कांग्रेस या विपक्ष के अन्य दल को छोड़कर भाजपा में शामिल हुए हैं, उनके खिलाफ ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग की जांच दोबारा शुरू कराई जाएगी। एक अनुमान के मुताबिक, कांग्रेस समेत विपक्ष से टूटकर 80,000 से अधिक नेता और कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हो चुके हैं। भाजपा का कुल लक्ष्य 1 लाख बताया जा रहा है। करीब 17,000 कार्यकर्ता और नेताओं ने अकेले मध्यप्रदेश में ही कांग्रेस को छोड़ा है। आखिर किस-किस की जांच कांग्रेस करवाएगी? कांग्रेस ने साफ़ कर दिया है कि देश में 'एक चुनाव' की व्यवस्था कभी लागू नहीं की जाएगी। 'नागरिकता संशोधन कानून' (सीएए) समेत कुछ और विवादित कानूनों को भी रद किया जाएगा। मोदी सरकार ने आईपीसी, सीआरपीसी, साक्ष्य कानूनों के स्थान पर जो नई 'भारतीय न्याय संहिता' लागू की है, उसे भी रद किया जाएगा। कांग्रेस जीएसटी परिषद का पुनर्गठन भी 'न्याय' मानती है, जबकि यह कानून संसद से ही पारित हुआ था। कांग्रेस मोदी सरकार की संघवादी शिक्षा नीति की भी समीक्षा करेगी।

विरोधाभासी न्याय

दलबदल निरोधक कानून और किसानों के लिए 'न्यूनतम समर्थन मूल्य' (एमएसपी) दो विरोधाभासी न्याय साबित हो सकते हैं। दलबदल कानून राजीव गांधी के प्रधानमंत्री काल में लागू किया था। बाद में वाजपेयी सरकार के दौरान तत्कालीन कानून मंत्री अरुण जेटली ने इसे ज्यादा कड़ा कानून बना दिया था। आज़ाद भारत में सबसे अधिक दलबदल 1967-71 के दौरान किए गए, जब इंदिरा गांधी देश की प्रधानमंत्री थीं। सबसे अधिक सरकारें भी उसी कालखंड में गिराई गईं। अब कांग्रेस संविधान की 10वीं अनुसूची में संशोधन कर 'न्याय' पेश करना चाहती है। उसका वादा है कि विधानसभा या संसद में जैसे ही कोई प्रतिनिधि दलबदल करता है, वह स्वतः ही 'अयोग्य' हो जाना चाहिए। बेशक यह संविधान संशोधन संसद में ही दो-तिहाई बहुमत से पारित कराना पड़ेगा। फिलहाल कांग्रेस के पक्ष में ऐसे जनादेश के आसार तक नहीं हैं। कांग्रेस ने 'न्याय' के तहत किसानों की फसलों पर एमएसपी की कानूनी गारंटी और कर्जमाफी की घोषणा की है। डॉ. स्वामीनाथन आयोग ने अपनी सभी रपटें 2006 में ही भारत सरकार को सौंप दी थी। तब कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार केंद्र में थी। मई, 2014 तक एमएसपी पर एक भी कदम नहीं उठाया गया। एमएसपी की शुरुआत 1966-67 में की गई थी और तब भी प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी थीं। देश में खाद्य संकट का दौर था। किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए एमएसपी की घोषणा की गई थी, लेकिन इतने लंबे अंतराल के बाद अब मोदी सरकार को एमएसपी के लिए 'खलनायक' करार दिया जा रहा है। यदि कांग्रेस के 'न्याय' पर ही भरोसा करें, तो यकीन कौन दिलाएगा कि एमएसपी की कानूनी गारंटी लागू कर ही दी जाएगी?

लोकतंत्र अभी जिंदा

चूंकि कांग्रेस ने अपना 'न्याय-पत्र' जारी किया है और वह देश के करीब 97 करोड़ मतदाताओं को आश्वस्त कर रही है। यानी लोकतंत्र अब भी जिंदा है। दूसरी तरफ पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी 2024 के आम चुनाव को संविधान और लोकतंत्र बचाने का चुनाव मान रहे हैं। यह कैसा विरोधाभास है? चुनाव आयोग को गालियां भी दी जा रही हैं, फिर भी मतदान ईवीएम के जरिये ही होगा। अलबत्ता वीवीपैट पर्चियों का मिलान किया जाएगा, यह आयोग द्वारा निर्धारित व्यवस्था है ही। कांग्रेस अक्सर 45 सालों के दौरान की सर्वाधिक बेरोज़गारी और अत्यधिक महंगाई को लेकर प्रलाप करती रही है। बेशक ये विसंगतियां देश में हैं, लेकिन देश को याद रखना होगा कि कांग्रेस राज में 26 फीसदी तक महंगाई रही है, जो आज 5-6 फीसदी के करीब है। यूपीए सरकार में ही मुद्रास्फीति की दर 12-14 फीसदी तक रही थी। दोनों स्थितियों से मोदी सरकार लड़ रही है, लोगों को राहत भी दी है, करोड़ों के मुद्रा लोन भी मुहैया कराए हैं, 81 करोड़ से अधिक भारतीयों को 'मुफ्त अनाज' बांटा जा रहा है। यही कारण है कि महंगाई और बेरोज़गारी की चरम स्थितियां होने के बावजूद बार-बार जनादेश भाजपा के पक्ष में रहता है।

अब भी चुनावी हवाएं प्रधानमंत्री मोदी के ही पक्ष में हैं। कांग्रेस ने 'न्याय' के नाम पर जो आश्वासन परोसे हैं, यदि उसकी सरकार भी आती है, तो उन्हें लागू करना टेढ़ी खीर होगी। देश में किसी की भी सरकार हो, लेकिन कोई भी लोकतंत्र और संविधान से बढ़कर नहीं हो सकता। संविधान है, तो मजबूत न्यायपालिका भी है। राहुल गांधी कुछ भी कहते रहें, यह देश उन्हें गंभीरता से कब ग्रहण करेगा, उस दिन का इंतज़ार रहेगा।

कांग्रेस ने खोला वादों का पिटारा

घोषणा पत्र
उमेश चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

चुनाव घोषणा पत्र जारी करने में देश की सबसे पुरानी पार्टी बाजी मारने में कामयाब रही है। जैसा कि अक्सर होता है, चुनाव घोषणा पत्र राजनीतिक दल का भावी शासन का रोडमैप होता है। कांग्रेस ने इस रोड मैप को हाल के दिनों में अख्तियार किए दो शब्दों 'न्याय' और 'गारंटी' के इर्द-गिर्द ही केंद्रित किया है, लेकिन इस रोडमैप को मोटे तौर पर देखें तो वह कुछ मुद्दों पर अपनी पुरानी गलतियों को दुरुस्त करती दिख रही है, तो कई बार वह नेहरूवादी समाजवाद की ओर बढ़ती नजर आ रही है तो कई मुद्दों पर राहुल-प्रियंका के वामपंथी सलाहकारों का असर नजर आ रहा है।

सवाल उठते हैं

कांग्रेस इन दिनों जिस तरह न्याय और गारंटी पर जोर दे रही है, उससे कुछ सवाल जरूर उठते हैं। देश की आजादी का 77वां साल चल रहा है। इतने दिनों में पचपन साल तक उसका ही शासन रहा है। जाहिर है कि आजाद भारत के दो तिहाई हिस्से पर कांग्रेस का ही शासन रहा है। इसके बावजूद वह लोगों को न्याय दिलाने का वादा करती है, गारंटियां देने की बात करती है तो यह सवाल जरूर उठेगा कि कांग्रेस क्या अपने शासनकाल में लोगों को न्याय नहीं दे पाई या फिर वह पहले गारंटी नहीं दे पाई। जाहिर है कि जब ये सवाल उठेंगे तो कांग्रेस और उसके समर्थक जवाब में कह सकते हैं कि पार्टी का न्याय और गारंटियों का वादा भाजपा शासन काल के दौरान हुए अन्याय और अनदेखी का जवाब है, लेकिन कांग्रेस के घोषणा पत्र को गौर से देखेंगे तो पता चलेगा कि पार्टी कुछ ऐसे मुद्दों पर अपनी गलती को सुधार करती दिख रही है, जिन्हें राष्ट्रवादी राजनीति के मुद्दे माना जाता है। आर्थिक सुधार प्रक्रिया के तहत नई पेंशन योजना को स्वीकार करना और समान नागरिक संहिता को स्वीकार करना राष्ट्रवादी राजनीति के ही मुद्दे हैं, लेकिन कांग्रेस अपने घोषणा पत्र में इन दोनों अहम मुद्दों पर चुप्पी साध ली गई है। कांग्रेस के घोषणा पत्र को जारी करते हुए घोषणा पत्र समिति के प्रमुख पी चिदंबरम ने बड़े जोर देकर कहा कि कांग्रेस की सरकार बनेगी तो वह सिर्फ नौकरी, नौकरी और नौकरी ही देगी। चुनाव घोषणा पत्र में बेरोजगारी को बड़ा मुद्दा बनाते हुए सरकारी दफ्तरों और सार्वजनिक निगमों में खाली पड़े तीस लाख पदों को भरने का वादा किया गया है। पार्टी खुद ही अजीम प्रेम जी फाउंडेशन के एक सर्वे आंकड़े का हवाला देते हुए कहती है कि देश के पच्चीस साल तक की उम्र वाले युवाओं में से 42 फीसदी बेरोजगार हैं। अगर इसी आंकड़े पर भरोसा करें तो यह संख्या करोड़ों में होगी। कांग्रेस सिर्फ तीस लाख सरकारी पदों को भरने का स्पष्ट वादा तो कर रही है, लेकिन शेष युवाओं का क्या होगा, पार्टी इस पर मौन है। हां, वह तकनीकी शिक्षा ले चुके युवाओं के लिए एक साल के लिए अप्रेंटिसशिप का वादा जरूर कर रही है, जिसमें एक लाख सालाना मिलेंगे। इस रकम का आधा हिस्सा सरकारें वहन करेंगी। यूपीए एक के शासन के दौरान पार्टी ने मनरेगा की शुरूआत की थी। इसे पार्टी अपना बेहतरीन कदम मानती है। घोषणा पत्र में इसकी चर्चा नहीं होती तो आश्चर्य होता। पार्टी ने मनरेगा की मजूदरी 400 रुपये तक बढ़ाने का वादा कर रही है। इसे संयोग कहें या कुछ और कि प्रवक्ता गौरव बल्लभ और धाकड़ सांसद रहे संजय निरूपम ने पार्टी छोड़ी, उसके ठीक बाद ही कांग्रेस ने अपने महत्वाकांक्षी घोषणा पत्र को जारी किया। घोषणा पत्र एक या दो दिन में नहीं तैयार किए जाते हैं, इसलिए यह उम्मीद करना कि चुनाव घोषणा पत्र में कुछ ऐसा होगा, जिसके जरिये पार्टी अपने यहां मची भगदड़ को रोकने या उसे संबोधित करने की कोशिश करेगी। संजय निरूपम ने पार्टी छोड़ते वक्त आरोप लगाया था कि कांग्रेस इन दिनों वामपंथी विचारधारा के प्रभाव में ज्यादा है। स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के आधार पर किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य देने का वादा भी वामपंथी वैचारिकता का ही विस्तार है। जाति जनगणना की भी बात वाम वैचारिकी की ही देन है।

वाम वैचारिकी

कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में संस्थानों की स्वायत्तता पर भी एक तरह से सवाल खड़ा किया है। इसमें चुनाव आयोग और न्यायपालिका शामिल है। यह सोच भी वाम वैचारिकी की ही है। कांग्रेस ने जहां चुनाव आयोग को स्वायत्त बनाने का वादा किया है, वहीं न्यायपालिका में वंचित तबकों को बढ़ावा देने के साथ ही न्यायिक नियुक्ति आयोग बनाने का भी वादा किया है। मीडिया को भी स्वायत्त बनाने की भी बात कही गई है। माना जा रहा है कि इसके जरिये पार्टी ने मीडिया में कार्यरत लोगों के समर्थन की उम्मीद रखी है।

पांच न्याय

अब बात करते हैं, कांग्रेस के पांच न्याय की। पार्टी ने जिन न्याय की बात की है, उसमें पहला है युवा न्याय। इस गारंटी के तहत 30 लाख सरकारी नौकरियां देने और युवाओं को एक साल के लिए प्रशिक्षुता कार्यक्रम के तहत एक लाख रुपये देने का वादा शामिल है। दूसरे नंबर पर पार्टी ने हिस्सेदारी न्याय की चर्चा की है, जिसके तहत जाति जनगणना कराने की 'गारंटी' दी गई है। तीसरे नंबर पर किसान न्याय की चर्चा की गई है, जिसके तहत कांग्रेस ने न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी दर्जा देने के साथ ही किसानों की कर्ज माफी के लिए आयोग के गठन के साथ-साथ जीएसटी मुक्त खेती का वादा किया है। चौथे नंबर पर पार्टी ने श्रमिक न्याय की बात की गई है। पार्टी ने इसके तहत मजदूरों को स्वास्थ्य का अधिकार, मनरेगा की न्यूनतम मजुदरी 400 रुपये रोजाना करने के साथ ही शहरी रोजगार गारंटी का वादा किया गया है। पांचवां न्याय है नारी न्याय। इसके तहत कांग्रेस ने 'महालक्ष्मी' गारंटी देने का वादा किया है। इसमें गरीब परिवारों की महिलाओं को एक-एक लाख रुपये सालाना देने समेत कई वादे किए गए हैं। इसके साथ ही गरीब परिवार की एक महिला को सालाना एक लाख की मदद का भी ऐलान किया गया है।

घोषणा पत्र के वादे

पार्टी के घोषणा पत्र के कुछ प्रमुख वादों पर निगाह डाल लेते हैं। पार्टी ने कहा है कि अगर उसकी सरकार बनी तो वह महिलाओं को 6 हजार रुपये प्रति माह देगी। इसके साथ ही उन्हें केंद्र सरकार की नौकरियों में एक तिहाई आरक्षण देने का भी वादा किया गया है। पार्टी ने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में महिला जजों की संख्या बढ़ाने का भी वादा किया है। पार्टी अपनी हर चुनावी सभा में महंगाई का हवाला देती है। इसे ध्यान में रखते हुए पार्टी ने गैस सिलेंडर की कीमतों में कटौती का भी वादा किया है। पार्टी ने संवैधानिक न्याय और आर्थिक न्याय का भी वादा किया है। घोषणा पत्र में देश की रक्षा करने वाली विदेश नीति पर काम करने की बात की गई है। मछुआरों के लिए डीजल सब्सिडी दे के साथ ही अगले 10 वर्षों में देश की जीडीपी को दोगुना करने का लक्ष्य भी रखा गया है। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में मॉब लिंचिंग, बुलडोजर न्याय और फर्जी मुठभेड़ जैसे कदमों का विरोध किया है।

वादों पर भरोसा

हाल में हुए विधानसभा चुनावों में पार्टी ने ऐसे ही कुछ वादे किए थे, लेकिन तेलंगाना छोड़ उसे कहीं समर्थन नहीं मिल पाया। ऐसे में देखना होगा कि चुनावी रण में जनता उसके इन वादों पर कितना भरोसा कर पाती है?

तय हो राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी

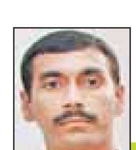

दो टूक
रवि शंकर
वरिष्ठ पत्रकार

दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश कहलाए जाने वाले भारत में लोकसभा चुनाव होने वाले हैं। इस चुनाव में अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए सभी पार्टियां अपने-अपने चुनावी वादों के साथ मैदान में उतर चुकी हैं। प्रचार के दौरान कांग्रेस, भाजपा से लेकर सभी छोटी बड़ी पार्टियों ने जनता के बीच कई वादे भी करने शुरू कर दिए हैं। लोकलुभावन घोषणा पत्र भी पार्टियों के आने लगे हैं। कांग्रेस ने भी आगामी लोकसभा चुनाव के लिए अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए अपने घोषणा पत्र में पांच 'न्याय' और 25 'गारंटी' का वादा किया है। घोषणा पत्र में कई तबकों के लिए अलग-अलग तरह की गारंटी दी गई हैं। पार्टी ने घोषणा पत्र में युवा, किसान, महिला, बुजुर्ग, कारोबारी और अन्य दूसरे वर्गों पर भी फोकस किया है। इन सभी के लिए कई तरह के वादे किए गए हैं। गौर करने वाली बात ये है कि 'न्याय' शब्द का इस्तेमाल कांग्रेस ने 2019 के घोषणा पत्र में भी किया था। पिछले चुनाव में वेलफेयर योजना के तहत कांग्रेस ने 'न्यूनतम न्याय योजना' का वादा किया था, पर इस बार के न्याय पत्र में ये वाला 'न्याय' नहीं है। कांग्रेस के घोषणा पत्र में एक और बात गौर करने लायक है। उसने कई राज्यों में ओल्ड पेंशन स्कीम को मुद्दा बनाकर चुनाव लड़ा। लंबे समय से राहुल गांधी भी ओपीएस की तरफदारी करते रहे हैं, लेकिन लोकसभा के लिए जारी हुए घोषणा पत्र में कांग्रेस ने ओपीएस का जिक्र तक नहीं किया है। खैर, ऐसे कई वादे हैं जो पिछली बार किए गए थे, लेकिन इस बार के घोषणा पत्र में नहीं हैं। कई नए वादे भी हैं जो पिछली बार से अलग हैं।

शानदार भारत

हालांकि, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पार्टी के इस घोषणा पत्र में भविष्य के शानदार भारत की तस्वीर नजर आती है। वहीं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी का घोषणा पत्र जनता की आवाज है। ये घोषणा पत्र कांग्रेस पार्टी ने नहीं बनाया, ये घोषणा पत्र हिंदुस्तान की जनता ने बनाया है। हमने सिर्फ इसको लिखा है, तो दूसरी तरफ बीजेपी ने कांग्रेस के घोषणा पत्र को 'झूठ का पुलिंदा' करार दिया है। अहम सवाल ये नहीं है कि किसने क्या कहा। सवाल महत्वपूर्ण ये है कि कांग्रेस के इस घोषणा पत्र का आम जनता पर असर कितना होगा? क्योंकि इस घोषणा पत्र के पैग़ाम को लोगों तक पहुंचाने के लिए कांग्रेस के पास पर्याप्त कार्यकर्ता नहीं हैं। दूसरी ओर भाजपा एक काडर वाली पार्टी है। वो अपनी पार्टी की नीतियों को लोगों तक पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ती। कांग्रेस के कार्यकर्ता कितने सक्षम हैं और वो लोगों तक पार्टी के पैग़ाम को ले जा सकेंगे ये देखना होगा। इसके अलावा सबसे बड़ी चुनौती राहुल गांधी और उनकी पार्टी के लिए ये है कि क्या वो हिंदी बेल्ट में इस अच्छे मैनिफ़ेस्टो के पैग़ाम को लोगों तक पहुंचाने में सफल होंगे? कांग्रेस के लिए ये एक बड़ी चुनौती होगी, क्योंकि हिन्दी बेल्ट के किसी राज्य में कांग्रेस पार्टी की सरकार नहीं है। अपवादस्वरूप हिमाचल प्रदेश को छोड़कर।

वादे कैसे पूरा करेंगे

बहरहाल, चुनावी मौसम में इन दिनों हर जगह सभी पार्टियों के बड़े-बड़े नेता गला फाड़कर चिल्ला रहे हैं कि हम आपके लिए ये करेंगे, वो करेंगे। किसी पार्टी से सरोकार न रखने वाले हम जैसे लोगों को ये समझ नहीं आ रहा कि आखिर पार्टियां इन वादों को कैसे पूरा करेंगी। अगर हम एक बार के लिए ये मान भी लें कि राजनीतिक पार्टियों की मंशा साफ है और वह सत्ता में आने के बाद अपने वादों को पूरा करेंगी तो आखिर पैसा आएगा कहां से। ये हम जैसे लोगों के समझ से परे हैं। मेरा सिर्फ इतना मानना है कि राजनीतिक दल सोच समझ कर जनता से वादे करें। ये ठीक है कि राजनीतिक दलों को सत्ता में वापसी की कोशिश हो या सत्ता हासिल करने की कोशिश हो दोनों के लिए ही मतदाताओं को लुभाना जरूरी होता है। आजकल अधिकांश नेता यही मानकर चल रहे हैं कि लोकलुभावन घोषणाओं से लोगों को आकर्षित करो ताकि लोग उनके उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान करें, बाकी बात बाद में देखी जाएगी। ऐसा देखा गया है कि कई पार्टियां मेनिफेस्टो में बड़े-बड़े ऐलान करती हैं, लेकिन सत्ता में आने के बाद वो किए हुए वादों को निभाने में 100 प्रतिशत सफल नहीं हो पाती। आम लोगों का मानना है कि पार्टियां वादे करते समय इस बात का ध्यान नहीं रख रहीं कि वे कैसे उन वादों को पूरा करेंगी, उनकी कोशिश सिर्फ यही रहती है कि हमारे वादे दूसरी पार्टियों के मुकाबले ज्यादा आकर्षक हों। यही कारण है कि सारी पार्टियां किसानों की कर्ज माफी से लेकर बेरोजगारी भत्ते जैसे बड़े-बड़े वादे कर रही हैं। ये ठीक है कि राजनीतिक दलों को चुनावी वादे करने से रोका नहीं जा सकता है, लेकिन मतदाता को भी ये जानने का हक है कि उनसे किए गए वादे पूरे कैसे किए जाएंगे। उन वादों को पूरा करने के लिए फंड कहां से आएगा।

महत्वपूर्ण प्रश्न

चुनावी घोषणा पत्र के वादों को पूरा करने के लिए पार्टियों को धन कहां से आएगा, यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न है। चुनावी घोषणा पत्र और पार्टियों को उसमें दिए वादों को पूरा करने का मामला एक से ज्यादा बार अदालत पहुंचा है। साल 2015 में सुप्रीम कोर्ट में इसी मामले पर वकील मिथिलेश कुमार पांडे ने जनहित याचिका दायर की थी। हालांकि याचिका को मुख्य न्यायाधीश एचएल दत्तू और न्यायमूर्ति अमिताव रॉय की पीठ ने यह कहकर खारिज कर दिया कि क्या कानून में कोई प्रावधान है जो घोषणा पत्र में किए गए वादों को किसी राजनीतिक दल के खिलाफ लागू करने योग्य बनाता है? इसका निष्कर्ष ये था कि चुनावी घोषणा पत्र में किए गए वादों को पूरा करने के लिए पार्टी कानूनी रूप से बाध्य नहीं है। खैर, मेरा मानना है कि जनता को लुभाने और चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा झूठी घोषणाएं करना बेहद गंभीर विषय है, जिस पर व्यापक चर्चा करना जरूरी है। कुछ राजनीतिक दलों ने झूठे वादों से जनादेश चोरी करने की महारत भी हासिल कर ली है। इसलिए अब समय आ गया है कि चुनावी वादों के साथ-साथ देश व प्रदेश का बजटीय आकलन भी घोषणा पत्र में प्रकाशित होना चाहिए, ताकि देश व प्रदेश के हर लाभार्थी व प्रबुद्ध नागरिक झूठी घोषणाओं और वादों के झांसे में आने से बच सकें।

सोशल मीडिया के समय में महाद्वीप पर पहुंचेंगे पत्र

अंटार्कटिका में डाक विभाग खोलेगा दूसरी शाखा, भारतीय पिन कोड होगा एमएच-1718 के नाम से भेज सकेंगे पत्र

एजेंसी, नई दिल्ली। लगभग चार दशक बाद अंटार्कटिका के लिए आने वाले पत्रों में अब एक नया पिन कोड एमएच-1718 होगा। डाक विभाग अंटार्कटिका में भारती अनुसंधान स्टेशन पर डाकघर की दूसरी शाखा खोलेगा। अधिकारियों ने कहा कि वर्तमान में दिया गया कोड प्रयोगात्मक है, जो एक नई शाखा शुरू होने का मानक है।

एनसीपीओआर को भेजे जाते हैं पत्र

अंटार्कटिका पर भारत के दो अनुसंधान अड्डे-मैत्री और भारती दोनों 3,000 किमी दूर स्थित हैं। ये दोनों शाखाएं विशेष रूप से गोवा पोस्टल डिविजन का हिस्सा हैं। डाक विभाग के एक अधिकारी ने कहा, "आम तौर पर अंटार्कटिका में डाकघर के लिए आने वाले पत्र गोवा में भारत के ध्रुवीय अभियानों के लिए नोडल एजेंसी राष्ट्रीय ध्रुवीय और महासागर अनुसंधान केंद्र (एनसीपीओआर) को भेजे जाते हैं। जब महाद्वीप के लिए एक वैज्ञानिक अभियान एनसीपीओआर से रवाना होता है, तो आमतौर पर एक शोधकर्ता को पत्रों की खेप ले जाने का काम सौंपा जाता है। अनुसंधान केंद्र पर पत्रों को 'रद्द' कर दिया जाता है, वापस लाया जाता है और डाक के माध्यम से वापस कर दिया जाता है।'

1984 में पहला डाकघर किया था स्थापित

1984 में अंटार्कटिका पर भारत की पहली चढ़ाई के तुरंत बाद बर्फीले महाद्वीप पर इसका पहला डाकघर दाक्षी गंगोत्री में स्थापित किया गया था। यह वहां देश का पहला वैज्ञानिक बेस था। एक साल के अंदर इस ऐतिहासिक डाकघर में लगभग 10,000 पत्र और मेल पोस्ट किए गए और 'रद्द' किए गए।

अंटार्कटिका केवल वैज्ञानिक खोजे के लिए है

एनसीपीओआर के पूर्व वैज्ञानिक एम सुधाकर ने कहा कि अंटार्कटिका पर अटलांटिक संधि लागू है, जो किसी भी देश के क्षेत्रीय दावों को अलग रखता है और सैन्य गतिविधि या परमाणु परीक्षण पर प्रतिबंध लगाता है और तय करता है कि महाद्वीप का उपयोग केवल वैज्ञानिक अन्वेषण के लिए किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आम तौर पर, एक भारतीय डाकघर केवल भारतीय भूमि के अधिकार क्षेत्र में ही हो सकता है। अंटार्कटिका एक ऐसी भूमि पर भारतीय डाकघर खोलने का अनूठा अवसर देता है जो विदेशी है और हमारी नहीं है। इसलिए यह महाद्वीप पर मौजूदगी का दावा करने के बारे में एक रणनीतिक उद्देश्य पूरा करता है।

छाप एकत्र करने का दुर्लभ अवसर

अंटार्कटिका में भारत की डाकघर शाखाओं में अधिकतर पत्र डाक टिकट संग्रह के शौकीनों और संग्रहकर्ताओं द्वारा भेजी जाती है। गोवा क्षेत्र के डाक सेवा निदेशक आरपी पाटिल ने कहा कि डाक टिकटों के संग्रहकर्ता इसे दूरस्थ डाकघर स्थान से टिकट की 'छाप' एकत्र करने के एक दुर्लभ अवसर के रूप में देखते हैं। डाक टिकट संग्रहकर्ताओं की ओर से पत्रों को रद्द करने की हमेशा उच्च मांग रहती है। एनसीपीओआर गोवा के निदेशक डॉ. थंबन मेलोथ ने कहा कि अंटार्कटिका जाने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए डाक टिकट प्राप्त करना एक अनुभव है।

वैज्ञानिक अपने परिवारों को पत्र भेजें

इस अवसर पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ते हुए मुख्य पोस्टमास्टर जनरल महाराष्ट्र सर्कल केके शर्मा ने अंटार्कटिका में वैज्ञानिकों से अपील की कि वे अपने परिवारों और दोस्तों को पत्र पोस्ट करना जारी रखें। शर्मा ने कहा कि इन डाकघरों (दूरस्थ स्थानों में) को लेकर हमेशा बहुत उत्साह रहता है। आजकल व्हाट्सएप और ट्विटर ने इस सब (तकनीक) पर कब्जा कर लिया है। लेकिन लिखित शब्द को कोई हरा नहीं सकता। खासकर जब आप अपने परिवार से इतनी दूर बैठे हों। मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि कृपया इस शानदार अवसर का उपयोग करें, और अपने प्रियजनों को पत्र लिखें। आप यादें बना सकते हैं और वे भौतिक रूप में आपके साथ रहेंगी।

खबर संक्षेप

भारत-सिंगापुर के बीच व्यापार 35.6 अरब डॉलर

सिंगापुर। सिंगापुर और भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2022-23 में बढ़कर 35.6 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, जो सालाना आधार पर 18.2 प्रतिशत अधिक है। भारतीय उच्चायोग में प्रथम सचिव (वाणिज्य) टी प्रभाकर ने कहा कि सिंगापुर भारत का आठवां सबसे बड़ा व्यापार भागीदार (2022-23) है, जिसकी भारत के कुल व्यापार में 3.1 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

मालदीव ने भारत का आभार जताया

माले। भारत के मालदीव को आवश्यक वस्तुओं के निर्यात की अनुमति देने पर मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर ने आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह फैसला दीर्घकालिक द्विपक्षीय मित्रता और व्यापार एवं वाणिज्य को बढ़ाने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। भारत ने मालदीव को अंडे, आलू, प्याज, चावल, आटा, चीनी, दाल जैसी वस्तुओं के निर्यात को अनुमति दी है।

अमेरिका के ओहायो में भारतीय छात्र की मौत

न्यूयॉर्क। अमेरिकी प्रांत ओहायो में एक भारतीय छात्र की मौत का मामला सामने आया है। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने शुक्रवार को कहा कि ओहायो के क्लीवलैंड में उमा सत्य साई गड्डे की दुर्भाग्यपूर्ण मौत की खबर से वह बहुत दुखी हैं। दूतावास ने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है और दूतावास उमा के भारत में रह रहे परिवार के संपर्क में है।

ताइवान में 5.2 तीव्रता का आया फिर से भूकंप

ताइपे। ताइवान में हाल में आए भूकंप के बाद अब भी झटके महसूस किए जा रहे हैं। इनमें से एक झटका शनिवार दोपहर से कुछ देर पहले महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता 5.2 मापी गई है। मृतकों की कुल संख्या बढ़कर 13 हो गई है। छह अन्य लोग लापता हैं। भूकंप के तीन दन बाद भी 400 से अधिक लोग फंसे हुए हैं। मीडिया में आई खबरों में यह जानकारी दी गई है।

जम्मू कश्मीर में ईडी ने चल सम्पत्ति कुर्क की

जम्मू। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जम्मू कश्मीर में 2022 के पुलिस उप-निरीक्षक घोटाले के मास्टरमाइंड यतिन यादव सहित कुछ आरोपियों से संबंधित एक करोड़ रुपए की बैंक जमा राशि कुर्क की। एजेंसी ने कहा आरोपी यतिन यादव, न्यू ग्लोबल फ्यूमिगेशन कॉर्पोरेशन और उसके सहयोगी लोकेश कुमार से जुड़ी बैंक में जमा संपत्ति कुर्क की है।

ब्रिटिश अखबार गार्जियन की रिपोर्ट पर विदेश मंत्रालय का पलटवार

भारत सरकार की नीति नहीं हैं 'टारगेट किलिंग', यह झूठा और दुर्भावनापूर्ण

भारतीय विदेश मंत्रालय ने विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के हवाले से ब्रिटेन के दैनिक 'द गार्जियन' की एक रिपोर्ट में कही गई उन बातों को खारिज किया है जिसमें भारत पर आतंकवादियों को खत्म करने के लिए पाकिस्तान में टारगेट किलिंग करने का आरोप लगाया गया है।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय ने ब्रिटेन के दैनिक 'द गार्जियन' की एक रिपोर्ट में कही गई उन बातों को खारिज किया है जिसमें भारत पर आतंकवादियों को खत्म करने के लिए पाकिस्तान में टारगेट किलिंग करने का आरोप लगाया गया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इसे "झूठा और दुर्भावनापूर्ण भारत विरोधी प्रचार" कहा है। उसने विदेश मंत्री एस. जयशंकर के कथन का हवाला दिया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि 'अन्य देशों में लक्षित हत्याएं" भारत सरकार की नीति नहीं है।'

विदेश मंत्रालय के इनकार का जिक्र द गार्जियन की रिपोर्ट में किया गया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दिल्ली ने उन लोगों को निशाना बनाने की नीति लागू की है जिन्हें वह भारत के प्रति शत्रुतापूर्ण मानता है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 2019 के पुलवामा हमले के बाद से भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ द्वारा करीब 20 इस तरह की हत्याएं की गईं। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि यह पाकिस्तान द्वारा दिए गए सबूतों और सीमा के दोनों ओर के खुफिया अधिकारियों के इंटरव्यू पर आधारित है।

भारत को परेशान करने वालों को मुंहतोड़ जवाब देंगे

खास बातें

- भारत में आतंकी गतिविधियां करने वालों को नहीं छोड़ेंगे
- आतंकवाद से निपटने के लिए भारत दुनिया का नेतृत्व करने में सक्षम

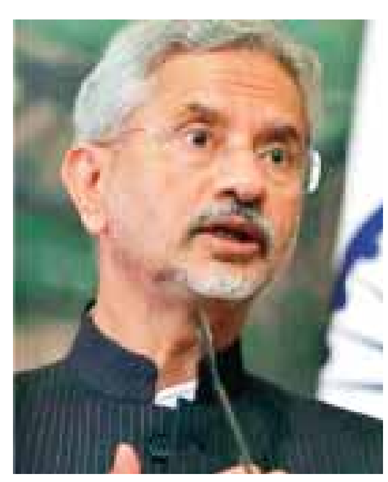

आतंकवाद दुनिया के लिए बड़ी चुनौतीः योगी

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक चुनाव रैली में ब्रिटेन के एक अखबार की एक रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा कि आतंकवाद दुनिया के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है और केवल भारत ही इस खतरे से निपटने में दुनिया का नेतृत्व कर सकता है। योगी आदित्यनाथ ने यह टिप्पणी सहारनपुर में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए की।

भारत मूकदर्शक बनकर नहीं रहेगा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि कोई भी आतंकी हमारे पड़ोसी देश से यदि हमारे भारत को परेशान करने की कोशिश करेगा, यहां पर आतंकवादी हरकतें करेगा, तो उसका मुंहतोड़ जवाब देंगे। भारत अब मूकदर्शक नहीं रहेगा। राजनाथ बोले प्रधानमंत्री ने जो भी कहा है वह बिल्कुल सच है। भारत के पास वह ताकत है, और पाकिस्तान को भी इसका एहसास होने लगा है।

भारत ने किसी पर हमला नहीं किया

राजनाथ सिंह ने कहा कि इतिहास उठाकर देख लीजिए। हमने आज तक दुनिया के किसी भी देश पर हमला नहीं किया और न ही किसी देश की एक इंच जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की। यही भारत की प्रकृति रही है। लेकिन अगर कोई भारत पर बार-बार आंखें दिखाता है, भारत आकर आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने की कोशिश करता है, तो हम उन्हें नहीं छोड़ेंगे।

20 हत्याओं को दिया अंजाम

दरअसल, दि गार्जियन की रिपोर्ट में कहा गया कि, 2019 के पुलवामा हमले के बाद से भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ ने 20 हत्याओं की वारदातों को अंजाम दिया। बताया गया कि पाकिस्तान द्वारा दिए गए सबूतों और सीमा के दोनों ओर के खुफिया अधिकारियों के इंटरव्यू पर ही ये रिपोर्ट आधारित है। द गार्जियन की रिपोर्ट में ये भी जिक्र है कि भारत ने उन लोगों को निशाना बनाने की नीति लागू की जिन्हें वह भारत के प्रति शत्रुतापूर्ण मानता है।

पाक ने लगाए इल्जाम

द गार्जियन ने कहा है कि पाकिस्तानी अधिकारियों ने कुछ हत्याओं के बारे में दस्तावेज पेश किए हैं, जिन्हें स्वतंत्र रूप से सत्यापित नहीं किया जा सका है। इसमें कहा गया है कि पाकिस्तानी अधिकारियों ने यह भी दावा किया कि हत्याएं संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में स्थापित भारतीय खुफिया विभाग के स्लीपर सेल द्वारा की गई थीं। हालांकि रॉ के एक पूर्व सीनियर अधिकारी ने इस दावे का खंडन किया है।

भारत समेत 42 देशों ने दिया समर्थन

फिलिस्तीनी लोगों के 'मूलभूत अधिकार' की मांग के पक्ष में किया मतदान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जिनेवा स्थित संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद ने 'फिलिस्तीनी लोगों के आत्म-निर्णय के अधिकार' पर मसौदा प्रस्ताव पारित किया जिसमें भारत समेत 42 सदस्य देशों ने उसके पक्ष में मतदान किया। परिषद के 47 सदस्यों में से दो देशों अमेरिका और पराग्वे ने प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया जबकि अल्बानिया, अर्जेंटीना और कैमरून मतदान से दूर रहे। प्रस्ताव में 'स्वतंत्रता, न्याय और सम्मान से रहने के फिलिस्तीनी लोगों के अधिकार और स्वतंत्र फिलिस्तीन देश के अधिकार समेत उनके आत्म-निर्णय के अपरिहार्य, स्थायी और पूर्ण अधिकारों' की पुष्टि की गई है।

इसमें संयुक्त राष्ट्र के सभी प्रासंगिक प्रस्तावों समेत अंतर्राष्ट्रीय कानून और अन्य अंतर्राष्ट्रीय रूप से स्वीकार्य मानकों के अनुसार इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष के उचित, व्यापक और स्थायी शांतिपूर्ण समाधान की आवश्यकता पर बल दिया गया है।

द्वि-राष्ट्र समाधान का समर्थन किया

प्रस्ताव में फिलिस्तीन और इजराइल के शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से रहने के द्वि-राष्ट्र समाधान का भी समर्थन किया गया है जबकि एक दूसरे प्रस्ताव में गाजा में तत्काल युद्धविराम और इजराइल गाजा पट्टी से नाकाबंदी हटाने पर मतदान से कई देश अनुपस्थित रहे। संयुक्त राष्ट्र के मनवाधिकार परिषद द्वारा 'पूर्वी यरूशलम सहित अधिकृत फिलिस्तीनी क्षेत्र में मानवाधिकार की स्थिति और जवाबदेही एवं न्याय सुनिश्चित करने के दायित्व' पर मसौदा प्रस्ताव को स्वीकार किया गया, जिसके पक्ष में 28 मत पड़े। इसके खिलाफ 6 मत पड़े और 13 देशों ने मतदान में भाग नहीं लिया।

तत्काल युद्ध विराम से बनाई दूरी

वहीं, दूसरी ओर भारत संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में उस प्रस्ताव से दूरी बना ली जिसमें गाजा में तत्काल युद्धविराम का आह्वान किया गया और यह भी मांग की गई कि इजराइल गाजा पट्टी से अपनी अवैध नाकाबंदी तुरंत हटा ले। भारत, फ्रांस, जापान, नीदरलैंड और रोमानिया सहित 13 देश प्रस्ताव पर मतदान के दौरान अनुपस्थित रहे। प्रस्ताव के खिलाफ मतदान करने वालों में अर्जेंटीना, बुल्गारिया, जर्मनी और अमेरिका शामिल हैं। प्रस्ताव के पक्ष में मतदान करने वाले देशों में बांग्लादेश, बेल्जियम, ब्राजील, चीन, इंडोनेशिया, कुवैत, मलेशिया, मालदीव, कतर, दक्षिण अफ्रीका, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और वियतनाम भी शामिल हैं।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल थाईलैंड-कंबोडिया यात्रा पर

हिंदी-भारतीय संस्कृति के वैश्विक प्रचार पर हो रही गहन चर्चा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हिंदी भाषा और भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए भारत का 50 सदस्यी प्रतिनिधिमंडल इन दिनों थाईलैंड और कंबोडिया की यात्रा पर है। बता दें कि यह यात्रा 2 से 8 अप्रैल, 2014 तक रहेगी। इस कड़ी में, बैंकॉक के सोई 23, सुखुमवित स्थित भारतीय दूतावास में राजदूत नागेश सिंह द्वारा राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ नेता इंद्रेश कुमार, विश्व हिन्दी परिषद महासचिव डॉ. विपिन कुमार और प्रतिनिधिमंडल के लिए चाय की मेजबानी की गई।

पीएम नरेंद्र मोदी के प्रयासों को सराहा

इस 50 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व संघ के वरिष्ठ प्रचारक माननीय इंद्रेश कर रहे हैं और पूरे प्रतिनिधिमंडल का समन्वय पंचमधाम के सचिव शैलेश वत्स द्वारा किया जा रहा है। सभी गणमान्यों के बीच, हिंदी और भारतीय संस्कृति के वैश्विक प्रचार-प्रसार को लेकर चर्चा हुई।

कनाडा में चुनाव हस्तक्षेप का मामला

दूसरे देशों में हस्तक्षेप करना भारत की नीति नहीं

एजेंसी ▶▶ ओटावा

कनाडाई सुरक्षा खुफिया सेवा (सीएसआईएस) के आरोपों को भारत ने सिरे ने खारिज कर दिया है। मुख्य मुद्दा यह है कि नई दिल्ली के आंतरिक मामलों में ओटावा का हस्तक्षेप कर रहा है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल कहा था कि हमने कनाडाई आयोग की जांच के बारे में मीडिया रिपोर्टें देखी हैं। हम कनाडा के चुनावों में भारतीय हस्तक्षेप के सभी निराधार आरोपों को दृढ़ता से खारिज करते हैं।

कनाडाई खुफिया विभाग लगाए यह आरोप

सीएसआईएस ने दस्तावेजों में आरोप लगाया कि 2021 में, कनाडा में भारत सरकार का एक सरकारी प्रॉक्सी एजेंट था, जिसका चुनावों में हस्तक्षेप करने का इरादा था। 2009 में कनाडा में पाकिस्तान सरकार के अधिकारियों ने कनाडाई संघीय राजनीति को गुप्त रूप से प्रभावित करने का प्रयास किया, जिससे कनाडा में पाकिस्तानी सरकार के हितों को आगे बढ़ाया जा सके।

टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट का बड़ा खुलासा

भारत में चुनाव प्रभावित कर सकता है चीन एआई से वोटर्स को भटकाने की तैयारी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने चेतावनी दी है कि चीन भारत में होने वाले लोकसभा चुनाव में रुकावट डालने की कोशिश करेगा। चीन ने ऐसा ही कुछ जनवरी में ताइवान में हुए चुनाव में भी किया था। माइक्रोसॉफ्ट की थ्रेट इंटेलिजेंस टीम ने कहा कि चीन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए वोटरों का पॉलिटिकल पार्टियों की तरफ झुकाव बदलने या उन्हें भटकाने करने की कोशिश करेगा।

वह सोशल मीडिया पर ऐसा कंटेंट पोस्ट करेगा, जिससे चुनावों के दौरान जनता की राय चीन के पक्ष में हो सके। बॉर्डर विवाद के चलते भारत में पड़ोसी देश के तौर पर चीन की छवि अच्छी नहीं है। चीन पोस्ट के जरिए छवि बदलने की कोशिश करेगा।

चीन समर्थित साइबर ग्रुप्स निशाना बना रहे

63 देशों में संसदीय-राष्ट्रपति चुनाव,

2024 दुनिया के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे अहम साल साबित होने जा रहा है। इस साल 63 देशों (और यूरोपीय यूनियन) में राष्ट्रपति और संसदीय चुनाव होंगे। दुनिया की कुल आबादी का 49% हिस्सा वोटिंग राइट्स का इस्तेमाल करेगा। चीन अपने हितों को फायदा पहुंचाने के लिए एआई प्रयोग करेगा।

माइक्रोसॉफ्ट थ्रेट इंटेलिजेंस टीम के मुताबिक, चीन समर्थित साइबर ग्रुप्स नॉर्थ कोरिया के साथ मिलकर 2024 में होने वाले कई देशों के चुनावों को निशाना बनाने वाले हैं। चीन यही हथकंडा अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में भी इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहा है।

दुनियाभर में मनाया जा रहा है 74वां विश्व स्वास्थ्य दिवस

'मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार' थीम को लेकर जागरूक करेंगे

200 करोड़ लोग विनाशकारी अथवा खराब स्वास्थ्य देखभाल लागत का सामना कर रहे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा प्रतिवर्ष 07 अप्रैल को एक खास थीम के साथ 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस को मनाए जाने का प्रमुख उद्देश्य विश्व में प्रत्येक व्यक्ति को बीमारियों के प्रति और स्वास्थ्य को लेकर जागरूक करना है। पूरी दुनिया इस साल 'मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार' थीम के साथ 74वां विश्व स्वास्थ्य दिवस मना रही है।

यदि पिछले कुछ वर्षों की स्वास्थ्य दिवस की थीम पर नजर डालें तो 2023 का विषय था 'सभी के लिए स्वास्थ्य', 2022 में यह दिवस 'हमारा ग्रह, हमारा स्वास्थ्य', 2021 में 'सभी के लिए एक निष्पक्ष, स्वस्थ दुनिया का निर्माण', 2020 में 'नर्सों और दाइयों का समर्थन करें' तथा 2019 में 'सार्वभौमिक स्वास्थ्यः हर कोई, हर जगह' विषय के साथ मनाया गया था।

खास बातें

- हृदय रोग, मधुमेह, क्षय रोग, मोटापा, तनाव जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी तेजी से बढ़ी

सेहत को बढ़ावा देना जरूरी

विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाए जाने की शुरुआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 07 अप्रैल 1950 से शुरू किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई। दरअसल उस समय लोगों की सेहत को बढ़ावा देने और उन्हें गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से दुनिया के कई देशों ने मिलकर दुनियाभर में ठोस कार्य करने की जरूरत पर बल दिया और आखिरकार विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव रखने के दो वर्ष बाद 1950 में पहली बार 07 अप्रैल को यह दिवस मनाया गया।

दुनियाभर में बढ़ रही है गैर-संचारी स्वास्थ्य

चिंता की स्थिति यह है कि पिछले कुछ दशकों में एक ओर जहां स्वास्थ्य क्षेत्र ने काफी प्रगति की है, वहीं कुछ वर्षों के भीतर एड्स, कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों के साथ हृदय रोग, मधुमेह, क्षय रोग, मोटापा, तनाव जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी तेजी से बढ़ी हैं।

दुनिया के 30 प्रतिशत आबादी के पास नहीं है

यह बेहद चिंता का विषय है कि दुनिया की करीब 30 प्रतिशत आबादी के पास बुनियादी स्वास्थ्य उपचार तक पहुंच नहीं है और करीब 200 करोड़ लोग विनाशकारी अथवा खराब स्वास्थ्य देखभाल लागत का सामना कर रहे हैं, जिसमें काफी असमानताएं हैं।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बताया

गैरकानूनी काम में फंसाए गए 17 भारतीय लौट रहे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि लाओस में धोखे से गैरकानूनी काम में फंसाए गए 17 भारतीय कामगारों को स्वदेश वापस लाया जा रहा है। विदेश मंत्री ने इस मामले में मदद के लिए लाओस में भारतीय दूतावास की सराहना की।

जयशंकर ने 'एक्स' पर कहा है मोदी की गारंटी सभी के लिए देश-विदेश में हर कहीं काम करती है। लाओस में धोखे में रखकर गैरकानूनी और खतरनाक काम में फंसाए गए 17 भारतीय कामगार स्वदेश लौट रहे हैं।

मानव तस्करी के प्रति किया आगाह

विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को भारतीय नागरिकों को कंबोडिया में आकर्षक नौकरी के अवसरों का वादा करने वाले मानव तस्करों का शिकार बनने के प्रति आगाह किया था। मंत्रालय ने एक परामर्श जारी कर दक्षिण-पूर्व एशियाई देश में नौकरी के अवसर तलाश रहे भारतीयों से भावी नियोक्ता की पृष्ठभूमि की अच्छी तरह से जांच करने का आह्वान किया था।

हेल्दी रहने के लिए अच्छा पौष्टिक भोजन, व्यायाम और आसन करना तो जरूरी है ही, साथ ही मन से आनंदित रहना भी जरूरी है, तभी आप स्वस्थ, खुश और संतुष्ट रह सकते हैं। मन से आनंदित रहने के लिए आपको अपनी जीवनशैली में दस फंडों को अपनाना होगा। आज विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर हम आपको बता रहे हैं, इन्हीं दस फंडों के बारे में।

विश्व स्वास्थ्य दिवस आज

जिंदगी के मकान में जरूर हों ये 10 कमरे

जीवनशैली
शिखर चंद जैन

हम में से अधिकतर लोग सोचते हैं कि भरपूर धन-दौलत से ही आसानी से जिंदगी में स्वस्थ रह सकते हैं, खुशी महसूस कर सकते हैं। लेकिन ऐसा पूरी तरह सच नहीं है। दर्जनों प्रेरक पुस्तकें लिखने वाले विद्वान लेखक डॉ. फ्रैंक क्रेन ने अच्छी सेहत और खुशहाल जिंदगी पाने के अचूक नुस्खे एक लेख में बताए हैं। यह लेख 'द अमेरिकन मैगजीन' में करीब सौ साल पहले (1920 के आस-पास) छपा था। इस लेख में उन्होंने स्वास्थ्य से संबंधित कई अनमोल सूत्र बताए हैं।

कला से लगाव : यह दुनिया खूबसूरत चीजों से भरी हुई है। लेकिन उस खूबसूरती का लुत्फ उठाना आप तभी सीख पाएंगे, जब आपको कला की समझ होगी। इसलिए कला से लगाव बढ़ाएं। जब आप कला की कद्र करने लगेंगे तो आपको इससे ऐसी खुशी मिलने लगेगी, जैसी भूख लगने पर स्वादिष्ट भोजन प्राप्त होने पर मिलती है। चित्रकला हो, काष्ठकला या मूर्तिकला जिसमें आपका मन रमे, उसमें कुछ समय जरूर दें।

साहित्य से प्रेम : जिसे साहित्य पढ़ने में रुचि होती है, उसे इसमें ढेर सारी खुशी और ज्ञान प्राप्त होता है। इसमें रुचि लेने से वैचारिक स्तर पर आप समृद्ध होते जाएंगे। साहित्य से प्रेम करेंगे, तो आपको जीवन से प्रेम होने लगेगा और ताजगी महसूस करने लगेंगे।

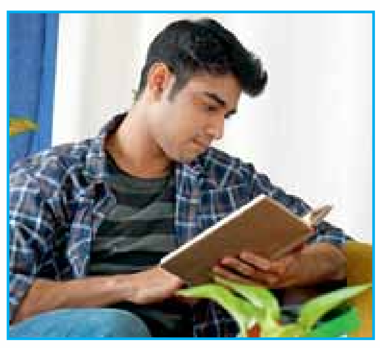

संगीत का आनंद : डॉ. फ्रैंक के अनुसार जिसे संगीत से प्यार नहीं, वो दुनिया का सबसे गरीब आदमी कहा जा सकता है। जिंदगी में सुर और ताल बनाए रखने के लिए संगीत में रुचि बहुत कारगर साबित होती है। यकीन करें, अगर आप अपनी आत्मा को संगीत से सींचेंगे तो आपको आलौकिक आनंद महसूस होने लगेगा।

घुमक्कड़ी का शौक : शहरों में रहने वाले अधिकतर लोग दिन हो या रात चारदीवारी में ही घिरे रहते हैं। अधिकांश समय खुली, ताजा हवा में सांस नहीं ले पाते। स्वस्थ रहना है तो खुला आसमान, हरियाली भरे जंगल, जीवंतता के प्रतीक झरने आदि का आनंद उठाना सीखें। कभी खुले आसमान के नीचे लेट कर आकाश के तारे निहारें, हरी दूब पर लेटें, ताजा हवा के झोकों में खुद को खुला छोड़ दें, पहाड़ों की गोद में यूं ही घूमने चले जाएं, फिर देखिए कैसी खुशी मिलती है!

संवेदनशील मन: संवेदनशील बनना भी स्वस्थ रहने के लिए बहुत कारगर है। हृदय के दरवाजे हमेशा खोल कर रखें। दूसरों के सुख-दुख को महसूस करें और उनमें शरीक हों। स्नेह, प्यार, मित्रता, रिश्ते आदि सुख और खुशी देते हैं। इससे मन में सकारात्मकता बढ़ती है, जो स्वस्थ रहने में बहुत मददगार होती है।

बच्चों से जुड़ाव : अपने जीवन को सेहतमंद और खुशहाल बनाने के लिए बच्चों से जुड़ना भी बहुत प्रभावी होता है। बच्चे जिंदगी के मकान का बेहद अहम हिस्सा होते हैं। इनसे जुड़ेंगे तो आप रोजमर्रा के अपने दुख-दर्द भूल जाएंगे।

खेलकूद में रुचि : क्या आप अखबार में आने वाले स्पोर्ट्स पेज को पढ़ते हैं? चेस, टेनिस, क्रिकेट कोई भी खेल खेलते हैं? अगर नहीं तो आपको पता होना चाहिए कि जो लोग खेलकूद पसंद नहीं करते, वे स्वास्थ्य और खुशी की दृष्टि से दुनिया के गरीब लोगों में शुमार होते हैं। अगर आप खेलते हैं या खेलकूद की गतिविधियों में दिलचस्पी रखते हैं, तो आप जीवन के कठिन दौर में भी खुश रहने की कला सीख लेंगे।

आनंद की अनुभूति : अपनी दिनचर्या की छोटी-छोटी चीजों में आनंद ढूंढने की आदत आपको बहुत खुश और स्वस्थ बना सकती है। अपने बिस्तर की नरमी, भोजन का स्वाद और सुगंध, कपड़ों के रंग और डिजाइन, नंगे पांव मिट्टी पर चलने, ऑफिस की चाय, घर से दफ्तर तक का सफर, स्नान से मिलने वाली ऊर्जा और शांति आदि सब में आनंद के पल ढूंढे जा सकते हैं। शुरुआत में भले कुछ असहज लगे लेकिन कुछ समय बाद आप जीवन के हर पल में आनंद महसूस करने लगेंगे।

ईश्वर में आस्था : अध्यात्म और ईश्वरीय शक्ति में आस्था सचमुच सुकून और राहत देती है। ईश्वर में आस्था आपको सकारात्मकता और ऊर्जा से भर देती है। जो लोग प्रार्थना, अध्यात्म, सुपर नेचुरल पावर आदि की ताकत महसूस करते हुए भी खुद को बुद्धिजीवी करार देने के लिए इनसे दूर रहते हैं, वे सचमुच जीवन के आनंद से महरूम रहते हैं।

अपने काम से प्यार : हम सब को जीविका के लिए कोई न कोई काम करना पड़ता है। लेकिन हममें से ज्यादातर काम को बोझ समझते हैं। जरा सोचकर देखिए कि अगर आप काम में व्यस्त नहीं रहते, हर रोज संघर्ष न करते, मन में कोई लक्ष्य न होता, किसी से कोई आशा न होती तो आपकी जिंदगी कितनी रीती और सूनी होती? यकीन नहीं होता, तो दो-तीन दिन बिना कुछ किए घर में पड़े रहकर देखें, कितना उदास और बीमार महसूस करने लगेंगे, इसलिए प्रोफेशन का आनंद उठाएं। इसे एंज्वॉय करेंगे तो कभी भी वर्क प्रेशर महसूस नहीं होगा और आप स्ट्रेस, टेंशन, एंग्जाइटी से मुक्त रहते हुए स्वस्थ जीवन जिएंगे। *

मेडिकल केयर से अधिक लाभकारी है सेल्फ केयर

यह सही है कि बीमार होने पर हमें मेडिकल केयर की जरूरत पड़ती है। लेकिन सवाल है कि हम बीमार ही क्यों पड़ते हैं? अगर हम अपनी जीवनशैली के साथ आहार में समुचित बदलाव कर लें और सेल्फ केयर करें तो मेडिकल केयर की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

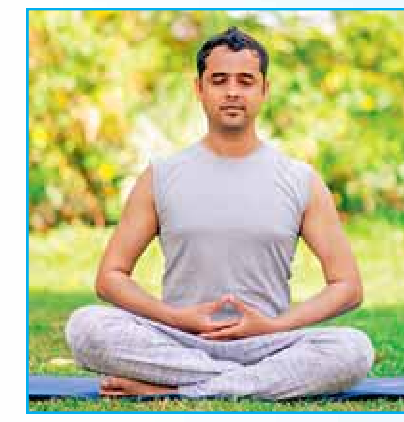

आत्मप्रेरणा / राजयोगी बीके निकुंज

भगवान गौतम बुद्ध की उक्ति है-स्वास्थ्य सबसे बड़ा उपहार है, संतोष सबसे बड़ा धन है, वफादारी सबसे बड़ा संबंध है। इसी से समझा जा सकता है कि अच्छे स्वास्थ्य का हम सभी के जीवन में कितना महत्व होता है? जिसका शरीर स्वस्थ है, वही स्वस्थ कार्य कर सकता है। इसीलिए तो हम हमेशा अपने प्रियजनों के लिए खुशी और स्वास्थ्य की कामना रखते हैं, क्योंकि कोई भी व्यक्ति बीमार होकर अपनी मेहनत की कमाई को डॉक्टर और दवाइयों पर जाया करना नहीं चाहता। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार मनुष्य वास्तविक रूप से तभी स्वस्थ कहलाता है, जब वह स्वयं को मानसिक, भौतिक, भावात्मक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक स्तर पर स्वस्थ अनुभव करे। दुर्भाग्य से आज के आधुनिक जगत की इस भाग-दौड़ भरी जिंदगी में लोगों के पास पर्याप्त समय ही नहीं होता कि वे अपने स्वास्थ्य की जांच समय-समय पर कराते रहें। इसलिए कुछ लोग स्वस्थ दिनचर्या को अपनाकर रोगों से दूर रहने की कोशिश करते हैं, किंतु उनका यह प्रयास अनेक प्रकार के सामाजिक दबाव के कारण उतना सफल नहीं हो पाता है, अंततोगत्वा निराश होकर वे अस्वस्थ जीवनशैली को अपना लेते हैं। हम यह अकसर भूल जाते हैं कि मां प्रकृति ने हमें, हमारे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक सब कुछ प्रदान किया है। जरूरत है एक स्वस्थ और सकारात्मक जीवनशैली को अपनाने की।

दवाओं पर कम करें निर्भरता: आज, दवा की गोलियां, कैप्सूल अधिकतर लोगों के जीवन का हिस्सा बन गए हैं। इसकी वजह यह है कि समय की कमी और व्यस्त जीवनशैली के कारण हम हमेशा स्वयं की देखभाल यानी कि 'सेल्फ केयर' की तुलना में चिकित्सा यानी कि 'मेडिकल केयर' को अधिक पसंद करते हैं। हम जंक फूड, जरूरत से ज्यादा खाना, व्यायाम और उचित आराम न करना, भावनात्मक अस्थिरता, धूम्रपान और मद्यपान जैसी अनेक गलत आदतों के जाल में इस कदर फंसे हुए हैं कि हमें इस बात का एहसास तक नहीं होता कि इन सभी आदतों का हमारे स्वास्थ्य पर खतरनाक प्रभाव पड़ रहा है। तो फिर क्यों न एक स्वस्थ जीवनशैली को अपनाया जाए? पर क्या यह इतना सरल है? जी हां! बिल्कुल सरल हैं।

जीवनशैली में करें सुधार: यदि अपने बेहतर स्वास्थ्य के लिए हम कुछ छोटे-मोटे परिवर्तन अपनी दिनचर्या में लाएं तो हम एक समग्र संतुलित स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। मसलन, जल्दी सोना और जल्दी उठना, इस आदत को यदि हम गंभीरता से अपना लें, तो प्रातःकाल से लेकर रात्रि तक हमारा दिन बहुत अच्छा बीतेगा। इसी प्रकार से सुबह को या शाम को यदि हम कुछ हल्का-फुल्का व्यायाम, जैसे कि सैर, जॉगिंग आदि को सिर्फ आधा घंटा कर लें, तो हम एक नई स्वस्थ पहल कर सकते हैं।

पौष्टिक भोजन का सेवन: पोषण विशेषज्ञों के अनुसार, आरोग्य का सबसे मुख्य भाग है, संतुलित आहार। जी हां! डाइटिंग के नाम पर अपने को भूखा रखना हानिकारक सिद्ध हो सकता है, इसके बजाय अपनी भोजन शैली में व्यावहरिक परिवर्तन कर सारे पौष्टिक तत्वों से भरपूर भोजन लेने के नियम का पालन करना और यदा-कदा रूप में कुछ भी खा लेने की आदत से बचना ज्यादा हितकारक है।

ध्यान का सकारात्मक प्रभाव: पिछले कुछ वर्षों में किए गए चिकित्सा अनुसंधानों के द्वारा यह तथ्य सामने आया है कि 'अध्यात्म', मानव चरित्र का एक ऐसा महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो उसके भावनात्मक पक्ष को प्रभावित करता है, अतः उसकी उपेक्षा करना नुकसानकारक सिद्ध हो सकता है। इसीलिए विश्व भर के चिकित्सक आज दवाई के साथ-साथ अपने मरीजों को ध्यान (मेडिटेशन) करने की राय देते हैं, क्योंकि उनका यह स्पष्ट मानना है कि ध्यान के द्वारा मनुष्य अपने दिन-प्रतिदिन की नकारात्मकता से दूर रह सकता है और वह उनके शारीरिक स्वास्थ्य के बेहतरी में भी सहायक होगा। याद रहे! अपनी केयर खुद करें ताकि मेडिकल केयर से बचे रहें। *

पर्व-संस्कृति / डॉ. घनश्याम बादल

आगामी मंगलवार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से नवरात्र और नवसंवत्सर का शुभारंभ हो रहा है। इस तिथि का जितना प्राकृतिक, ज्योतिषीय और धार्मिक महत्व है, उतना ही सांस्कृतिक महत्व भी है। इससे जुड़ी पौराणिक-सांस्कृतिक महत्ता पर एक दृष्टि।

नवसंवत्सर 2081 नवारंभ का सांस्कृतिक उत्सव

हिंदू कैलेंडर के अनुसार हर साल चैत्र प्रतिपदा से नया विक्रम संवत शुरू हो जाता है। एक बार फिर कालचक्र के परिवर्तन के साथ नववर्ष दस्तक दे रहा है। चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा यानी 9 अप्रैल मंगलवार से नव विक्रम संवत्सर 2081 आरंभ हो रहा है। साथ ही इस दिन से ही चैत्र नवरात्र भी आरंभ हो रहे हैं।

ज्योतिषीय-पौराणिक मान्यताएं: ज्योतिषीय पंचांग के अनुसार नव संवत्सर 2081 का नाम क्रोधी और पंचांग भेद से इसका नाम कालयुक्त है। इसका राजा मंगल और मंत्री शनि होंगे। ज्योतिष के अनुसार इस वर्ष ग्रहों के दशाधिकार में सात विभाग क्रूर ग्रहों को और तीन शुभ ग्रहों को मिले हैं। मंगल के राजा और शनि के मंत्री होने से इस वर्ष के उथल-पुथल भरा रहने की आशंका है। मान्यता है कि नए संवत्सर में ब्रह्मांड में नई व्यवस्था का गठन भी होता है। मान्यता यह भी है कि ब्रह्मा जी ने सृष्टि का आरंभ इसी तिथि से किया था। यह भी माना जाता है कि सबसे पहले सतयुग का प्रारंभ इसी तिथि यानी चैत्र प्रतिपदा से हुआ था। यह तिथि सृष्टि के कालचक्र प्रारंभ और पहला दिन भी माना जाता है। इसी दिन भगवान विष्णु ने दशावतार में से पहला मत्स्य अवतार लेकर प्रलयकाल में अथाह जलराशि में से मनु की नौका को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया था। प्रलयकाल समाप्त होने पर मनु से ही नई सृष्टि की शुरुआत हुई। हिंदू विक्रम संवत, अंग्रेजी कैलेंडर के वर्ष से 57 वर्ष आगे होता है। चैत्र नवरात्र की प्रतिपदा तिथि से अगले 9 दिनों तक देवी दुर्गा की उपासना का महापर्व नवरात्र भी आरंभ होता है।

सांस्कृतिक धरोहर : राष्ट्रीय स्वाभिमान और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के प्रतीक की शुरुआत इस चैत्र नवरात्र से ही होती है। महाराष्ट्र में इस दिन को गुड़ी पड़वा और दक्षिण भारत में इसे उगादि के रूप में मनाया जाता है।

शुक्ल पक्ष से आरंभ होता नववर्ष: यह नववर्ष किसी जाति, वर्ग, देश, संप्रदाय का नहीं अपितु संपूर्ण मानवता का नववर्ष है। यह पर्व विशुद्ध रूप से भौगोलिक पर्व है, क्योंकि प्राकृतिक दृष्टि से भी इस दौरान वनस्पतियों, फूलों और पत्तियों में भी नयापन दिखाई देता है। हिंदू कैलेंडर में कुल 12 माह होते हैं- चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद, अश्विन, कार्तिक, मार्गशीर्ष, पौष, माघ और फाल्गुन। हिंदू कैलेंडर के सभी महीने नक्षत्र के नाम पर रखे गए हैं। पूर्णिमा तिथि पर जो नक्षत्र रहता है, उसी नक्षत्र के नाम पर हिंदी महीनों के नाम रखे गए हैं। जैस चैत्र का महीना चित्रा नक्षत्र के नाम पर रखा गया है, इसी प्रकार वैशाख, विशाखा के नाम पर, ज्येष्ठ, ज्येष्ठा नक्षत्र के नाम पर रखा गया है। एक प्रश्न यह उठता है कि चैत्र महीना हिंदू नववर्ष का पहला महीना होता है, जो होली के बाद शुरू हो जाता है। यानी फाल्गुन पूर्णिमा तिथि के बाद चैत्र कृष्ण प्रतिपदा लग जाती है फिर भी उसके 15 दिन बाद नया हिंदू नववर्ष क्यों मनाया जाता है? इसका उत्तर यह है कि हिंदू पंचांग के अनुसार कृष्ण पक्ष, पूर्णिमा से अमावस्या तिथि के 15 दिनों तक रहता है और कृष्ण पक्ष के इन 15 दिनों में चंद्रमा धीरे-धीरे लगातार घटने के कारण पूरे आकाश में अंधेरा छाने लगता है। सनातन धर्म का आधार हमेशा अंधेरे से उजाले की तरफ बढ़ने का रहा है यानी 'तमसो मा ज्योतिर्गमय'। इसी वजह से चैत्र माह के लगने के 15 दिन बाद जब शुक्ल पक्ष लगता है तभी प्रतिपदा तिथि से हिंदू नववर्ष मनाया जाता है। अमावस्या के अगले दिन शुक्ल पक्ष लगने से चंद्रमा हर एक दिन बढ़ता जाता है, जिससे कालक्रम अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ता है।

क्या है प्रतिपदा: हिंदू पंचांग की प्रथम तिथि प्रतिपदा कही जाती है। यह तिथि मास में दो बार आती है पूर्णिमा के पश्चात और अमावस्या के पश्चात। पूर्णिमा के पश्चात आने वाली प्रतिपदा को कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा और अमावस्या के पश्चात आने वाली प्रतिपदा को शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा कहा जाता है। शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से चंद्रमा पूर्णता की ओर बढ़ता है, अतः इसे प्रतिपदा कहते हैं। शुक्ल पक्ष में सूर्य और चंद्र का अंतर 0 से 12 डिग्री तक होता है, जबकि कृष्ण पक्ष में सूर्य और चंद्र का अंतर 181 से 192 डिग्री तक होता है, तब प्रतिपदा तिथि होती है। कृष्ण प्रतिपदा को चंद्रमा की प्रथम कला होती है। शुक्ल पक्ष प्रतिपदा में चंद्रमा अस्त रहता है। कृष्ण पक्ष प्रतिपदा में स्थिति एकदम विपरीत होती है। कृष्ण प्रतिपदा में चंद्र अपने ह्रास की ओर बढ़ता है। अतः कह सकते हैं कि हिंदू संस्कृति में नया वर्ष आनंददायक भाव के साथ शुरू किया जाता है। *

शुभकामना गीत / शिवचरण चौहान

नव संवत्सर मंगलमय हो !

भारत के जन-जन की जय हो।
नव संवत्सर मंगलमय हो।।
चैत्र शुक्ल प्रतिपदा हमारी।
नए वर्ष की शुभ तिथि प्यारी।।
भारत की सर्वत्र विजय हो।
नव संवत्सर मंगलमय हो।।
ऋतु बसंत पावन, मनभावन।
चैत्र मास नव मास सुहावन।।
महाराज विक्रम की जय हो।
नव संवत्सर मंगलमय हो।।
पूरित शस्य धरा अति पावन।
नव पल्लव फल-फूल सुहावन।।
ग्रह नक्षत्र शुभ मंगलमय हो।
भारत के जन-जन की जय हो।
नव संवत्सर मंगलमय हो।।

कहानी
रेखा शाह आरबी

लाल गमछा

रामदीन रोज रेल की पटरियों के किनारे वाले जंगल में अपनी बकरियां चराने ले जाता था। यहां बड़ी-बड़ी और मुलायम घास बकरियों को आसानी से उपलब्ध हो जाती थी। रामदीन पढ़ा-लिखा नहीं था। बचपन में मात्र चार-पांच दिन ही स्कूल गया था। उसका स्कूल में मन नहीं लगा तो स्कूल जाना छोड़ दिया। उसने घर में अपनी बकरियों को चराने की जिम्मेदारी ले ली।

उस दिन बकरियां जंगल में घास चर रही थीं। रामदीन कोई गीत गुनगुनाते हुए पटरियों के किनारे टहल रहा था। अचानक उसकी नजर रेल की टूटी पटरी पर पड़ी। वह चौंका, 'हे भगवान! यहां तो रेल की पटरी टूटी हुई है। रेल आएगी तो दुर्घटनाग्रस्त हो जाएगी।'

रामदीन ने सोचा गांव जाकर लोगों को खबर करे, लेकिन गांव दूर था। दोपहर बाद शाम शुरू होते ही आने वाली ट्रेन का टाइम हो रहा था। वह सोच में पड़ गया, यदि ट्रेन आ गई तो भयंकर दुर्घटना हो जाएगी। ना जाने कितनी जानें चली जाएंगी, कितने लोग हताहत हो जाएंगे। दोपहर खत्म हो रही थी। ठीक इसी समय ट्रेन आती थी, रामदीन को पता था। क्योंकि रोज वह बकरियों को चराकर इसी समय अपने गांव की ओर वापस लौटता था। वह जाती हुई उस ट्रेन के यात्रियों को हाथ हिलाकर अभिवादन करता था। यात्री भी उसे इस तरह हाथ हिलाते देखकर मुस्कुराते हुए अपने हाथ हिलाकर उसके अभिवादन का जवाब देते थे।

रामदीन का दिमाग सुन्न हो रहा था। उसे समझ में नहीं आ रहा था, करे तो क्या करे? कैसे ट्रेन को दुर्घटनाग्रस्त होने से बचाए? उसे अचानक याद आया, जब वह बचपन में चार-पांच दिन के लिए स्कूल गया था तो मास्टर जी ने बच्चों को बताया था कि यदि आपातकाल में कभी ट्रेन रुकवानी पड़े तो तुम किसी भी लाल रंग के कपड़े को ट्रेन के ड्राइवर को दिखाओ, ड्राइवर ट्रेन रोक देगा, क्योंकि लाल रंग खतरे का प्रतीक होता है। ड्राइवर समझ जाएगा कि आगे कहीं कुछ खतरा है, इसलिए ट्रेन रुकने का इशारा किया जा रहा है।

रामदीन ने अपने कपड़े देखे। उसने देखा, गले में लाल रंग का गमछा पड़ा हुआ है। उसने अपने डंडे में गमछे के दोनों सिरों को बांधा और पटरी के पास खड़ा हो गया। कुछ ही देर में उसे दूर से ट्रेन के आने की आवाज सुनाई दी। वह डंडे में बंधे लाल गमछे को हिलाते हुए ट्रेन की दिशा में दौड़ पड़ा।

ड्राइवर ने दूर से ही देख लिया था, एक व्यक्ति लाल रंग का कपड़ा लहराते हुए ट्रेन की तरफ आ रहा है। वह समझ गया कि कहीं न कहीं कुछ गड़बड़ है, उसने ट्रेन रोक दी।

ट्रेन रुकने के बाद ड्राइवर, गार्ड, टीटी और कुछ यात्री उतर कर रामदीन के पास आए। उसने सबको ट्रेन की टूटी पटरी दिखाई। टूटी पटरी देखकर लोग दंग रह गए। ड्राइवर बोला, 'आपने एक बहुत बड़ी दुर्घटना होने से बचाई है, लोगों की जान बचाई है।'

तुरंत स्टेशन से इंजीनियरों की टीम बुलाकर पटरियों की मरम्मत करवाई गई। ट्रेन जब अपने गंतव्य की ओर रवाना हुई तो टीटी, ड्राइवर, गार्ड और यात्रियों ने हाथ हिलाकर रामदीन के प्रति कृतज्ञता प्रकट की।

शाम होते ही रामदीन अपनी बकरियों को लेकर घर आ गया। रात को जब रामदीन अपनी खाट पर सोने के लिए लेटा तो सोच रहा था- 'मैं जब चार-पांच दिन स्कूल गया तो मुझे इतना ज्ञान मिल गया कि एक ट्रेन के कितने सारे लोगों की जान बचा ली। अगर लंबे समय तक शिक्षा ग्रहण की होती तो मैं ना जाने कितने और बड़े-बड़े काम करने के लिए समक्ष हो जाता।'

उसी रात रामदीन ने मन ही मन संकल्प लिया कि वह तो अनपढ़ रह गया, लेकिन अपने बच्चों को अनपढ़ नहीं रहने देगा। जल्द ही अपने बच्चों का स्कूल में दाखिला कराएगा। *

खरी-खरी / अशोक अंजुम

चुनावी मौसम में

बेईमानी, झूठ के सब कारखाने चल पड़े।
लो सभी नेता स्वयं को आजमाने चल पड़े।
जो सदा करते रहे बातें उजालों की यहां,
वे तिमिर के वंशजों के गीत गाने चल पड़े।
आ गया मतदान का मौसम, 'रे पंछी जाग जा'
फिर शिकारी वायदों के लेके दाने चल पड़े।

अगर आपकी है रचनात्मक लेखन में रुचि
अगर आप अपने आस-पास की बदलती दुनिया पर नजर रखते हैं। आप हटकर सोचते हैं, आपके भीतर विवेचन और लेखन की क्षमता है, आप पत्रकारिता-लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो जुड़िए दैनिक हरिभूमि से।
हमें दिल्ली में अपने फीचर विभाग के लिए आवश्यकता है-
▸ वरिष्ठ उप संपादक / उप संपादक
▸ प्रशिक्षु उप संपादक
▸ हिंदी टाइपिंग में कुशल ऑपरेटर भी आवेदन कर सकते हैं।
यथाशीघ्र अपना बायोडाटा मेल करें-
E-Mail: haribhoomifeaturedep@gmail.com
हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से एक साथ प्रकाशित